धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शनिवार 08 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 60

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	42.8	30.8
जमशेदपुर	40.2	25.7
डालटनगंज	44.0	26.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

नीट रिजल्ट में गड़बड़ी पर कांग्रेस हमलावर उठाए कई सवाल, कहा

छात्रों को मिले न्याय, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

नीट परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद से कई परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने अनियमितता व घोटाले के आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की है. वे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी एनटीए से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि एक ही केंद्र के छह छात्रों समेत 67 छात्र कैसे टॉप कर गये. वहीं एनटीए ने आरोपों को खारिज करते हुए ज्यादा स्कोरिंग के लिए एनसीईआरटी की टेक्स्ट बुक में बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर बर्बाद हुए समय के लिए ग्रेस मार्क्स के प्रावधान को जिम्मेदार ठहराया है. इस मामले में विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी भी हमलावर दिख रही है.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी से लेकर कन्हैया कुमार तक ने आरोप लगाते हुए नीट परीक्षा को रद्द कर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में इसकी जांच की मांग की है. उधर, छात्रों का आरोप है कि पहले पेपर लीक हुआ और अब रिजल्ट में गड़बड़ी की गयी है. परीक्षार्थी पुनः जांच की मांग कर रहे हैं. इधर, नीट यूजी रिजल्ट 2024 फ्रॉड मामले में सियासी पारा भी गरमा गया है. कांग्रेस ने भी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी और केंद्र सरकार से जांच की मांग कर रही है.

क्या है मामला : 5 मई को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस परीक्षा को आयोजित कराया था. जिसका परिणाम मंगलवार 4 जून को जारी किया गया. 67 कैंडिडेट ने रैंक 1 हासिल की है. सभी को 720 में से 720 अंक मिले है. सोशल मीडिया पर आरोप लग रहा है कि रिजल्ट में स्कैम हुआ. 720 में से 720 अंक हासिल करने वालों में से 6 कैंडिडेट्स एक ही सेंटर के हैं. इस साल नीट में 24 लाख से ज्यादा बच्चे शामिल हुए थे. कई छात्रों का भविष्य खतरे में है.

यह गंभीर मामला है जांच हो: कन्हैया कुमार

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने नीट पेपर लीक मामले का खुलासा होने के मामले में कहा, कांग्रेस पार्टी ने यह मुद्दा उठाया है. यह एक गंभीर मसला है. इसी निष्पक्ष जांच सुप्रीम कोर्ट की देखने में होनी चाहिए. कन्हैया के अनुसार नीट पेपर लीक मामला ज्वलंत मुद्दा है. धोखाधड़ी हुई है. कई जगहों पर पेपर लीक के आरोप सामने आए हैं. नीट एग्जाम के परिणाम बहुत अजीब आए हैं. 67 उम्मीदवारों ने ऑल इंडिया रैंक वन हासिल किया. कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नीट मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की है.

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़: खरगे

खरगे ने उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया हैं. ज़िम्मेदारी मोदी सरकार की है. भाजपा ने युवाओं को ठगा है. हमारी मांग है कि सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में उच्चस्तरीय जांच हो, जिससे छात्रों को न्याय मिले. वहीं, प्रियंका गांधी ने भी कहा कि पहले परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब आरोप है कि रिजल्ट में भी स्कैम हुआ है. एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर सवाल उठे हैं. दूसरी ओर, कई बच्चों के आत्महत्या की खबरें हैं. सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वो जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करे?

रद्द हो सकती है परीक्षा?

इसके अलावा कई जगह से पेपर लीक के मामले भी सामने आए थे. पटना में परीक्षा के दौरान नकली कैंडिडेट्स भी पकड़ाए थे. इसके बावजूद परीक्षा आयोजित करवाई गई. नीट पेपर लीक का मामले में कई छात्रों ने नीट री एग्जाम को लेकर याचिकाएं दायर की है. बताया जा रहा है जिसकी सुनवाई जुलाई में होगी. ऐसे में सवाल ये उठता है कि क्या नीट परीक्षा रद्द हो जाएगी?

गांधी, अंबेडकर और शिवाजी की मूर्तियां हटाने पर भड़की कांग्रेस

नयी दिल्ली। संसद परिसर से महात्मा गांधी, अंबेडकर और शिवाजी महाराज की मूर्तियों को हटाने का मामला तूल पकड़ चुका है. अब इस पर कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी पर हमला बोला है. कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि इन मूर्तियों को उखाड़ कर पीछे कहीं लगाया जा रहा है. एक देश-एक भगवान खुद को मानने वाले खीझ निकाल रहे हैं. परिसर से गांधी, शिवाजी और अंबेडकर की मूर्तियां हट गई हैं. खेड़ा ने कहा कि एनडीए की बैठक में मोदी का भाषण सिर्फ खीझ निकालने वाला है. उन्होंने पिछले 10 साल में तो एनडीए का नाम नहीं लिया. अब मोदी की गारंटी, बीजेपी नहीं एनडीए कह रहे हैं. एनडीए का मतलब नायडू या नीतीश डेमोक्रेटिक अलायंस है. ये लोग अटल के पांव की धूल नहीं हैं और चले हैं नेहरू से तुलना करने.

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया सरकार बनाने का न्योता, कल लेंगे शपथ

मोदी 3.0

» एनडीए ने मोदी को नेता चुना, राष्ट्रपति को सौंपा समर्थन पत्र

» मोदी बोले- 2014 में मैं नया था, अब अनुभव है, बस आगे बढ़ना है

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नरेंद्र मोदी को नई सरकार बनाने का न्यौता शुक्रवार को दे दिया है. केंद्र सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों की तरह इस बार भी देशवासियों को निराश नहीं होना पड़ेगा. किसी भी काम को करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी. जिस तरह से पहले सरकार चलती थी उसी तरह से ये सरकार भी चलेगी.

उन्होंने कहा, मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि 18वीं लोकसभा में भी हम उसी गति के साथ उतने ही सामर्थ्य से देश की आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कमी नहीं रखेंगे. शुक्रवार को सुबह एनडीए की मीटिंग हुई. सभी साथियों ने फिर से मुझे इस दायित्व के लिए पसंद किया है. राष्ट्रपति को मैंने इसकी जानकारी दी. उन्होंने बुलाया और मुझे पीएम उम्मीदवार के रूप में काम करने के लिए ड्यूटी दी है. मंत्रिपरिषद सदस्य की सूची के लिए सूचित किया है. इस दौरान उन्होंने ये भी कहा, 2014 में मैं नया था. अब लंबे समय तक मुझे अनुभव मिला है. अब हमारे लिए तुरंत ही काम को आगे बढ़ाना सरल रहने वाला है. इस अनुभव का लाभ देश की सेवा करने में मिलेगा. इन 10 साल के कार्यकाल के दौरान भारत की वैश्विक छवि बनी है. विश्वबंधु के रूप में भारत उभरा है. अब मुझे पक्का विश्वास है कि भारत वैश्विक परिवेश में भी जरूरी होने वाला है. मोदी ने कहा, दुनिया अनेक संकटों, तनाव और आपदाओं से गुजर रही है. इन सारी समस्याओं के बीच अपने आप को बचाए रखना है और आगे बढ़ते रहना है. हम भारतवासी इतने बड़े संकट के बीच सबसे तेज गति से बढ़ने वाले हैं. पिछले दो टर्म में जिस गति से देश आगे बढ़ा है समाज के हर क्षेत्र में परिवर्तन साफ दिखाई दे रहा है. 18वीं लोकसभा एक प्रकार से नई ऊर्जा, युवा ऊर्जा और कुछ कर गुजरने की इरादे वाली ये लोकसभा है.

इससे पूर्व देश में लगातार तीसरी मोदी सरकार का रास्ता साफ हो गया. एनडीए की बैठक में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुना गया. इसके बाद एनडीए के नेता राष्ट्रपति से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया. राष्ट्रपति को एनडीए के 293 सदस्यों के समर्थन का पत्र भी सौंप दिया. इससे पहले संसद भवन की पुरानी इमारत के संविधान कक्ष में एनडीए की बैठक की शुरुआत होने के बाद राजनाथ सिंह ने मोदी को राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी सहयोगी दलों ने अनुमोदन किया. अनुमोदन के बाद सभी नेताओं ने ध्वनि मत से मोदी को अपना नेता चुन लिया. भाजपा और राजग नेताओं ने नेता चुने जाने पर मोदी को बधाई दी. इस दौरान कक्ष में मौजूद नेताओं ने मोदी-मोदी के नारे भी लगाए. प्रस्ताव का सबसे पहले अमित शाह, फिर नितिन गड़करी और उसके बाद राजग के अन्य सहयोगी दलों के नेताओं ने समर्थन किया. मोदी देश के दूसरे ऐसे नेता बन जाएंगे, जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे. इससे पहले यह रिकॉर्ड पंडित जवाहर लाल नेहरू के नाम पर है. मोदी, पीएम पद की शपथ लेते ही इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे.

चिरपरिचित अंदाज में नजर आए मोदी

एनडीए की संयुक्त बैठक में मोदी ने कहा, मेरे लिए खुशी की बात है कि इतने बहुत बड़े समूह का स्वागत करने का अवसर मिला है. जो साथी जीतकर आए हैं, वे अभिनंदन के अधिकारी हैं. संविधान सदन के सेंट्रल हॉल से सिर झुका कर प्रणाम करते हैं. मोदी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में न सिर्फ बीते 10 साल में गठबंधन की सफलताओं और उपलब्धियों पर बात की, जबकि विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा. मोदी ने कहा कि जब चार जून को चुनावी नतीजे आ रहे थे, मैं काम में व्यस्त था. फोन कॉल आना शुरू हो गए थे. मैंने किसी से पूछा कि आंकड़े तो ठीक हैं, लेकिन मुझे ये बताओ कि ईवीएम जिंदा है या मर गया. क्योंकि ये लोग (विपक्ष) तय करके बैठे थे कि भारत के लोकतंत्र और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास ही उठ जाए और लगातार ये लोग ईवीएम को गाली दे रहे थे. उन्होंने कहा कि मुझे तो लग रहा था कि इस बार ईवीएम की अर्थी लेकर जुलूस निकालेंगे. लेकिन चार जून शाम आते-आते उनको ताले लगे गए. ईवीएम ने उनको चुप कर दिया. मुझे उम्मीद है कि मुझे अगले पांच सालों तक ईवीएम का रोना सुनने को नहीं मिलेगा. लेकिन जब हम 2029 के चुनाव में जाएंगे, तो शायद वे दोबारा ईवीएम का रोना रोएं. देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा. मोदी ने कहा कि मैं देख रहा हूं कि इंडी वाले पहले तो डूब रहे थे, लेकिन अब तेज गति से गर्त में जाने वाले हैं.

अगले 10 साल में विकास का नया अध्याय लिखेंगे

मोदी ने कहा, हम अगले 10 साल में गुड गवर्नेंस, विकास, सामान्य मानवीय जीवन में सरकार की दखल जितनी कम हो, उतना कम करने का प्रयास करेंगे. उसी से लोकतंत्र की मजबूती है. आज के टेक्नोलॉजी के युग में हम बदलाव चाहते हैं. मोदी ने कहा, हम विकास का नया अध्याय लिखेंगे. गुड गवर्नेंस का नया अध्याय लिखेंगे. जनता-जनार्दन की भागीदारी का नया अध्याय लिखेंगे और सब मिलकर के विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे. एनडीए नेतृत्व के बीच एक सामान्य बात मौजूद है- वो है सुशासन. मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि अगले 10 साल में गुड गवर्नेंस, विकास, नागरिकों के जीवन में क्वॉलिटी ऑफ लाइफ... मेरा व्यक्तिगत रूप से एक ड्रीम है. देश ने एनडीए के गरीब कल्याण और गुड गवर्नेंस को देखा है. जनता जनार्दन ने सरकार क्या होती है, सरकार क्यों होती है और किसके लिए होती है. किसके लिए काम करती है, अनुभव किया है.

ये मेरे लिए भावुक करने वाला पल

मोदी ने कहा, आप जब सब मुझे एक बार फिर मुझे यह दायित्व देते हैं तो यह साबित होता है कि अटूट रिश्ता और विश्वास मजबूत धरातल पर है और ये मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी है. ये पल मेरे लिए भावुक करने वाले भी हैं. आप सबके प्रति जितना धन्यवाद करूं, उतना कम है. हमारा अलायंस सच्चे अर्थ में भारत की आत्मा, भारत की जड़ों में रचा-बसा है, उसका एक प्रतिबिंब है. देश में 10 ऐसे राज्य हैं, जहां हमारे आदिवासी बंधुओं की संख्या प्रभावी रूप से है. निर्णायक रूप से है. जहां आदिवासियों की संख्या ज्यादा है, वहां 7 राज्यों में एनडीए सेवा कर रहा है. हम सर्वपंत-समभाव से समर्पित हैं. गोवा हो या नॉर्थ ईस्ट, जहां बहुत बड़ी संख्या में ईसाई समाज रहता है, उन राज्यों में भी एनडीए को सेवा का अवसर मिला है.

आडवाणी-जोशी का लिया आशीर्वाद

एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद पीएम मोदी आशीर्वाद लेने के लिए बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के घर पहुंचे. पैर छूकर आशीर्वाद लेने के बाद मोदी ने उनका हाल-चाल पूछा. इसके बाद वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी का भी आशीर्वाद लिया. फिर मोदी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से भी मिले. मोदी ने इन नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया.

सब दिन मोदी के साथ रहेंगे नीतीश ने मोदी का पैर छुआ

नयी दिल्ली। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने जदयू की ओर से पीएम पद के लिए नरेंद्र मोदी को समर्थन देने का ऐलान किया. भरोसा दिलाया कि वे सब दिन मोदी और एनडीए के साथ रहेंगे. उन्होंने कहा, 10 साल से पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं. हम पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे. अगली बार जब आइएगा, तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा. बिना मतलब का बात बोल-बोल कर क्या किया है, उनलोगों ने आज तक कोई काम नहीं किया है, देश की कोई सेवा नहीं की है. नीतीश ने एनडीए संसदीय दल की मीटिंग में पीएम मोदी के पांव छूकर फिर से सम्मान जताया.

मोदी के नेतृत्व में देश का विकास जारी रहेगा: चंद्रबाबू

टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू ने कहा, हम सभी को बधाई दे रहे हैं क्योंकि हमने शानदार बहुमत हासिल किया है. मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि तीन महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया. दिन-रात प्रचार किया. उन्होंने उसी भावना के साथ शुरुआत की और उसी भावना के साथ खत्म किया. विकास की रफ्तार आगे भी जारी रहेगी. आज, भारत के पास सही नेता है- वह मोदी हैं. यह बहुत अच्छा मौका है, अगर आप अभी चूक गए, तो हम हमेशा के लिए चूक जाएंगे.

मोदी 3.0 और रिजर्व बैंक के फैसले से बाजार बम-बम

सेंसेक्स ने तोड़े सभी रिकॉर्ड

मुंबई। नरेंद्र मोदी सरकार की वापसी और रिजर्व बैंक के फैसले का असर शुक्रवार को शेयर बाजार पर साफ देखने को मिला है. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स ऑल टाइम हाई 1618.85 की बढ़त के साथ 76,693.36 पर बंद हुआ.

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 2.05 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 23,290.15 पर बंद हुआ. सेंसेक्स दोपहर में 1700 अंकों से अधिक की उछाल के साथ 76,794.06 पर पहुंच गया था. वहीं, निफ्टी 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 23,320.20 पर पहुंच गया. सेंसेक्स में सभी 30 कंपनियों ने बढ़त के साथ कारोबार किया. रिजर्व बैंक ने एक बार फिर रेपो-रेट की पुरानी दरों को बरकरार रखी हैं. यह लगातार 8वीं बार है, जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला. दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी एनडीए का नेता चुने जाने के बाद बाजार को पंख लग गये.

साक्षात्कार एनडीए सरकार व मोदी-शाह के लिए बड़ी चुनौतियां आएंगी, आसान नहीं होगी एनडीए सरकार की डगर

राहुल गांधी 'मैन ऑफ द मैच', बनें नेता प्रतिपक्ष : थरूर

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव का ''मैन ऑफ द मैच'' करार दिया और कहा कि उन्हें नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए. लगातार चौथी बार तिरुवनंतपुरम से निर्वाचित हुए थरूर ने कहा कि जनादेश का संदेश यह है कि मतदाताओं ने भाजपा के 'अति अहंकार' और उसके 'मेरी बात मानिए, नहीं तो रास्ता नापिए' के रवैये को अनुचित ठहराया है. अगली राजग सरकार को लेकर उनका कहना था, यह नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए एक चुनौती होगी, जो अपनी सरकार चलाने में बहुत अधिक सलाह-मशविरा करने के आदी नहीं रहे हैं और मुझे लगता है कि यह उनके काम करने के तरीके को बदलने और सरकार के भीतर अधिक समायोजन करने की उनकी क्षमता की परीक्षा होगी.

उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्ष के साथ भी सरकार का अधिक समायोजन रहेगा. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस बार मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार कुछ मुद्दों पर 'मजबूर सरकार' साबित हो सकती है क्योंकि इस गठबंधन का हिस्सा बनने वाली पार्टियों को सहमत होना होगा.

राहुल गांधी निर्विवाद स्टार : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पद के लिए राहुल गांधी के नाम की पैरवी करते हुए थरूर ने कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष निर्विवाद रूप से इस लोकसभा चुनाव में स्टार हैं. थरूर का कहना है, राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन) खरगे ने पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रचार किया, लेकिन खरगे राज्यसभा में हैं जहां वह विपक्ष का नेतृत्व करते हैं और यह उचित होगा कि राहुल गांधी लोकसभा में भी ऐसा ही करें. मैंने इस संबंध में सार्वजनिक और निजी तौर पर भी अपनी बात रख दी है. उन्होंने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा, मुझे लगता है कि अब हमारे पास सरकार के खिलाफ खड़े होने के लिए एक मजबूत संख्या है और उन्हें (विपक्ष का नेता) ऐसा नेता होना चाहिए जो निःसंदेह पार्टी में सबसे लोकप्रिय हो. क्रिकेट की उपमाओं का उपयोग करते हुए थरूर ने आगे कहा कि गांधी इस चुनाव में निश्चित रूप से मैन ऑफ द मैच थे और कई स्थानों पर कांग्रेस ने गेंद को मैदान से बाहर पहुंचाया है.

गांधी की यात्राओं का असर दिखा : लोकसभा में कांग्रेस की सीटें बढ़कर 103 हो जाने की सराहना करते हुए थरूर ने कहा कि यह बहुत अच्छा प्रदर्शन है और नेता इस बात से बहुत खुश हैं कि जमीन पर जो देखा गया है, यह संख्या के उसके मुताबिक है. कांग्रेस नेता ने कहा, सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है। निश्चित रूप से हमें दिल्ली, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में सभी सीट हारने की उम्मीद नहीं थी. ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां उन राज्य इकाइयों के भीतर कुछ आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता होगी कि क्या ग़लत हुआ और मुख्यालय को भी इस पर विचार करना होगा. उन्होंने कहा, दूसरी ओर, हमने अधिकतर अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है और यदि आप उन राज्यों की संख्या को देखें जहां हमने अपने प्रदर्शन में सुधार किया है, तो हम उन राज्यों की संख्या से काफी आगे निकल गए हैं जहां हम पहले की संख्या पर रहे या हम नीचे चले गए. थरूर ने पार्टी के प्रदर्शन के लिए गांधी की दो 'भारत जोड़ो यात्राओं' और उसकी गठबंधन रणनीतियों को भी श्रेय दिया.

अब रबर स्टांप नहीं होगी संसद

थरूर ने कहा, पहले से ही 'अग्निपथ' योजना पर एक पार्टी द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं. कहा जा रहा है कि इसकी समीक्षा की जानी चाहिए. इस विचार का जदयू और चिराग पासवान पार्टी द्वारा समर्थन किया गया है. आंध्र प्रदेश और बिहार दोनों में कई नेताओं ने अपने राज्यों के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांगा है, जिससे भाजपा सरकार ने अब तक इनकार कर दिया था. इसको भी फिर से देखना होगा. थरूर ने कहा कि अब इस सरकार को अधिक सहमति वाला मॉडल शासन लाना होगा.

ओडिशा का अगला सीएम कौन?

प्रधान व पात्रा भी रेस में

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जीत दर्ज की है. अब राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इसकी जानकारी शनिवार को हो जाएगी. सीएम के नाम पर सस्पेंस के बीच राज्य में भाजपा के एक वरिष्ठ आदिवासी विधायक ने शुक्रवार को कहा कि 78 सदस्यीय विधायक दल शनिवार को बैठक कर नाम की घोषणा करेगा. केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, संबित पात्रा आदि के नामों पर चर्चा हुई है. संबलपुर जिले के कुचिंडा से वरिष्ठ विधायक रविनारायण नाइक ने शुक्रवार को कहा कि राज्य विधायक दल भुवनेश्वर में बैठक करेगा और 10 जून को भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले नाम की घोषणा करेगा. नाइक ने कहा, संसदीय दल शुक्रवार को नए सीएम पर फैसला ले सकता है और शनिवार को औपचारिक घोषणा की जाएगी. ओडिशा के सभी 20 भाजपा सांसदों से शीर्ष नेतृत्व ने सलाह ली है. पार्टी सूत्रों ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से जिन नामों पर विचार हो रहा है, उनमें पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पूर्व केंद्रीय आदिवासी मामलों के मंत्री जुएल ओराम, पुरी के नवनिर्वाचित सांसद संबित पात्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और केंद्रपाड़ा के सांसद बैजयंत पांडा व पश्चिमी ओडिशा के वरिष्ठ नेता सुरेश पुजारी प्रमुख हैं. इनमें से केवल पुजारी ही विधायक हैं.

जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा और भाजपा एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी नहीं जीत सके लोकसभा चुनाव

पांच आदिवासी सीटों पर हार का असर : बदले जा सकते हैं बाबूलाल मरांडी

कौशल आनंद। रांची

ऐन विधानसभा चुनाव के ठीक पहले भाजपा को झारखंड में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है. तीन-तीन बड़े आदिवासी चेहरा के रहते हुए वह झारखंड की पांचों आदिवासी आरक्षित सीट हार चुकी है. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी राज्य के बड़े आदिवासी चेहरे के रूप में जाने जाते हैं.

पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा और केंद्रीय जनजातीय मंत्री रहते हुए अर्जुन मुंडा और केंद्रीय भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव चुनाव हार चुके हैं. इसके बाद प्रदेश स्तर पर पूरे भाजपा में सन्नाटा सा छा

गया है. पार्टी को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों, क्या वाकई में पूर्व सीएम हेमंत को जेल भेजने का असर आदिवासी सीटों पर पड़ा. ऐसे में अब प्रदेश भाजपा चार महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है.

- नेतृत्व को सुझ नहीं रहा है कोई बड़ा आदिवासी चेहरा, आशा लकड़ा या नीलकंठ पर खेल सकती है दांव
- केंद्रीय नेतृत्व में पूरी रिपोर्ट प्रदेश अध्यक्ष से मांगी, विस चुनाव को देखते हुए सरकार गठन के बाद हो सकता है बड़ा निर्णय

केंद्रीय नेतृत्व ने आदिवासी सीट पर रिपोर्ट तलब की

झारखंड में पांच आदिवासी सीट पर बड़ी हार के के बाद भाजपा केंद्रीय नेतृत्व अलर्ट मोड में आ गयी है. मिली जानकारी के अनुसार नेतृत्व ने प्रदेश से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है. रिपोर्ट के अध्ययन के बाद नेतृत्व आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बड़ा निर्णय ले सकती है. कई प्रदेशों के साथ-साथ झारखंड में आगामी दिनों बड़ा बदलाव देखा सकता है.

बाबूलाल, मुंडा और समीर उरांव के बाद प्रदेश में कोई बड़ा आदिवासी चेहरा नहीं

केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष सबसे बड़ा सवाल यह उठ खड़ा हुआ है कि एक बड़ा आदिवासी चेहरा बाबूलाल मरांडी के रहते इतना बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है. इतना ही नहीं केंद्रीय जनजातीय मंत्री रहते हुए अर्जुन मुंडा और अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए समीर उरांव भी बड़े अंतर से चुनाव हार चुके हैं. इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष इनकी टक्कर और कद का बड़ा चेहरा सुझ नहीं रहा है. इसलिए प्रदेश की कमान किसे दिया जाए वह भी विधानसभा चुनाव के पहले, बड़ा यक्ष प्रश्न बन गया है. भाजपा खेमे से मिली जानकारी के अनुसार आदिवासी चेहरे के रूप में भाजपा दो नाम पर दाव खेल सकती है, जिसमें रांची की राजनीति से सीधे सेंट्रल की राजनीति में इंट्री मार चुकी पूर्व मेयर, राष्ट्रीय सचिव एवं जनजातीय आयोग की सदस्य आशा लकड़ा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा के नाम सामने आ रहे हैं.

पांच सीटिंग आदिवासी सीट में तीन गंवा चुकी है भाजपा

भाजपा का लोहरदगा, खूंटी और दुमका आदिवासी आरक्षित सीट पर कब्जा था. मगर इस चुनाव में भाजपा इन तीनों सीट के अलावे राजमहल और चाईबासा सीट भी हार गयी. यानि कि भाजपा सभी पांच आदिवासी आरक्षित सीट गंवा चुकी है. इसलिए आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की चिंता बढ़ गयी है. कैसे दो से तीन महीने में इसका डैमेज कंट्रोल किया जाए, इसको लेकर रांची से लेकर दिल्ली तक मंथन का दोर शुरू हो चुका है.

साक्ष्य के अभाव में हत्या के पांच आरोपी बरी हुए

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने हत्या के पांच आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने मंटू पांडे, राकेश सिंह, मुन्ना सिंह, बिनोद रजक और बीटू पांडे को बरी किया है. सभी आरोपियों पर पवन ठाकुर की हत्या के आरोप में वर्ष 2013 में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पवन ठाकुर की हत्या गोली मारकर की गई थी. मृतक की पत्नी के बयान पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी. मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 5 गवाह पेश किया था, लेकिन ये गवाह आरोपों को साबित नहीं कर पाए.

वन उपज पर वन निगम का कब्जा, ग्रामीणों को कम मिलती है मजदूरी

कानून तो बना, पर झारखंड के 11 हजार गांवों को नहीं मिले अधिकार

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में केंदू पत्ता संग्रहण में लगभग एक लाख परिवार लगे हैं, जिन्हें साल भर में 20 से 30 दिन तक का रोजगार मिलता है. राज्य सरकार ने केंदू पत्ता संग्रहण को लेकर 2015 में नीति बनी थी. केंदू पत्ता को बढ़ावा देने की जिम्मेवारी झारखंड राज्य वन विकास निगम लिमिटेड को सौंपी गई है. केंदू पत्ता सबसे अधिक रांची, गढ़वा, पलामू के अलावा धालभूमगढ़ में होता है.

पलामू में सिर्फ पलामू व्याघ्र परियोजना(पीटीआर) के अंदर केंदू पत्ता संग्रहण पर रोक है, जबकि पेसा और वन अधिकार अधिनियम केंदु पत्ते सहित लघु वन उपज के संग्रहण और बिक्री का अधिकार ग्रामसभा को दी है, लेकिन राज्य में इसे कभी भी सही तरीके से लागू नहीं किया गया. इसके कारण राज्य के 11 हजार से अधिक गांव जो वन क्षेत्र के करीब है, वहां से आदिवासियों का पलायन रोकने में राज्य सरकार कभी भी सक्षम नहीं हो सकी. वहीं महाराष्ट्र के गोंदिया व गढ़चिरौली के इलाके में ग्राम सभा के माध्यम से फेडरेशन बनाकर केंदूपत्ता और

पेसा और वन अधिकार अधिनियम 2006 कानून देता है ग्राम सभा को अधिकार

लघु वन उपज जैसे केंदू पत्ता, गैर-लकड़ी वन उत्पादों को इकट्ठा करने और बिक्री करने का अधिकार ग्राम सभा को देता है. इसके बाद भी राज्य में इसे कभी लागू नहीं किया गया. झारखंड में करीब 11 हजार गांव वन क्षेत्र में है. इन इलाकों से रोजगार को लिए अदिवासियों का पलायन अधिक होता है. पेसा और वन अधिकार के प्रावधानों को बेहतर तरीके से लागू इलाके की हालत में कुछ बदलाव संभव हो सकता है.

महाराष्ट्र में केंदु पत्ता और लघु वन उपज का व्यापार करती है ग्राम सभा

महाराष्ट्र के गोंदिया व गढ़चिरौली के इलाके में ग्राम सभा के माध्यम से फेडरेशन बनाकर भी केंदूपत्ता और लघु वन उपज का व्यापार किया जा रहा है. महाराष्ट्र के 5 जिलों में 170 से अधिक गांवों में 7 ग्रामसभा महासंघों इस बिजनेस मॉडल पर काम हो रहा है. केंदूपत्ता का रेट 10,000 रुपये प्रति मानक बोरी से भी ऊपर तक गया है. समितियों ने टेंडर निकाला व्यापारियों को माल भी बेचा.

क्या है कानून में प्रावधान

सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (सीएफआर): धारा 3(1)(i) वन में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों को मामूली वन संसाधनों को इकट्ठा करने और निपटान करने का अधिकार देता है.

स्वामित्व और पहुंच: धारा 3(1)(सी) इन समुदायों को केंदू पत्तों सहित लघु वन उपज पर स्वामित्व अधिकार प्रदान करती है. वे इन उत्पादों को स्थायी रूप से एकत्र, उपयोग और निपटान कर सकते हैं.

प्रबंधन और बिक्री का अधिकार: समुदाय लघु वन उपज को व्यक्तिगत रूप से या सहकारी समितियों या अन्य सामुदायिक संस्थानों के माध्यम से बेच सकता है.

राज्य नियंत्रण से छूट: अधिनियम की धारा 4(1) में कहा गया है कि केंदू पत्ता सहित लघु वन उपज का अधिकार, वन विभागों द्वारा लगाए गए पिछले प्रतिबंधों के अधीन नहीं है, जो प्रभावी रूप से समुदायों को इन संसाधनों पर अधिक स्वायत्तता प्रदान करता है.

कीमत तय करने और बेचने का अधिकार : समुदायों को राज्य वन विभागों के अनुचित हस्तक्षेप के बिना सीधे बाजारों तक पहुंचने का अधिकार है.

कानून को लागू होने से झारखंड के गांवों में आएगी समृद्धि: फादर जार्ज मोनोपोली

फादर जार्ज मोनोपोली कहते हैं कि वन विभाग आदिवासियों को अधिकार नहीं देना चाहता है. वह सीधे तैर पर कानून को ताक पर रख काम कर रहा है, सरकार भी चुप है. राज्य सरकार को इस दिशा में पहल करना चाहिए. सुधीर पाल कहते हैं कि सरकार वन अधिकार कानून और पेसा को सही तरीके से लागू करे तो झारखंड के गांव पलायन के लिए नहीं बल्कि समृद्धि को लिए जाने जाएंगे.

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 11 को करेंगे विकास योजनाओं की समीक्षा

रांची। आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन 11 जून को राज्य की विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक प्रोजेक्ट भवन में 11 बजे से करेंगे. मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को देखते हुए मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग में सभी विभागों को पत्र लिखा है और योजनाओं की स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट योजना विकास विभाग के माध्यम से मांगा है. मुख्यमंत्री सीएम विकास योजना के अलावा विधि व्यवस्था की भी समीक्षा करेंगे. इसकी भी रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय से मांगी गई है. वारंट की तामील, अपराध के साथ-साथ अबुआ आवास योजना, सर्टिफिकेट केस, भूमि सुधार राजस्व विभाग की योजनाओं की समीक्षा करेंगे.

झारखंड टीम का ट्रायल 20 और 21 जून को रांची में

संवाददाता। रांची

- सब जूनियर ईस्ट जोन हॉकी चैंपियनशिप

हॉकी इंडिया सब जूनियर ईस्ट जोन महिल व पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम का चयन ट्रायल 20 व 21 जून को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में होगा. पुरुष वर्ग का ट्रायल 20 जून को सुबह 6.30 से शुरू होगा. वहीं महिला टीम का ट्रायल 21 जून को सुबह 6.30 बजे से होगा. इस चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए खिलाड़ी का जन्म एक जनवरी 2024 या उसके बाद होना होना अनिवार्य है. ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम द्वारा निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र और उम्र पात्रता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है. बता दें कि सब जूनियर ईस्ट जोन चैंपियनशिप का आयोजन 24 से 31 जुलाई तक असम के गुवाहाटी में होगा.

छऊ कार्यक्रम को लेकर सीएम को न्योता

संवाददाता । संवाददाता

रांची मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शुक्रवार को श्रीश्री सार्वजनिक मां मनसा क्लब, बासुड़दा, गम्हरिया, सरायकेला-खरसावां के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बासुड़दा में 15 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय छऊ नृत्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा. इस अवसर पर आदिवासी कला एवं संस्कृति भवन का भी उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों किया जाना है. मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में मांझी बाबा पिथौ टुडू के साथ श्री श्री सार्वजनिक मां मनसा क्लब, बासुड़दा के मुकेश सिंहदेव, सोना राम सोरेन, मुकेश हांसदा, बलराम लोहार, रवि हांसदा, रामू टुडू, राजेश टुडू, रविन्द्र कालिंदी, मंटू लोहार, बलदेव हांसदा, अजय महतो और संजय पात्रो शामिल थे.

सीएम चंपाई सोरेन को आमंत्रण पत्र सौंपता प्रतिनिधिमंडल.

संयुक्त शिक्षक मोर्चा मिला निदेशक से, ज्ञापन सौंपा

निदेशक को ज्ञापन सौंपता प्रतिनिधिमंडल .

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश संयुक्त शिक्षक मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल प्राथमिक शिक्षा, झारखंड के निदेशक शशि प्रकाश सिंह से मिल ज्ञापन सौंपा. उन्होंने प्रधानाध्यापक विहीन हो चुके झारखंड राज्य के विद्यालयों में प्रधानाध्यापक समेत शिक्षकों की सभी ग्रेड में वर्षों से लंबित प्रोन्नति को विभागीय मार्गदर्शन के अनुरूप जल्द संपादित करने का अनुरोध किया है. राज्यों के विभिन्न जिलों से आ रही रिपोर्ट के अनुरूप मोर्चा ने जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के द्वारा किए जा रहे विसंगतियों पर ध्यान आकृष्ट कराया कराते हुए कहा कि विभागीय मार्गदर्शन के अनुरूप जिले में कुल रिक्तियों के विरुद्ध जिला वार रोस्टर क्लीयरेंस करते हुए मास्टर ग्रेडेशन लिस्ट के अनुरूप प्रमोशन का मार्ग प्रशस्त किया जाए. प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के संयोजक विजय बहादुर सिंह, अमीन अहमद, प्रवक्ता अरुण कुमार दास एवं वरिष्ठ सदस्य मकसूद जफर हादी शामिल थे. निदेशक ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि जल्द ही समस्या के समाधान की पहल की जायेगी.

शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में तंबाकू पदार्थ बेची तो खैर नहीं

रांची। जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू पदार्थ की बिक्री पर रोक लगाया गया है. रांची सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने शुक्रवार को धारा 144 के अंतर्गत प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है. जारी सूचना में कोटपा अधिनियम के तहत किसी भी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज के दायरे में सिगरेट या किसी अन्य तंबाकू पदार्थ की बिक्री पर रोक की बात कही गई है, जिसमें सभी निजी एवं सरकारी स्कूल, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के 100 गज की परिधि में निषेधाज्ञा जारी की गई है. यह निषेधाज्ञा अगले 60 दिनों के लिए लागू रहेगी. यदि किसी ने इसका उल्लंघन की तो प्रशासन उसपर कार्रवाई करेगी.

- धारा 144 के अंतर्गत प्रदान शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा लागू की है

लोकसभा चुनाव के बाद झारखंड विधानसभा चुनाव की कवायद शुरू

कम वोटिंग के कारणों को जानने के लिए फील्ड विजिट करेगी आयोग की टीम

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग साल के अंत में होने वाले झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गया है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें बीते लोकसभा चुनाव की समीक्षा की गई. साथ ही विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने के निर्देश दिए गए. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार की मौजूदगी में हुई इस बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी के अलावा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निर्वाचन कार्य से जुड़े जिलास्तर के पदाधिकारी शामिल हुए. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान जिन बूथों पर कम वोटिंग हुई है, उसके कारणों को जानने के लिए चुनाव आयोग की टीम जिलों का दौरा करेगी. इन जगहों में मतदान क्यों कम हुए हैं, इसे जानने के लिए संत जेवियर्स के रिसर्च टीम को भी जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा जुलाई के पहले सप्ताह से फील्ड विजिट भी होगा.

इस साल होने वाले झारखंड विधानसभा के चुनाव को ध्यान में रखते हुए आयोग ने तैयारी शुरू करते हुए सभी उप निर्वाचन पदाधिकारी को मतदाता सूची में लोकसभा चुनाव के दौरान आई शिकायतों को दूर करने का निर्देश दिया है. साथ ही मतदाताओं से अपील की है कि समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने का काम करें. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आम लोगों से अपील किया कि मतदाता सूची से संबंधित जो कुछ भी शिकायतें हैं, उसे दूर करने के लिए वोटर को समय पर पहल करनी होगी. अभी वक्त है. विधानसभा चुनाव से पहले ही बीएलओ के माध्यम से इस दिशा में कदम उठाएं. उन्होंने कहा कि आयोग के द्वारा सभी मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों को मुफ्त में मतदाता सूची उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे समय रहते वे देख सकें कि किनका वोटर लिस्ट में नाम नहीं है या किसी तरह की संशोधन की जरूरत है.

कम वोटिंग की समीक्षा करते के. रविकुमार.

दक्षिण पूर्व रेलवे के नए सीपीआरओ बने ओम प्रकाश चरण

संवाददाता। रांची

दक्षिण पूर्व रेलवे के नये सीपीआरओ ओम प्रकाश चरण ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण किया. इससे पहले वे खड़गपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे. भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के 2013 बैच के अधिकारी ओम प्रकाश ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से राजनीति विज्ञान में एमए पूरा किया. उनके पास ट्रेन परिचालन और रेलवे के वाणिज्यिक पहलुओं का व्यापक अनुभव है. रेलवे में सेवा के दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है. वे खड़गपुर और आद्रा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, चक्रधरपुर के वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक और टाटानगर के क्षेत्र प्रबंधक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं.

क्लासिफाइड

चेतावनी अबुआ आवास योजना की प्रगति हो सकती है बाधित, कामकाज हो सकता है ठप

संविदाकर्मी एक अगस्त से जाएंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य में सरकारी आवास योजनाओं को समय पूरा करने की जिम्मेवारी 300 संविदा कर्मियों पर है. इनकी संविदा पर नियुक्ति राज्य सरकार नें अधिसूचना 1016 के माध्यम से मार्च 2017 में की गयी थी. विभाग ने इन पदों पर नियुक्ति बिना प्रशासी पद वर्ग समिति की स्वीकृति के ही कर ली थी.

बाद में भी विभाग ने इन पदों की स्वीकृति प्रशासी पद वर्ग समिति से नहीं करायी. इसके कारण इन कर्मियों को अल्प मानदेय में काम करना पड़ा रहा है. राज्य सरकार इन्हीं कर्मियों के बदौलत अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और अंबेडकर आवास योजना का काम पूरा करती है. काम का दबाव और अल्प मानदेय से परेशान कर्मी अब आंदोलन के मूड में हैं. शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर राज्य आवास कर्मी संघ का एक प्रतिनिधिमंडल विभागीय सचिव मिलकर मांग पत्र सौंपा. संघ की ओर से कहा गया है कि मांगें नहीं पूरा होने पर एक अगस्त से सभी कर्मी हड़ताल पर जाएंगे.

विभागीय सचिव से मिलने जाता संविदाकर्मियों का प्रतिनिधिमंडल.

मंत्री आलमगीर ने दो साल पहले स्वास्थ्य बीमा और ईपीएफ देने की फाइल बढ़ायी थी

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री आलमगीर आलम ने करीब दो साल पहले इन कर्मियों को स्वास्थ्य बीमा और ईपीएफ का लाभ देने के लिए फाइल में सहमति दी थी. लेकिन दो साल बाद भी कर्मियों को यह लाभ नहीं मिला.

क्या हैं प्रमुख मांगें

- जिला व प्रखंड के सभी कर्मियों का मानदेय सातवें वेतन के अनुरूप की जाए
- सभी कर्मियों का स्वास्थ्य बीमा और ईपीएफ का लाभ दी जाए.
- अनुकंपा के आधार पर मृतक के परिवारों की नौकरी दी जाए
- कर्मियों के सेवा अवधि विस्तार 60 वर्ष तक की जाए
- विभाग के स्तर से जिला एवं प्रखंड के सभी कर्मियों की प्रशासी पद वर्ग समिति से कराई जाए

आंदोलन की रूपरेखा

मांगें पूरी नहीं होने पर पांच व छह जुलाई को कलमबंद हड़ताल, 15 से 16 जुलाई तक मुख्यालय पर धरना, 24 और 26 जुलाई को राजभवन के समक्ष धरना और एक अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी विभाग को दी गयी.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

जमशेदपुर, शनिवार 08 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 02 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 60

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

डोबो पुल के पास गुरुवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त टेलर के केबिन में फंसे चालक को निकालने का प्रयास करते दमकल कर्मी व स्थानीय लोग.

- गुरुवार को सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गया था 27 टन स्टील लदा टेलर
- गोलमुरी केबुल टाउन का निवासी है घायल टेलर चालक, टीएमएच में भर्ती
- स्थानीय निवासी की सूचना पर पहुंची पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम भी आई

डोबो पुल के पास टाटा स्टील फायर ब्रिगेड की टीम को करनी पड़ी चार घंटे मशक्कत

सड़क दुर्घटना के बाद टेलर के केबिन में फंसा चालक, रेस्क्यू टीम ने जिंदा निकाला

संवाददाता। जमशेदपुर

"जाको राखे साइयां, मार सके न कोय" यह कहावत गोलमुरी केबुल टाउन निवासी ट्रेलर चालक प्रकाश पर चरितार्थ होती है. जिसे सड़क दुर्घटना के बाद चार घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद जिंदा निकाला गया. गुरुवार रात सोनारी मरीन ड्राइव डोबो पुल के पास एक सड़क दुर्घटना में टेलर चालक प्रकाश बुरी तरह से केबिन में फंस गया. टेलर पर लदी 27 टन की स्टील शीट सीधे केबिन से जा टकराई जिससे प्रकाश केबिन में ही फंस गया. टाटा स्टील फायर ब्रिगेड ने अपने अत्याधुनिक मशीनों की मदद से चार घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर प्रकाश को जिंदा बाहर निकाला. घायल चालक को इलाज के लिए टीएमएच पहुंचाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है.

टेलर के केबिन में फंसा चालक.

स्थानीय निवासी विकास ने बताया कि वह रात 11.30 बजे सड़क किनारे टहल रहा था. टाटा से आदित्यपुर जाने वाली लेन पर एक ट्रक खराब पड़ा था. इसी बीच एक तेज रफ्तार टेलर ट्रक से पीछे जा टकराई. घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया. वहीं टेलर पर लदा स्टील सीट केबिन पर जा गिरा जिससे केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक उसी में फंसा रह गया. उसने चालक को निकालने का प्रयास किया पर चालक बुरी ताह फंसा हुआ था. उसने पास ही खड़ी पीसीआर को इसकी सूचना दी. थोड़ी देर बाद ही मौके पर सोनारी पुलिस और टाटा स्टील फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई. सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद भी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे.

मौके पर दो क्रेन की मदद से 27 टन वजनी स्टील शीट को उठाने का भी प्रयास किया गया पर शीट का वजन बहुत ज्यादा था. स्टील शीट को किसी तरह से क्रेन की मदद से पकड़कर रखा गया. इधर, टाटा स्टील के दमकल कर्मियों ने हाइड्रॉलिक जैक और कटर की मदद से चार घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर चालक प्रकाश को सही सलामत केबिन से बाहर निकाला. प्रकाश के शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह से चोटिल हो गया था.

ब्रीफ खबर

वर्कर्स कॉलेज में सात दिन का समर कैम्प आरंभ

जमशेदपुर । वर्कर्स कॉलेज में शुक्रवार को सात दिवसीय समर कैंप आरंभ हुआ. कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्यप्रिय महालिक ने दीप प्रज्वलित कर कैंप की शुरुआत की. उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए साथ-साथ अन्य गतिविधियां भी बहुत जरूरी हैं. कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर प्रो हरेंद्र पंडित ने कैंप के दौरान होनेवाले कार्यक्रमों की जानकारी दी. इस अवसर पर प्रो अनिलचंद्र दास, प्रो सुभाषचंद्र दास एवं प्रो शोभा मुवाल ने भी अपने विचार रखे. संचालन प्रो. हरेंद्र पंडित तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ वाजदा तबस्सुम ने किया.

दपू रेलवे के नए सीपीआरओ ने कार्यभार संभाला

जमशेदपुर । दक्षिण पूर्व रेलवे के नये मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में ओम प्रकाश चरण ने शुक्रवार को अपना पदभार संभाल लिया है. इससे पहले चरण खड़गपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक थे. 2013 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) अधिकारी, चरण ने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर से राजनीति विज्ञान में एमए किया है. उनके पास ट्रेन परिचालन और रेलवे के वाणिज्यिक पहलुओं का व्यापक अनुभव है. चरण ने रेलवे के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है.

पंचायत समिति बनाकर बालू उठाव की मांग

डुमरिया । गुड़ाबांदा प्रखंड के सिंहपुरा पंचायत समिति सदस्य पुष्पा महतो ने उपायुक्त को आवेदन देकर बालू घाटों का संचालन पंचायत स्तरीय समिति बनाकर कराने की मांग की है. आवेदन में कहा गया है कि प्रशासन द्वारा बालू घाटों की बंदोबस्ती नहीं किए जाने के कारण बालू की किल्लत हो रही है. लोगों को घर बनाने के लिए सौ सीएफटी बालू के पांच हजार रुपए चुकाने पड़ रहे हैं. बालू की किल्लत से सरकारी योजनाओं पर भी असर पड़ा है. पंचायत स्तरीय समिति बनाने से राजस्व भी प्राप्त होगा.

साइबर ठगी के आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

जमशेदपुर । उलीडीह थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के आरोपियों को जमशेदपुर कोर्ट ने 10 साल बाद साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया. मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे 2 आभाष वर्मा ने आरोपी राकेश यादव, संजीत सिकधर और एनएस लक्ष्मण को दोष मुक्त कर दिया. इस संबंध में 24 मई 2014 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. मामले में कुल तीन लोगों की ही गवाही हुई थी. बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता विद्या सिंह ने पैरवी की. बता दें कि तीनों आरोपी उलीडीह स्थित एक कॉल सेंटर में काम करते थे. जहां से उनपर साइबर ठगी करने का आरोप लगा था.

जमीन, बिजली के लिए सड़क पर उतरे ग्रामीण

सरायकेला के तितिरबिला में जमीन अधिग्रहण का विरोध

पुलिस पर हमला, ग्रामीणों पर लाठीचार्ज

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला अंचल अंतर्गत तितिरबिला मौजा में सड़क निर्माण व चौड़ीकरण कार्य को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जमीन अधिग्रहण को लेकर स्थानीय ग्रामीण एवं रैयतदार शुक्रवार को विरोध पर उतर आये. यहां ग्रामीणों में काफी असंतोष था.

बताया जाता है कि जैसे ही निर्माण कार्य चल रहा था. उसके करीब एक घंटा बाद भीड़ की शक्ल में करीब डेढ़ सौ ग्रामीण अचानक कार्यस्थल पर पहुंचे और पुलिस बल पर और निर्माण कार्य कर रही टीम पर हमला कर दिया. इस दौरान पुलिस जवानों को को हल्की चोटें भी आई. इस संबंध में सरायकेला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. हालांकि ग्रामीणों ने विरोध के दौरान पुलिस पर लाठीचार्ज करने का आरोप लगाया है. वहीं पुलिस का कहना है कि ग्रामीणों की ओर से पदाधिकारियों व पुलिस पर हमला किया गया.

ग्रामीणों के अनुसार उन्होंने उपायुक्त को भी जमीन अधिग्रहण की

प्रक्रिया से अवगत कराया था, लेकिन उस पर ध्यान दिये बगैर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया.

जानकारी के अनुसार सरायकेला अंचल अंतर्गत तितिरबिला गांव से नया पुल होते हुए ओड़िशा के तिरिंग बॉर्डर भाया राजनगर सड़क निर्माण को लेकर प्रशासन द्वारा एक सप्ताह पूर्व से कार्य प्रारंभ कराया गया है. इसके लिए तितिरबिला गांव में लगभग 20 रैयतदारों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है. इससे ग्रामीणों में आक्रोश है. गांव के मुंडा महेंद्र हेंब्रम ने बताया कि ग्रामसभा की अनुमति बगैर सड़क निर्माण और जमीन अधिग्रहण किया जा रहा है. इस वजह से कार्य का विरोध किया जा रहा है. मौके पर सरायकेला खरसावां उपायुक्त से प्राप्त आदेश के आलोक में दंडाधिकारी के रूप में प्रवीण कुमार सिंह, सीओ सरायकेला व चार अन्य दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी. उसमें एसडीओ सुनील कुमार प्रजापति, डीसीएलआर महेंद्र छोटन उरांव एवं डीटीओ शंकराचार्य समद के साथ पुलिस पदाधिकारी के रूप में मुख्यालय डीएसपी प्रदीप उराव, सरायकेला अंचल के पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी सरायकेला हीरालाल कुमार, थाना प्रभारी राजनगर के साथ बड़ी संख्या में पुलिस जवान उपस्थित थे.

म्यूटेशन रद कराने के लिए पारंपरिक हथियारों के साथ पहुंचे अंचल कार्यालय

आदित्यपुर । ग्राम सभा को दरकिनार कर जमीन खरीद-बिक्री पर रोक की मांग और अब तक हुए ऐसे सभी म्यूटेशन को रद्द करने की मांग को लेकर शुक्रवार को पारंपरिक हथियारों से लैस ग्रामीणों ने गम्हरिया अंचल कार्यालय पर प्रदर्शन किया है.

गम्हरिया अंचल के अंतर्गत कांड्रा के पालूबेड़ा गांव के पारंपरिक ग्राम सभा एवं गांव गणराज्य के सदस्यों ने गम्हरिया प्रखंड कार्यालय पहुंचकर जमीन खरीद बिक्री में ग्राम सभा को दरकिनार किए जाने पर ऐतराज जताया. प्रतिनिधिमंडल ने गम्हरिया अंचलाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा है जिसमें हाल के दिनों में पालूबेड़ा मौजा में दाखिल खारिज सभी म्यूटेशन को रद्द किए जाने की मांग की. ग्रामीणों ने बताया कि भू माफिया बगैर ग्राम सभा अनुमति के ही जमीनों की खरीद बिक्री कर रहे हैं.

बहरागोड़ा के खंडामौदा में 24 घंटे बिजली गुल

पावर हाउस के सामने प्रदर्शन

संवाददाता। बहरागोड़ा

प्रखंड क्षेत्र के खांडामौदा गांव मैं करीब 300 उपभोक्ता के घर में बीते गुरुवार दोपहर एक बजे से शुक्रवार दोपहर एक बजे तक 24 घंटे बिजली गायब रहने के कारण शुक्रवार ग्रामीणों ने बहरागोड़ा पावर हाउस में आकर प्रदर्शन किया. गुरुवार को बिना आंधी तूफान के भी 25 घंटे तक बिजली काटना कहां तक उचित है.

ग्रामीणों का यह भी कहना है बीते कुछ महीना पहले खांडामौदा गांव को बिजली विभाग द्वारा जगन्नाथपुर पावर हाउस के अधीन बिजली मिलता था तब सब कुछ ठीक था लेकिन बिजली विभाग द्वारा अचानक बहरागोड़ा पावर हाउस के अंदर खांडामौदा गांव को जोड़ा गया.

उसी दिन से गांव के करीब 300 उपभोक्ता आनियमित बिजली काटने से परेशान है. ग्रामीणों ने कहा गांव में गाजन उत्सव आयोजित हो रहा है इस सिलसिले में गांव के हर घर में मेहमान आए हैं बिजली नहीं रहने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा तथा ग्रामीणों ने बिजली विभाग से

खांडामौदा के दो लाइनमैन सिदो कुमार व मकड़ो कुमार को लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए बदलने के लिए मांग किया है.

वहीं बिजली काटने का कुछ भी संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने बिजली विभाग के एसडीओ को संपर्क किया. एसडीओ द्वारा ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि खांडामौदा गांव को जल्द ही जगन्नाथपुर पावर हाउस के अधीन जोड़ दिया जाएगा उसके बाद सारी समस्याओं का समाधान हो जाएगा. इस मौके पर शशांक शेखर पाल, बिनायक गीरि, नीलेश बेरा, कमलेश बेरा, देबसिस बेरा, देबाजन बेरा आदि उपस्थित थे.

कोवाली हादसे में कार्रवाई के लिए शव के साथ थाना पर प्रदर्शन

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत कोवाली थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आकर 8 वर्षीय शिवराज मंडल की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव को कोवाली थाना के बाहर रखकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की. इस दौरान कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान ने परिजनों एवं स्थानीय लोगों को काफी समझाया.

थाना प्रभारी ने परिजनों से कहा कि उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. वहीं मौके पर बच्चे के पिता सह ग्राम प्रधान विधान मंडल ने कहा कि अब तक न तो ट्रैक्टर की बरामदगी हुई है और न ही दोषियों पर कोई कार्रवाई हुई है. उन्होंने कहा कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती है तब तक शव को थाना के बाहर रखकर बैठे रहेंगे.

बता दें कि गुरुवार दोपहर शिवराज अपने घर के शौचालय की दीवार से बाहर चल रहे काम को देख रहा था. इसी दौरान ट्रैक्टर का पिछला हिस्सा शौचालय की दीवार से टकरा गया. जिससे दीवार टूट गई. इस दौरान शिवराज मलबे में दब गया जिससे उसकी मौत हो गई.

सड़क दुर्घटना में कविशर जसबीर सिंह मत्तेवाल समेत तीन की मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

- टिनप्लेट से तीन साल पहले अमृतसर में बस गये थे

उत्तर प्रदेश में फतेहपुर के पास शुक्रवार को खागा नामक स्थान पर भीषण सड़क दुर्घटना में जमशेदपुर के जानेमाने कविशर जसबीर सिंह मत्तेवाल समेत तीन लोगों की मौत हो गई. मृतकों में उनके दामाद हरचरण सिंह और उनके साथी तरसिका गांव निवासी गुरप्रीत सिंह शामिल हैं. घटना सुबह करीब 11 बजे की बतायी जाती है.

वह अपनी कार से कोलकाता में आयोजित शहीदी दिहाड़े के एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे. बताया जाता है कि घटना के 15-20 मिनट पूर्व ही जसबीर मत्तेवाल शहर के गुरचरण सिंह बिल्ला से बात हुई थी. जब यह घटना हुई तो वहां की पुलिस ने जसबीर फोन से बिल्ला से संपर्क किया. पुलिस ने उन्हें ही यह दुःखद सूचना दी. सूचना मिलते ही कविशर जसबीर मत्तेवाल को चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ पड़ी. उनके टिनप्लेट 10 नंबर बस्ती स्थित पूर्व के आवास से लेकर पूरे शहर में मातम पसर गया.

कोल्हान के प्रमंडलीय आयुक्त हरि कुमार केशरी शुक्रवार को चांडिल पहुंचे. इस दौरान उन्होंने दलमा वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र, दलमा बाबा मंदिर, माकुलाकोचा हिरण पार्क, चांडिल डैम, मत्स्य पालन आदि को देखा. चांडिल डैम में वोटिंग का आनंद लेते आयुक्त.

माचिस मांगी और लगा दी आग, चार बाइक खाक

संवाददाता। जमशेदपुर

बिष्टुपुर थाना अंतर्गत गुरुद्वारा के पीछे स्थित एक होटल के बाहर खड़े वाहनों में शुक्रवार देर शाम असमाजिक तत्वों ने आग लग दी. आग ने पार्किंग में खड़ी दो पहिया वाहनों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया. आग की लपटें इतनी ऊंचाई तक जा रही थी कि दूर से उसे देखा जा सकता था.

स्थानीय लोगों ने पास में ही बिल्डिंग में लगे फायर इक्यूपमेंट की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया. लोगों ने पुलिस को भी इसकी जानकारी दी. हालांकि, पुलिस जब तक मौके पर पहुंचती तब तक वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गए.

इस घटना में अजीत सिंह को स्कूटी और शुभम की बाइक समेत दो बाइक जलकर खाक हो गई. अजीत सिंह ने बताया कि वे चोला मंडलम में काम करते है. आज कार्यालय में एक मीटिंग थी. काफी संख्या में लोग जुड़े थे. इसी बीच सूचना मिली की वाहन में आग लग गई है. लोग अपने अपने वाहनों को मौके से हटाने लगे पर आग से चार वाहन जल गए. अजीत ने बताया कि चार की संख्या में युवक आए और बिल्डिंग के गार्ड से सिगरेट पीने के लिए माचिस मांगी. इसी दौरान उन्होंने वाहनों में भी आग लगा दी. लोगों का कहना है कि आग बुझाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

खास बातें

- बिष्टुपुर गुरुद्वारा के पीछे होटल के सामने की घटना
- स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का किया प्रयास

इनोवेशन टाटा यूआईएसएल की पहल : प्लास्टिक की सड़क के बाद अब पेवर्स ब्लॉक हो रहा तैयार

अनुपयोगी वस्तुओं से बना रहे मूल्यवान उत्पाद

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही टाटा स्टील यूआईएसएल (जुस्को) ने घर के फटे-पुराने कपड़े समेत अन्य प्रकार के अपशिष्ट प्रबंधन (वेस्ट मैनेजमेंट) की दिशा में भी पहल की है.

कंपनी की ओर से कुछ वर्ष पूर्व प्लास्टिक कचरे से एक सड़क का निर्माण कराया गया था. वह आज भी एक उदाहरण के रूप में जानी जाती है. उसी तरह इस पहल के तहत अब प्लास्टिक कचरे से कंपनी पेवर्स बलॉक का भी निर्माण करा रही है. कंपनी की यह पहल न सिर्फ अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देगी, रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करायेगी. उसका उद्देश्य अनुपयोगी

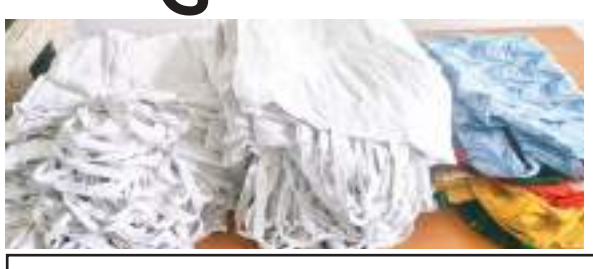

रोजगार और सशक्तिकरण : कंपनी में एकत्रित कपड़ों से बैग सिलने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर व बेरोजगार एक महिला को नियुक्त किया गया है. उसने सफलतापूर्वक हज़ारों बैग सिल दिए हैं, जिससे उसे एक स्थिर आय प्राप्त हुई है.

जूते का पुनरुद्धार : लोगों की ओर से दान किए गए जूतों की छोटी-मोटी मरम्मत के लिए एक कुशल व्यक्ति को नियुक्त किया गया है. इससें न केवल जूतों का अधिक समय तक इस्तेमाल हो पाता है, बल्कि इससे स्थानीय शिल्प कला को बढ़ावा मिलता है.

प्लास्टिक की रीसाइकिलिंग : शहर व आसपास के विभिन्न हिस्सों से इकट्ठा किये गये प्लास्टिक कचरे को आदित्यपुर में एक रीसाइकिलिंगकर्ता के पास भेजा जाता है. वहां इसे पेवर ब्लॉक के रूप में तैयार किया जाता है.

वस्तुओं से उपयोगी व मूल्यवान उत्पाद तैयार कर अर्थ्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग करना, तो है ही पर्यावरण संरक्षण भी है. टाटा स्टील यूटीलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड ने ट्रिपल आर यानी रिड्यूस, रीयूज व रीसाइकिल (आरआरआर) के विस्तार के लिए कदमा स्थित ईसीसी फ्लैट्स में अपसाइक्लिंग सेंटर की शुरुआत की है. पिछले साल इसकी शुरूआत की गयी थी. इस आरआरआर सेंटर ने स्थायी वेस्ट मैनेजमेंट को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है. इसके आधार पर, कंपनी अब अपसाइक्लिंग सेंटर की स्थापना कर अपने प्रयासों को अगले स्तर पर ले जा रही है. यहां एकत्र किये गये कचरे को मूल्यवान उत्पादों के रूप में तैयार किया जायेगा. इससे समाज में अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है.

खिड़की तोड़ बकरी चोरी की, दुकान के सामने काटा, बोरे में भर ले गया

संवाददाता। किरीबुरू

- मेघाहातुबुरु मीना बाजार की घटना, आक्रोश

बकरी चोरों ने मेघाहातुबुरु के मीना बाजार स्थित मांस विक्रेता अब्दुल हसन कुरैशी की दुकान का खिड़की तोड़ एक बकरी, एक चापड़ और एक चाकू चोरी कर ली. इसके बाद दुकान के बाहर ही बकरी का गला काट कर उसे बोरे में भरकर ले गए.

इस घटना से दुकानदारों व आम लोगों में आक्रोश है. यह घटना गुरुवार की देर रात की है. घटना के संबंध में हसन कुरैशी ने बताया कि वह गुरुवार की रात लगभग 9 बजे दुकान बंद कर मेन मार्केट स्थित घर चले गये. शुक्रवार की सुबह जब दुकान खोली तो देखा कि खिड़की टूटी हुई है और बकरी गायब है. बकरी के गले में बंधी रस्सी दुकान के अंदर ही काट कर फेंका हुआ है. दुकान के बाहर अलग-अलग दो जगहों पर काफी मात्रा में खून गिरा हुआ था. इससे साफ था कि चोरों ने बकरी को यहीं काटा और बोरा में भर कर ले गये.

उन्होंने बताया कि दुकान से एक चापड़ और एक चाकू की भी चोरी हुई है. उक्त बकरी को वह छोटे से ही पाले हुए थे, उसकी कीमत लगभग 9 हजार रुपए होगी.

ब्रीफ खबरें

कल नहीं आएगी बक्सर-टाटा एक्स., 10 को रद

जमशेदपुर । दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के आद्रा रेल मंडल में लाइन ब्लॉक को लेकर बक्सर से टाटानगर चलने वाली ट्रेन नंबर 18184 बक्सर-टाटा एक्सप्रेस 9 जून को टाटानगर नहीं आएगी. यह ट्रेन 9 जून तो बर्नपुर में शॉर्ट टर्मिनेट हो जाएगी. 10 जून को यह ट्रेन रद रहेगी. ट्रेन नंबर 08173 आसनसोल टाटानगर मेमू भी 9 जून को रद रहेगी. इसे लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे ने आदेश जारी कर दिया है. रेलवे ब्लॉक के दौरान कांटाडीह एवं उरमा के बीच ब्रिज की मरम्मत होगी, रामकनाली और बेरो स्टेशनों में एफओबी का काम होगा.

लोको पायलट ने प्राथमिक चिकित्सा के गुर सीखे

जमशेदपुर । टाटानगर रेल सिविल डिफेंस ने इलेक्ट्रिक लोको प्रशिक्षण केंद्र में लोको पायलटों को रेल दुर्घटना में फंसे घायल यात्रियों को घटना स्थल में प्राथमिक चिकित्सा विधि, एम्बुलेंस सेवा, स्ट्रेचर ड्रिल फायर संयत्र प्रयोग कार्य में प्रशिक्षित किया. सिविल डिफेंस के डेमोंस्ट्रेटर अनिल कुमार सिंह, अनामिका मंडल, तेजीता दास, डी आनंद राव, कल्याण कुमार साहू, रमेश कुमार शिव शंकर प्रसाद, अमित कुमार ने मैन मेड विधि से स्ट्रेचर तैयार कर घायलों को ट्रांसपोर्टिंग करने की विधि सिखाई.

दाईगुटू में चोरों ने चार घरों को बनाया निशाना

जमशेदपुर । मानगो थाना अंतर्गत दाईगुटू में बीती रात चोरों ने एक साथ चार घरों को निशाना बनाया. चोरों ने राजू प्रजापति के घर से गहने और अन्य तीन घरों से मोबाइल की चोरी की. सूचना पाते ही मानगो पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. राजू ने बताया कि वे लोग अपने घर पर सोए हुए थे. सुबह उठे तो पाया कि घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है. चोरों ने उनके घर से गहनों की चोरी की जिसकी कीमत ढाई से तीन लाख रुपये है. चोरों ने पड़ोस के तीन घरों को भी निशाना बनाया जहां सभी घरों से मोबाइल की चोरी की है.

विधायक ने दिया श्राद्धकर्म के लिए आर्थिक सहयोग

डुमरिया । प्रखंड के कुमड़ाशोल पंचायत अंतर्गत पुनासीबाद टोला डोकाघुटू में पोटका विधायक संजीव सरदार ने दो घरों में श्राद्धकर्म के लिए आर्थिक सहयोग किया. शुक्रवार को विधायक प्रतिनिधि मिर्जा सोरेन ने विधायक द्वारा दिए गए आर्थिक सहयोग को मृतक जीपा हांसदा की पत्नी कुनी हांसदा व मृतक सोना सोरेन के पुत्र गोरा सोरेन को प्रदान किया. विदित हो कि कुछ दिन पूर्व डोकाघुटू टोला में एक वृद्धा समेत दो लोगों की मौत हो गई थी. आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण विधायक संजीव सरदार ने परिजनों की आर्थिक मदद की.

कंगना की संसद सदस्यता रद करने की मांग

जमशेदपुर । मंडी संसदीय क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा सांसद कंगना रनौत की संसद सदस्यता अविलंब रद्द करने की मांग की है. भगवान सिंह ने सांसद कंगना द्वारा पूरे पंजाब में आतंकवाद बढ़ने के संबंधी बयान दिये जाने पर नाराजगी जताई है. इसे पूरे पंजाब और सिख कौम का अपमान बताया है. उन्होंने कंगना रनौत के बयान को किसान विरोधी बताते हुए महिला जवान के हमले को उचित ठहराया है. उन्होंने कहा है कि यह तमाचा कंगना रनौत के गाल पर नहीं, बल्कि हर उस विचारधारा पर है जो किसान विरोधी है. यह घटना क्रिया के विरुद्ध प्रतिक्रिया वाली है.

चांडिल में निःशुल्क कानूनी सलाह देगा संगठन

चांडिल । नागरिक अभिनंदन संगठन चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के ग्रामीणों को निःशुल्क कानूनी सलाह देगा. इसके लिए गांव-गांव में शिविर लगाया जाएगा. ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएगी और उन्हें उचित कानूनी सलाह दिया जाएगा. इसकी जानकारी संगठन के संयोजन अधिवक्ता शिवेश्वर महतो ने दी. शिवेश्वर महतो ने बताया कि सामाजिक संगठन ने इसका रूपरेखा तय कर लिया है. शिविर का शुभारंभ 30 जून से होगा. पहला शिविर कुकडू प्रखंड के पारगामा पंचायत अंतर्गत काड़रगामा गांव में आयोजित किया जाएगा. संगठन की ओर से तैयारियां की जा रही है.

रात में भगवान भरोसे चलते हैं दोपहिया व तिपहिया वाहन चालक

अंधेरे में डूबा रहता है 9.1 किलोमीटर आदित्यपुर-कांड्रा मार्ग

खास बातें

- दो वर्ष पूर्व तैयार हुआ था प्रस्ताव, अब तक अधूरा
- लाइट सिग्नल लगाने का काम भी ठंडे बस्ते में

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर-कांड्रा मुख्य मार्ग की स्थिति भगवान भरोसे है. इस मार्ग पर रात में भगवान भरोसे ही दोपहिया और तिपहिया वाहन चलते हैं. बता दें कि दो वर्ष पूर्व पूरे मुख्य मार्ग पर कांड्रा तक स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए सड़क निर्माण एजेंसी ने एक करोड़ रुपए का प्राक्कलन तैयार कर प्रस्ताव भेजा था, जो अब तक अधूरा है. आदित्यपुर-कांड्रा मेन रोड पर 15.1 किलोमीटर तक पर स्ट्रीट लाइट लगाना था. लेकिन 15.1 किलोमीटर में से मात्र 6 किलोमीटर में ही 520 पोल पर स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं. 9.1 किलोमीटर सड़क अंधेरे में है.

इस मार्ग पर बेतहाशा सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने ब्लैक स्पॉट चिन्हित कराए थे. उस पर भी कोई पहल नहीं हुई और ब्लैक स्पॉट को दुर्घटना रहित करने के कोई उपाय नहीं किए गए. इसके अलावा जिला प्रशासन ने मुख्य मार्ग के 10 चौक चौराहों पर लाइट सिग्नल लगाने के लिए सर्वे कराया गया था, वह भी ठंडे बस्ते में है. इस मार्ग पर खासकर रात में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है. 2023 में 90 लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई थी. इस वर्ष भी अब तक 50 सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा पार हो चुका है.

क्या बनी थी योजना

मुख्य मार्ग पर एक करोड़ रुपये की लागत से आदित्यपुर-कांड्रा मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए सड़क निर्माण एजेंसी जेएआरडीसीएल ने प्राक्कलन तैयार कर पथ निर्माण विभाग को प्रस्ताव भेजा था.

इसके तहत आदित्यपुर-कांड्रा मेन रोड पर 15.1 किलोमीटर तक पर स्ट्रीट लाइट लगाना था. लेकिन मात्र 6 किलोमीटर में ही 520 पोल पर स्ट्रीट लगाए गए हैं. 9.1 किलोमीटर सड़क अंधेरे में है.

जेएआरडीसीएल के स्थानीय प्रोजेक्ट मैनेजर सत्या प्रमोद ने बताया कि पथ निर्माण विभाग सरायकेला को 2 साल पूर्व यह प्रस्ताव भेजा था. बता दें कि वर्तमान में आदित्यपुर-कांड्रा मेन रोड की 15.1 किलोमीटर की लंबी पथ पर महज 6 किलोमीटर में 520 पोल पर ही स्ट्रीट लाइट लगे हैं. इससे रात में खतरा बना रहता है.

ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थल

टोल ब्रिज मोड़ से केंदू पेड़ तक 800 मीटर और केंदू पेड़ से टीचर्स ट्रेनिंग मोड़ तक कुल 1200 मीटर सड़क ब्लैक स्पॉट के रूप में पथ निर्माण विभाग ने चिन्हित किया है. बता दें कि टाटा कांड्रा रोड पर खरकई ब्रिज से लेकर आरआईटी मोड़ और टीचर्स ट्रेनिंग मोड़ से लेकर उषा मोड़ तक मेन रोड और सर्विस रोड में कुल 303 पोल लगे हुए हैं. इसमें 210 पोल में मुख्य मार्ग पर डबल आर्म वाले एवं लगभग 100 पोल सर्विस रोड में सिंगल आर्म वाले स्ट्रीट लाइट लगे हुए हैं. सभी पोल के आर्म पर 400 वाट का सोडियम वेपर लैंप लगा हुआ है. 90 फीसदी रोड लाइट खराब होने के कारण इस मार्ग पर चलने वालों विशेषकर दोपहिया वाहन, साइकिल चालकों एवं पैदल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. लाइट खराब रहने के कारण कई बार प्रशासनिक समस्याएं भी सामने आ रही हैं.

आदित्यपुर-कांड्रा मुख्य मार्ग की बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट.

पूरी सड़क पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग

आदित्यपुर विकास समिति के अध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने सड़क दुर्घटना में वृद्धि और डेढ़ साल में करीब 200 लोगों की जान जाने का हवाला देते हुए आइएलएफएस के रिजनल हेड राजीव सिन्हा और पथ निर्माण विभाग से टाटा-कांड्रा मार्ग में सभी जगह रोड लाइट लगाने की मांग कर चुके हैं. वर्तमान में सिर्फ खरकई ब्रिज से आरआईटी मोड़ एवं टीचर्स ट्रेनिंग मोड़ से उषा मार्टिन मोड़ तक ही स्ट्रीट लाइट लगा हुआ है.

बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचला, एक की मौत

संवाददाता । चांडिल

चौका-पातकुम सड़क पर चौका थाना क्षेत्र के चांदुडीह के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार बालू लदे ट्रैक्टर ने बाइक पर सवार तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया. बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार तीनों व्यक्ति घायल हो गए. घायलों में ईचागढ़ थाना क्षेत्र के बांदु के रहने वाले सुभाष पोद्दार को गंभीर हालत में टीएमएच में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

घायलों को इलाज के लिए टीएमएच जमशेदपुर भेज दिया गया है. गंभीर रूप से घायल को चौका थाना की पुलिस वाहन से ही अस्पताल ले गई. दो अन्य घायलों में समीर मंडल और भरत पोद्दार हैं. दोनों को अंदरूनी चोट लगी है. सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौका थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ईचागढ़ की ओर से बालू लेकर चौका की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया. बाइक सवार तीनों युवक घायल अवस्था में सड़क पर तड़पते रहे. इसी बीच ट्रैक्टर चालक वाहन के साथ मौके से फरार हो गया. पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है. बांदु पंचायत के मुखिया ठाकुर दास माझी ने बताया कि तीनों चौका स्थित अमूल दूध कंपनी में ड्यूटी कर लौट रहे थे. इसी दरम्यान दुर्घटना घटी.

...और खुल ही जाता है सफेद बालू के काले कारोबार का राज

बालू लदे वाहनों के इस प्रकार दुर्घटनाग्रस्त होने से इस बात का खुलासा हो ही जाता है कि क्षेत्र में बालू का गैर कानूनी धंधा बदस्तूर जारी है. इसके पूर्व भी इसी सड़क पर गौरांगकोचा के पास बालू लदा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया था. चालक और सड़क किनारे खड़े कुछ लोग बाल-बाल बच गए थे. 27 मई की रात नीमडीह थाना क्षेत्र के पुरियारा गांव में बालू लदा हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया था. जुगीलोंग गांव में 19 मई की रात को बालू लदा हाइवा सरकारी चापाकल को तोड़ते हुए बुद्धेश्वर गोराई के मकान में घुस गया था. ऐसी कई घटनाएं हैं जो इस राज का पर्दाफाश करते हैं कि इस क्षेत्र में बालू का अवैध खनन और परिवहन हो रहा है.

कल्पना सोरेन के बयान पर रमेश हांसदा का पलटवार

आदित्यपुर । हेमंत सोरेन को जेल में यातना देने संबंधी कल्पना सोरेन के बयान पर पलटवार करते हुए भाजपा नेता रमेश हांसदा ने कहा है कि यह बयान अपरिपक्वता का परिचायक है. बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा है कि हेमंत सोरेन को स्टेन स्वामी की तरह जेल में यातनाएं दी जा रही है.

उन्होंने कहा कि कल्पना सोरेन को यह मालूम होना चाहिए की जेल प्रशासन झारखंड सरकार के अंतर्गत आता है और मुख्यमंत्री झामुमो के ही चंपई सोरेन हैं. पूरा प्रशासन उन्हीं के दिशा निर्देश पर चल रहा है. यदि सही में हेमंत सोरेन को प्रताड़ित किया जा रहा है तो वे झारखंड सरकार के प्रशासन द्वारा ही प्रताड़ित हो रहे हैं. विक्टिम कार्ड के चक्कर में ना पड़कर वह जनता की भलाई के बारे सीएम को कुछ दिशा निर्देश दें.

पेट्रोल पंप का वाटर कूलर गर्मी में दे रहा विद्यार्थियों को राहत

घाटशिला । घाटशिला कॉलेज रोड स्थित साकंभरी पेट्रोल पंप में लगे वाटर कूलर का पानी कॉलेज के विद्यार्थियों तथा राहगीरों के लिए जीवनदायिनी बना हुआ है. रेलवे स्टेशन से उतरकर कॉलेज जाने वाले तथा कॉलेज से लौटने वाले छात्र-छात्राओं की भीड़ पेट्रोल पंप के वाटर कूलर पर देखने को मिलती है. शुक्रवार को चिलचिलाती धूप में छात्राएं पानी के लिए पेट्रोल पंप पर पानी लेने के लिए लाइन में लगी हुई थीं. पेट्रोल पंप के संचालक पवन अग्रवाल ने कहा कि लोगों के लिए निःशुल्क पीने के पानी की व्यवस्था पंप की ओर से की गई है. कॉलेज आने जाने वाले बच्चे पानी लेते हैं तो काफी सुकून मिलता है. ज्ञात हो कि फुलडुंगरी चौक से लेकर गोपालपुर रेलवे ओवर ब्रिज तक एक भी सार्वजनिक चापाकल नहीं है.

सरायकेला के कांड्रा-गिद्दीबेड़ा में काटे जा रहे पेड़, वन विभाग मौन

संवाददाता । आदित्यपुर

सरायकेला-खरसावां जिले के कांड्रा-गिद्दीबेड़ा के जंगल में दर्जनों पेड़ों की कटाई कर ली गई है. बता दें कि कांड्रा गिद्दीबेड़ा टोल प्लाजा से महज 200 मीटर की दूरी पर मुख्य सड़क किनारे जंगल में सैकड़ों पेड़ों की कटाई रातों-रात कर ली है.

मुख्य सड़क किनारे होने के बावजूद वन विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी है. जंगल माफिया ने पहले यहां आग लगाई थी. इससे कई पेड़ पौधे जल गए. बाद में उन्हें बड़े ही आसानी से काटकर ले गए. कुछ स्थानीय भी इस अंधाधुंध कटाई में शामिल थे. वन संरक्षण समिति के अध्यक्ष संतोष हेंब्रम बताते हैं कि वन विभाग कभी-कभार चक्कर लगाने यहां आती है, जिसका नतीजा है कि माफियाओं ने आसानी से पेड़ों की कटाई कर ले गए.

आईबीपीएस ने बैंकों के 9995 पदों के लिए निकाली बहाली

जमशेदपुर । बैंक में सरकारी नौकरी करने के इच्छुक युवाओं के लिए बड़ी खबर है. इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सेलेक्शन (आईबीपीएस) ने विभिन्न ग्रामीण बैंकों में भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है. इसमें कुल 9995 पदों के लिए बहाली निकली गयी है. आवेदन की प्रक्रिया आगामी 27 जून से आरंभ होगी. आईबीपीएस की आधिकारिक बेवसाइट ibps.in के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है. देशभर के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में ऑफिस असिस्टेंट और ऑफिसर (स्केल 1,2 और 3) के 9995 पदों पर भर्ती होनी है, जिसमें मल्टीपर्पज ऑफिस असिस्टेंट के 5585, ऑफिसर स्केल-वन के 3499 और ट्रेनी मैनेजर स्केल-टू के 21 और ऑफिसर स्केल-थ्री के 129 पद शामिल हैं.

बदहाली विकास के नये काम कैसे होंगे जब उपलब्ध संसाधनों के देखभाल की भी फुर्सत नहीं

साफ-सफाई का यह हाल, पर्यटक स्थल की कौन करेगा देखभाल

स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रहा घाटशिला प्रखंड परिसर

- कार्यालय भवन के चारो तरफ गिराया जा रहा कूड़ा
- पूरे प्रखंड कार्यालय परिसर में एक भी डस्टबीन नहीं

संवाददाता । घाटशिला

सरकारी कार्यालय परिसर में कचरे का अंबार लगा हो तो इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वच्छ भारत अभियान को लेकर पदाधिकारी पूरी तरह उदासीन हैं. घाटशिला प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित पुराने प्रखंड कार्यालय भवन के चारों तरफ क्षेत्र के तमाम दुकानदार, सब्जी वालों का कचरा प्रखंड कार्यालय परिसर के पुराने भवन के आसपास गिराया जा रहा है.

इस ओर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के पदाधिकारी सहित कर्मचारियों की भी निगाह कभी नहीं जाती है. गांधी जयंती पर सभी सरकारी कार्यालय के पदाधिकारी द्वारा सिर्फ झाड़ू पकड़ कर सफाई अभियान की शुरुआत करते हैं. इसके बाद कभी भी पलट कर परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान ही नहीं जाता है. प्रखंड मुख्यालय के मुख्य द्वार पर वर्षों से पानी का टैंकर रखा हुआ है तो दूसरी छोर पर ट्रैक्टर कबाड़ बन गया है. पुराना सीडीपीओ कार्यालय झाड़ी झुरमुठ से भरा पड़ा है. परिसर के कई भवन काफी जर्जर स्थिति में हैं, कब टूटकर गिर जाएं, यह कहना मुश्किल है. इन भवनों के आसपास सिर्फ कचरा का अंबार लगा हुआ है.

पूरे प्रखंड कार्यालय परिसर में कहीं भी एक डस्टबिन नहीं है. घाटशिला शहर में भी जहां-तहां कचरे का ढेर लगा हुआ है. शहर के रेलवे लाइन किनारे शहरी क्षेत्र का कचरा फेंका जाता है तो दूसरी ओर अमाईनगर स्वर्णरेखा नदी घाट के तरफ कचरों का अंबार लगा हुआ है. इस पर कोई पदाधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं.

अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर है बुरुडीह डैम

- तालाब जैसी बन गई है डैम की स्थिति
- बाईं व दाईं फाटक से पानी का रिसाव, मरम्मत नहीं

संवाददाता । घाटशिला

प्रकृति की गोद में बसा बुरुडीह गांव में जल पथ प्रमंडल 10 नंबर डिवीजन से मुराहिर जलाशय योजना के नाम से वर्ष 1983 में 20 एकड़ भूखंड पर डैम का निर्माण किया गया. डैम के निर्माण में मुराही तथा टिकरी गांव के लोग विस्थापित भी हुए. वृहद डैम के निर्माण का उद्देश्य था कि आसपास के दर्जनों गांव के लोगों को डैम का पानी सिंचाई के लिए मिलेगा, परंतु दुर्भाग्य ऐसा रहा कि लगभग एक दशक से डैम की बांयी तथा दांयी फाटक से लाखों लीटर पानी का रिसाव होना शुरू हो गया. फाटक की मरम्मत नहीं हुई.

विभागीय उदासीनता के कारण बुरुडीह डैम अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर है. वर्तमान समय में डैम की स्थिति तालाब जैसी बन गई है. बुरुडीह डैम को विकसित करने के लिए ना जनप्रतिनिधियों के पास कोई विजन है और ना ही विभागीय पदाधिकारी की सोच है. बुरुडीह डैम में नौका विहार के लिए तथा प्राकृतिक सौंदर्य को देखने झारखंड सहित पश्चिम बंगाल और ओडिशा से सालों भर सैलानी यहां पहुंचते थे.

एक दशक से यहां पर सिर्फ अक्टूबर से दिसंबर तक ही सैलानी आते हैं. सैलानियों के आने से क्षेत्र के लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष फायदा होता है, परंतु सैलानियों के लिए किसी तरह की सुविधा नहीं है. वर्षों से एक शौचालय की मांग, पेयजल के लिए चापाकल की मांग हो रही है, परंतु विभागीय अड़चन के कारण आज तक नहीं बन पाया.

न्यूज अपडेट

सड़क पर उभरे नुकीले पत्थर, पैदल चलना भी मुश्किल

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के पाथरी पंचायत अंतर्गत बामडोल चौक से मधुआबेड़ा होते हुए चड़कमारा तक जाने वाली लगभग सात किलोमीटर लंबी सड़क कई वर्षों से जर्जर है. सड़क पर नुकीले पत्थर उभरकर बाहर आ गए हैं, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है. बाइक और साइकिल भी दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं. इस इलाके के मधुआबेड़ा, गुहालडीही, चड़कमारा, कुलियांक, बामडोल, डिंगासाई गांवों के लोगों के लिए यह एकमात्र प्रमुख सड़क है. ग्रामीण कई वर्षों से मरम्मत के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि, सांसद एवं विधायक से मांग कर रहे हैं, परंतु अब तक पहल नहीं हो पाई. जिससे ग्रामीण काफी नाराज हैं.

दुर्घटना में पिकअप वैन चालक और सहचालक घायल

बहरागोड़ा । बड़सोल थाना अंतर्गत एनएच-49 पर गोहालामुड़ा चौक के समीप शुक्रवार सुबह टाटा की ओर से आ रहे पिकअप वैन ने टेलर की पीछे जोरदार टक्कर मारी. दुर्घटना में पिकअप चालक पश्चिम बंगाल के डेबरा निवासी सुशांत नायेक (40) और सहचालक राधा मोहनपुर रिंकू दास (38) बुरी तरह से घायल हो गये. पुलिस ने गश्ती वाहन से दोनों घायलों को बहरागोड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया. चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए उच्च चिकित्सा हेतु रेफर कर दिया गया. पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है. वह अपने स्तर से जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है.

किसानों के बीच मैत्री संगठन का जागरूकता अभियान

बहरागोड़ा । बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के जयपुरा मिडिल स्कूल परिसर में मैत्री संगठन द्वारा अपना एग्रीकल्चर प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाते हुए तकनीकी खेती के बारे में किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया. इसमें जमशेदपुर से आए हुए कृषि विशेषज्ञ तथा पार्वती शंकर बटब्याल और मैत्री संगठन के संदीप कुमार साउ, धर्मेंद्र साउ अदि किसानों से रूबरू हुए और ई कृषि तकनीकी प्लेटफॉर्म के माध्यम से धान की खेती के लिखे उचित समाधान के बारे में विस्तार पूर्वक बताया. इसमें मिट्टी की जांच, बीजारोपण, नर्सरी प्रबंधन तथा पौधे में लगी बीमारी का नियंत्रण के सुझाव दिए. वहीं एप द्वारा निरीक्षण तथा कृषि की आधुनिकीकरण के बारे में विश्लेषण भी किये गए.

कोवाली में पेड़ से टकरा कर बाइक सवार युवक की मौत

जमशेदपुर । जिले के कोवाली थाना क्षेत्र स्थित कूटसुरी में एक तेज रफ्तार बाइक के पेड़ से टकरा जाने के कारण उस पर सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. जबकि बाइक सवार एक अन्य युवक व युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी. सूचना पाकर स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया. मृतक पिंटू सरदार (23) हल्दीपोखर पूर्वी पंचायत के भेलाईडीह का रहने वाला था. वही घायल युवक निकास सरदार सुंदरनगर वासी बताया जाता है, जबकि युवती की पहचान नहीं हो सकी है. मृतक के माता-पिता का पहले ही देहांत हो चुका है.

परसुडीह में बिजली की आंखमिचौली से जनता परेशान

बहरागोड़ा/जमशेदपुर। परसुडीह जैसे ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ता गुरुवार सुबह से बिजली की आंख-मिचौली से इस उमस और चुभन भरी गर्मी में जनता त्रस्त है. बिजली थोड़ी देर के लिए आती है फिर चली जाती है फिर कुछ देर बाद आती है फिर कुछ देर बाद चली जाती है कल से यह सिलसिला बदस्तूर जारी है. शुक्रवार को भी इसी तरह के लक्षण दिख रहे हैं सुबह से बिजली का आना जाना जारी है. वहीं दूसरी ओर गर्मी भी वह भी उमस वाली जिससे आम जनता परेशान हो रही है. सरकार और बिजली विभाग के प्रति लोगों में भारी आक्रोश है. लाखों रुपए लगाकर अंडरग्राउंड वायरिंग हुई थी लेकिन नो पावर कट बिजली नहीं मिल रही है.

ग्राहक पंचायत ने एमआरपी नीति के लिए सौंपा ज्ञापन

आदित्यपुर । देश में एमआरपी नीति बनाने हेतु ग्राहक पंचायत द्वारा पूरे देशभर में अभियान चलाया जा रहा है. इस बावत शुक्रवार को केंद्रीय उपभोक्ता एवं वित्त मंत्रालय के नाम सरायकेला के डीसी को ज्ञापन सौंपा गया है. यह जानकारी जिला सदस्य भीष्म देव सिंह ने दी. उन्होंने बताया कि एमआरपी के प्रावधानों के तहत भारत सरकार ने 1990 में खुदरा बिक्री के लिए रखे जाने वाले उत्पाद की पैकिंग पर कानूनी मेट्रोलॉजी कानून के तहत अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की छपाई अनिवार्य कर दी है. उपभोक्ताओं के हित में एबीजीपी की मांग है कि एमआरपी संरचना निष्पक्ष, पारदर्शी और आसानी से समझी जाने वाली होनी चाहिए.

एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर हुए रामदास व दिनेश

जमशेदपुर । लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान सोनारी थाना अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर जेएमएम और भाजपा के चुनाव चिन्ह पाये जाने पर तत्कालीन भाजपा जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार और झामुमो जिलाध्यक्ष रामदास सोरेन पर मामला दर्ज किया गाया था. उसके बाद विधानसभा चुनाव-19 में रामदास सोरेन विधायक बन गए और जमशेदपुर कोर्ट में मामला लंबित था. कुछ दिनों के बाद मामले को चाईबासा स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था. इस मामले में शुक्रवार को पहली बार दोनों ने संयुक्त रूप से सशरीर उपस्थिति दर्ज कराई.

अब तक नहीं बनी साढ़े तीन करोड़ की लागत से पीसीसी सड़क, निर्माण कन्सट्रक्शन को 2012 में सौंपा था काम

117 वर्षों बाद भी नहीं बना अंकुआ-चिड़िया सड़क, जिम्मेदार कौन!

शैलेश सिंह । किरीबुरु

भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क का भंडार तथा सारंडा का सबसे पुराना चिड़िया खदान स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधीन है. उस खदान के टाउनशिप तक जाने के लिए किरीबुरु-मनोहरपुर मुख्य सड़क मार्ग के अंकुआ चौक से चिड़िया तक लगभग 5 किलोमीटर लंबी सड़क पिछले 117 वर्षों बाद भी नहीं बनाई गई है. इससे अनेक सवाल खड़े होते हैं. इस खदान की प्रथम लीज धारक कंपनी बंगाल आयरन एंड स्टील कंपनी, दूसरी इस्को तथा अब तीसरी सेल कंपनी है. सड़क नहीं बनने के लिए जिम्मेदार झारखंड सरकार या सेल प्रबंधन में से कौन है पता नहीं. लेकिन चिड़िया वासियों का मानना है कि सेल स्वयं सीएसआर से सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने का दावा करती है तो चिड़िया को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाली लगभग पांच किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 117 वर्षों बाद भी क्यों नहीं बन पाई. चिड़िया की आबादी लगभग सात हजार से अधिक है. सेल के अधिकारी व कर्मचारी के अलावे ठेका व सप्लाई मजदूर तथा ग्रामीण रहते हैं. चिड़िया में सेल का जेनरल ऑफिस, गेस्ट हाउस, सेल अस्पताल, पुलिस आउट पोस्ट, डीएवी स्कूल आदि के अलावे चार गांव हैं.

इसी ट्रेन से पहले चिड़िया वासी मनोहरपुर तक सफर करते थे

अंकुआ से चिड़िया जाने वाली मुख्य सड़क का हाल

पीएन बोस व आर सौबेल ने लौह अयस्क भंडार की खोज की थी

चिड़िया खदान का लीज सबसे पहले वर्ष 1901 में बंगाल आयरन एंड स्टील कम्पनी को मिला, जिसका प्रोस्पेक्टिंग का काम कर रही मेसर्स मार्टिन बंग एंड कम्पनी के दो अधिकारी पीएन बोस और आर सौबेल ने सर्वप्रथम चिड़िया में लौह अयस्क की भंडार की खोज की थी. सारंडा के चिड़िया खदान से मनोहरपुर तक लौह अयस्क की ढुलाई में आने वाली दिक्कतों के मद्देनजर रेल लाइन बिछाने का कार्य इसी सड़क के किनारे होते हुये वर्ष 1908 में प्रारम्भ हुआ जो 1910 में बनकर तैयार हुआ था. चिड़िया खदान से लौह अयस्क का उत्पादन वर्ष 1907 में प्रारम्भ हुआ. माल ढुलाई कार्य में लगी इसी लाइट रेलवे में सवार होकर चिड़िया खदान के कर्मचारी व ग्रामीण जरूरी कार्य हेतु मनोहरपुर तक आना-जाना करते थे. आवागमन का कोई दूसरा साधन नहीं था. वर्ष 1999 में चिड़िया से लाइट रेलवे से अयस्क ढुलाई को बंद कर दिया गया.

पांच किमी लंबी सड़क भी अब तक नहीं बनी

अंकुआ चौक से चिड़िया टाउनशिप तक साढ़े तीन करोड़ की लागत से लगभग 5 किलोमीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण करना था. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माण कन्सट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को जुलाई-2012 में काम सौंपा गया था. इसे जनवरी-2014 तक काम पूरा करना था. लेकिन यह कार्य प्रारम्भ होने के साथ ही भ्रष्टाचार का भेंट चढ़ गया. यह सड़क आज तक नहीं बन सकी है. उक्त सड़क गड्ढे में तब्दील हो चुकी है. चिड़िया, मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत आता है. यहां लंबे समय से जोबा माझी मंत्री व विधायक तथा गीता कोड़ा व मधु कोड़ा सांसद व मुख्यमंत्री तक रहे थे. लेकिन उन्होंने भी कभी इस सड़क के निर्माण का प्रयास नहीं किया.

ब्रीफ खबरें

नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 जून

चाईबासा। कोल्हन विश्वविद्यालय में पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग कोर्स में नामांकन को लेकर विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन आवेदन ले रहा है. विद्यार्थी अपना आवेदन कोल्हान विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर 30 जून तक भर सकते हैं. इस कोर्स में आवेदन करने के लिए विद्यार्थियों का शुल्क निर्धारित किया गया है. इसमें जनरल और ओबीसी विद्यार्थियों के लिए 250 रुपये और एसटी व एससी विद्यार्थियों के लिए 100 रुपये फीस निर्धारित किया गया है. विद्यार्थी ऑफलाइन मोड पर भी आवेदन कर सकते हैं. मनोविज्ञान विभाग में जाकर आवेदन जमा कर सकते हैं. केयू ने अधिसूचना भी जारी कर दी है.

हाथियों का समूह किरीबुरु शहर के करीब पहुंचा

किरीबुरु। किरीबुरु-हिलटॉप मुख्य मार्ग पर सारंडा जंगल से 11 हाथियों का समूह गुजरने के बाद किरीबुरु, मेघाहातुबुरु एवं हिलटॉप जैसे सेल के आवासीय एवं सारंडा के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भय व्याप्त हो गया है. यह हाथी का झुंड उक्त मार्ग पर पुराना मैगजीन के समीप सड़क को शाम लगभग साढे.छः बजे पार किया. जब हाथी सड़क पार कर रहा थे तभी किरीबुरु से भुवनेश्वर जाने वाली बस यात्रियों को लेकर गुजर रही थी. बस में सवार लोगों ने हाथियों को गुजरते देखा तथा बस को चालक ने कुछ देर के लिये रोक दिया था. हाथी निरंतर भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं.

सोनुआ-कुइड़ा मार्ग में सड़क दुर्घटना में तीन घायल

चक्रधरपुर। सोनुआ-कुइड़ा मार्ग में शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. बताया जाता है कि लोंजो गांव निवासी फ्रांसिस गुंडवार, सुनील लोहार व बागुन बारला मोटरसाइकिल से सोनुआ बाजार आ रहे थे. इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल के नीचे एक बकरी आ गई. इससे मोटरसाइकिल असंतुलित हो गई और तीनों गिरकर घायल हो गए. घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से तीनों घायल को इलाज के लिए सोनुवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया. फ्रांसिस गुंडवार की स्थिति गंभीर रहने पर बेहतर इलाज के लिए चाईबासा के सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

घट यात्रा के साथ गार्ड बैरेक में माता पूजा शुरू

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर के रेलवे स्टेशन के समीप गार्ड बैरेक में शुक्रवार से पांच दिवसीय माता पूजा प्रारंभ हो गया. इसे लेकर शाम में बाजे गाजे के बीच माता की घट यात्रा निकाली गई. इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी. इससे पहले पंचमोड़ स्थित बालाजी मंदिर के पीछे हल्दी से माता शीतला की प्रतिमा बनायी गई. विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चना कर घट यात्रा निकाली गई. इस दौरान श्रद्धालु माता की प्रतिमा को सिर पर लिये हुये चल रहे थे. जगह-जगह खड़े महिला-पुरूष श्रद्धालु नीम पत्ते के साथ जल लेकर माता का स्वागत किया. घट यात्रा के दौरान श्रद्धालु माता का जयकारा लगा रहे थे.

कोल्हान विवि का सेक्सुअल हैरेसमेंट सेल अब तक अपडेट नहीं

चाईबासा। कोल्हान विश्वविद्यालय के सेक्सुअल हैरेसमेंट सेल जैसे महत्वपूर्ण कमेटी पर विवि गंभीर नहीं है. विवि व कॉलेजों में हो रही छात्राओं के साथ घटना को लेकर भी गंभीर नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. पांच साल पूर्व विवि स्तर पर सेक्सुअल हैरेसमेंट सेल में पांच सदस्यों की एक कमेटी तैयारी की गयी थी. लेकिन विवि की इतनी लापरवाही की इस कमेटी के तीन सदस्य रिटायरमेंट तक हो गये. पर उनके स्थानों पर नये सदस्य को रखा तक नहीं गया है. ऐसे में यह कमेटी पूरी तरह से खत्म हो चुकी है. इस कमेटी में वीमेंस कॉलेज जमशेदपुर की पॉलिटिकल साइंस विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर सह पूर्व प्राचार्य डॉ पूर्णिमा कुमार प्रोसिडिंग ऑफिसर हैं. वे एक साल पहले सेवानिवृत्त हो चुकी हैं, लेकिन अब भी कमेटी में उन्हें प्रेसिडिंग ऑफिसर का पद प्राप्त है. इसी तरह मानविकी डीन डॉ एसपी मंडल को सचिव बनाया गया है. वे आठ माह पूर्व सेवानिवृत्त हो चुके हैं. इसी तरह भूगोल की विभागाध्यक्ष डॉ इ मिंज को सदस्य बनाया गया है, वे भी सेवानिवृत्त हो चुके हैं. कमेटी में अब सदस्य के रूप में सिर्फ को-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के जीतेंद्र कुमार तथा नारी कल्याण केंद्र चाईबासा की श्रावणी मुखर्जी ही रह गये हैं. इस तरह लापरवाही से छात्र प्रतिनिधियों में रोष दिख रहा है.

डीसी ने की विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की समीक्षा

आचार संहिता खत्म, अधिकारी कार्यों में लाएं तेजी : उपायुक्त

संवाददाता । चाईबासा

जिला समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला के विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई. बैठक में जिला उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने के बाद आदर्श आचार संहिता लागू नहीं है.

सभी विभाग प्रधान अपने-अपने विभाग अंतर्गत संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में पूर्ण रूप से कार्य करते हुए प्रगति लाएं. जिला उपायुक्त ने पंचायती राज विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, स्वास्थ्य, चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, परिवहन विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी. जहां कमी पाई गई उसे निश्चित समय में दूर करने का उपायुक्त ने निर्देश दिया.

समीक्षा बैठक में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) संदीप कुमार मीणा, सहायक समाहर्ता अर्णव मिश्रा, अपर उपायुक्त कमलेश्वर नारायण, सिविल सर्जन डॉ सहिर पॉल, सहित जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे.

समाहरणलय में आयोजित बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते उपायुक्त कुलदीप चौधरी.

सीआरपीएफ जवान को पैरालिसिस अटैक

किरीबुरु । सारंडा जंगल में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) 26वीं बटालियन के जवान उत्तम कुमार को पैरालिसिस अटैक आ गया. इसके बाद उनकी स्थिति गंभीर होने पर तत्काल उन्हें बीएसएफ के हेलिकॉप्टर से बेहतर इलाज हेतु रांची भेजा गया. आज सुबह लगभग 10 बजे अचानक बीएसएफ के हेलिकॉप्टर ने मेघाहातुबुरु मैदान स्थित हेलिपैड पर लैंड किया. लैंड करते ही सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान गंभीर रूप से बीमार उत्तम कुमार को तत्काल स्ट्रेचर से हेलिकॉप्टर में चढ़ाया और रांची ले गये.

हजारों की संख्या में शिकार और पूजा करने पहुंचते हैं ग्रामीण, पहले दिन डाबरा पहाड़ पर की जाएगी पूजा अर्चना

खरकई नदी में 8 व 9 जून को मनाया जाएगा शिकार पर्व

संवाददाता । चाईबासा

तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के हरिबेड़ा में स्थित ओडिशा व झारखंड को विभाजित करने वाली खरकई नदी में 8 व 9 जून को शिकार पर्व (संगर पर्व) का आयोजन होगा. गांव में मेला आयोजन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है. मेला का विधिवत उद्घाटन विधायक निरल पूर्ति करेंगे. पहले दिन डाबरा पहाड़ देवता की पूजा अर्चना कर पहाड़ पर शिकार किया जाता है. दूसरे दिन तालाब में पूजा अर्चना के बाद खरकई नदी के बीच में मेला लगता है. मेला में झारखंड व ओडिशा के दूर दराज के लोग आते और पूजा अर्चना करते हैं. सुरमी दुरमी मेला समिति हरिबेड़ा द्वारा मेला का संचालन किया जाता है. मेला प्रतिवर्ष जून में अमावश्या में लगता है. तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के हरिबेड़ा गांव के उत्तर में दो बड़े-बड़े दैविक तालाब हैं. सुरमी दुरमी तालाब से जाना जाता है.

डाबरा को सुरमी व दुरमी से करनी पड़ी शादी

डाबरा पहाड़ में शक्तिशाली तपस्वी डाबरा रहते थे. एक बार ओडिशा स्थित नारगी की दो महिला सुरमी और दुरमी खरकई नदी में मछली पकड़ रही थी. तपस्वी डाबरा ने दोनों महिला को देखे बिना शिकार के लिए उत्तर दिशा में बाण चला दिया. बाण मछली पकड़ रही महिला के पास गिरी और महिला ने दोनों बाण अपने पास रख लिया. डाबरा बाण की खोज बीन करते हुए दोनों महिला के पास पहुंचे. डाबरा ने उनसे बाण वापस करने की विनती की. दोनों ने डाबरा से बाण वापस करने की शर्त रखी. डाबरा ने दोनों महिला की शर्त स्वीकार कर ली. दोनों महिला ने शादी करने की शर्त रखी. डाबरा ने शर्त स्वीकार करते हुऐ डाबरा पहाड़ ले गए. तपस्वी डाबरा की पहले से एक रानी थी. जब सुरमी व दुरमी को लाया तो दोनों के लिए घर की व्यवस्था के लिए डाबरा में उत्तर दिशा में सुरमी के नाम से बाण चलाया. जहां बाण गिरा वहां बड़ा तालाब बन गया. उसी तालाब में सुरमी दैविक शक्ति के रूप में निवास करने लगी. इसी तरह दुरमी के नाम से भी उत्तर दिशा में बाण चलाया.

भीषण गर्मी में भी नहीं सूखता है तालाब का पानी

तालाब का पानी भीषण गर्मी में भी नहीं सूखता है. इस समय तालाब में पानी की गहराई लगभग 6 फीट बताई जाती है. हालांकि इस समय तालाब जलकुंभी से पटा हुआ है. तालाब में दैविक शक्ति वास करती है. गलत काम करने वाले तालाब में यदि नहने जाते हैं तो डूबने की संभावना रहती है.

क्या कहते ग्रामीण

पहाड़ पर तपस्वी डाबरा के दोनों बाण से सुरमी व दुरमी तालाब बने हैं. दोनों तालाब काफी पवित्र हैं. इसके पीछे इतिहास छिपा है. जून में अमावश्या के आस पास शिकार पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है. पहले दिन डाबरा पहाड़ पर पूजा अर्चना तथा दूसरे दिन सुरमी-दुरमी तालाब में पूजा कर सुख समृद्धि व खुशहाली की मनोकामना मांगी जाती है.

बोगन कालुंडिया, हरिबेड़ा

हरिबेड़ा में डाबरा पहाड़ व सुरमी दुरमी तालाब में पूजा अर्चना कर शिकार पर्व (संगर मेला) का आयोजन किया जाता है. यह पर्व काफी पवित्र है. यहां तालाब में नहा कर लोग मन्नत मांगते हैं, जो पूरी भी होती है.

रौनक मुडरी, हरिबेड़ा.

हरिबेड़ा में डाबरा पहाड़ व सुरमी दुरमी तालाब में पूजा अर्चना की जाती है. पूजा अर्चना के बाद खरकई नदी के बीच मेला का आयोजन किया जाता है. ग्रामीण व दूर दराज से आने वाले लोग काफी आनंद लेते हैं.

विक्रम कालुंडिया, हरिबेड़ा.

हरिबेड़ा में शिकार पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है. मेला समिति ने मुख्य अतिथि के रूप आमंत्रित किया है.

निरल पूर्ति, विधायक

कोल्हान विवि वर्ष 2020 में रिक्त पद का सृजन कर झारखंड सरकार के पास भेजने के बावजूद

केएस कॉलेज में 84 शिक्षकेत्तर कर्मियों के पद खाली

संवाददाता। चाईबासा

कोल्हान विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेज काशी साहू कॉलेज सरायकेला में शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की भारी कमी है. लेकिन अभी तक बहाली शुरू नहीं हुई है, जबकि शिक्षकेत्तर कर्मचारी का पद सृजित कर दिया गया है. तृतीय व चतुर्थ वर्ग में कुल 84 पद सृजित हुए हैं. इसमें सबसे अधिक तृतीय वर्ग में कुल 53 पद सृजित हैं, जबकि चतुर्थ वर्ग में 31 पद का ही सृजन हुआ है. विवि ने 2020 में ही उक्त कॉलेज का पद सृजन कर सरकार को भेज दिया था. सरकार ने स्वीकृति भी दे दी है. तृतीय वर्ग में सबसे अधिक एलडी असिस्टेंट के 13 पद तैयार किये गये हैं. वहीं एकाउंटेंट क्लर्क के लिये 3, स्टोरकीपर के लिये 11, लैब आइजी में 12 पद का सृजन किया गया है. हेड एकाउंटेंट, हेड क्लर्क, कैशियर, यूजी असिस्टेंट, स्टेनो, हेड लाइब्रेरियन, असिस्टेंट लाइब्रेरी व केयर टेकर के लिये 1-1 पद का सृजन किया गया है.

काशीनाथ साहू कॉलेज में तृतीय और चतुर्थ वर्ग के रिक्त पदों की संख्या

तृतीय वर्ग कर्मचारी की सृजन पद	
पद	संख्या
हेड क्लर्क	01
हेड एकाउंट	01
एकाउंट क्लर्क	03
कैसियर	01
एलडी एसेसटेंट	13
यूडी एसेसटेंट	01
टाइपिस्ट	02
स्टोनो	01
हेड लाइब्रेरियन	01
एसेसटेंट लाइब्रेरियन	01
स्टोर कीपर	11
लैब आइसी	12
केयर टेकर	01
सॉटर	02
एलेक्ट्रिशियन	02
चतुर्थ वर्गीय	
नाइट गार्ड	02
लैब बैरेर	09
पीयून	10
दरवान	01
माली	02
लाइब्रेरी एटेंडर	03
दफ्तरी	01
ऑड्रली	02
लेडी एटेंडेंट	01

कॉलेज में चार-पांच स्थायी शिक्षकेत्तर कर्मी हैं

काशी साहू कॉलेज सरायकेला में वर्तमान में शिक्षकेत्तर की भारी कमी है. 4-5 स्थायी शिक्षकेत्तर कर्मचारी ही फिलहाल कार्यरत है. जबकि विद्यार्थियों की संख्या हजारों में है. लंबे समय से बहाली नहीं होने के वजह से कई पद रिक्त पड़े हुये है. रिटायरमेंट कर्मचारी भी अपनी सेवा दे रहे है. जबकि कॉलेज प्रशासन की ओर से कुछ कर्मचारी को अनुबंध के तहत बहाल किया है.

काशी साहू कॉलेज में कर्मचारियों की कमी तो है, लेकिन बहाली प्रक्रिया में सरकार लगा है. रोस्टर के आधार पर बहाली होगी. विवि की ओर से भी लगातार बहाली करने की मांग सरकार से की जा रही है.

डॉ राजेंद्र भारती
प्रवक्ता, कोल्हान विवि

न्यूज अपडेट

कराटे में झारखंड ने दो स्वर्ण सहित 25 पदक जीते

चाईबासा । नेपाल के गोकरनेश्वर म्युनिसिपालिटी काठमांडू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोतोकान कराटे प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए झारखंड की 14 सदस्यीय टीम ने भाग लिया था. प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बालक एवं बालिका शामिल हुए. एक और दो जून को आयोजित हुई दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने 2 स्वर्ण, 7 रजत सहित कुल 25 पदक जीतने में सफल रहे. प्रथम अंतरराष्ट्रीय शोतोकान कराटे प्रतियोगिता में कई देशों ने भाग लिया था.

दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई

चाईबासा । आनन्दपुर थाना कांड सं0-08/2020, धारा- 376 भादवि एवं 04/06 पोक्सो एक्ट के अभियुक्त एतवा लुगुन को कोर्ट ने 10 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है. एतवा लुगुन आनंदपुर थाना के बेड़ाईचिड़ा निवासी बरना लुगुन का बेटा है. उसे न्यायालय द्वारा 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है. उक्त आरोपी के विरूद्ध नाबालिग बच्ची से जबरदस्ती दुष्कर्म करने के आरोप में आनंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. अनुसंधान के क्रम में चाईबासा पुलिस द्वारा अभियुक्त एतवा लुगुन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था.

पांचवें सिख गुरु अर्जन देव जी की याद में छबील

किरीबुरु । सिखों का ऐतिहासिक छबील पर्व के अवसर पर सीआरपीएफ 26 बटालियन में शामिल सिख समुदाय के जवानों ने मुर्गापाड़ा, किरीबुरु स्थित सीआरपीएफ कैम्प परिसर के सामने विशेष कैंप लगाकर सड़क से गुजरने वाले तमाम लोगों को रोक-रोककर मीठा ठंडा शर्बत पिलाते नजर आये. इसके अलावे किरीबुरु स्थित गुरुद्वारा में पिछले कई दिनों से महिलाएं प्रतिदिन पाठ व कीर्तन का आयोजन कर रही है. 9 जून को 40 दिन पूरा होने पर 10 जून को पाठ करने व प्रसाद गुरुद्वारा में चढ़ाने के बाद इसी दिन बैंक मोड़ में छबील का वितरण गुरुद्वारा कमिटी द्वारा किया जायेगा. जवानों ने बताया कि छबील मीठे पेय का नाम है.

नगर परिषद नहीं कर रहा कचरा का उठाव

चक्रधरपुर । चक्रधरपुर शहर के विभिन्न स्थानों पर नगर परिषद द्वारा कचरों का उठाव नहीं किये जाने से स्थानीय लोग व सड़क पर चलने वाले राहगीर परेशान हैं. शहर की पुरानी रांची रोड में नगर परिषद की ओर से पिछले 15-20 दिनों से कचरा का उठाव नहीं किया गया है. इसके कारण सड़क पर चलने वाले राहगीर बदबू से परेशान रहते हैं. स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर परिषद द्वारा कचरा जमा करने के लिए बड़ा डस्टबिन तो लगा दिया है, लेकिन समय पर डस्टबिन से कचरा का उठाव नहीं किया जाता है. इसके कारण यहां आस-पास के घरों में रहने वाले लोग व दुकानदार परेशान हैं.

बंदगांव में भगवान बिरसा का मनेगा शहादत दिवस

चक्रधरपुर । नौ जून को बंदगांव प्रखंड के विभिन्न पंचायत में भगवान बिरसा मुंडा का शहीद दिवस मनाया जाएगा. इसे लेकर शुक्रवार को कराइकेला बाजार परिसर में विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई की अध्यक्षता में झामुमो की बैठक हुई. इसमें सर्वसम्मिति से निर्णय लिया गया कि भगवान बिरसा मुंडा का शहादत दिवस 9 जून को प्रत्येक पंचायत में मनाया जाएगा. विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा पूरे आदिवासी समुदाय के भगवान थे. मौके पर झारखं मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता प्रेम मुडरी, रंजीत मंडल, अरुण चटर्जी, अमित रक्षित, सुभाष कालिंदी, राकेश नायक समेत अन्य झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

दृष्टिबाधित भाइयों की समाजसेवी ने की मदद

चाईबासा । चाईबासा के एसपीजी कंपाउंड में रहने वाले दो भाई चंदन गोप और सौरभ गोप की जन्म से ही आंखों की रोशनी नहीं है. परिवार वालों ने कई लोगों से उनके इलाज एवं अच्छी परवरिश हेतु मदद मांगी. उन्होंने तत्कालीन विधायक दीपक बिरुवा से मदद मांगी थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. दोनों भाइयों पर समाजसेवी नेहा निषाद की नजर पड़ी. उन्हें चंदन और सौरभ की मां ने बताया कि विकलांग पेंशन बंद हो गया है. घर में बिजली भी नहीं है, न ही राशन का सामान है. छोटी सी चौकी पर चार लोग सोते हैं. इसकी जानकारी उन्होंने जमशेदपुर के समाजसेवी रवि जायसवाल को दी. उन्होंने उनके घर राशन, फोल्डिंग बेड, छाता, तिरपाल, जूते आदि भेजवाया.

झामुमो कार्यकर्ता की सांसद जोबा ने की मदद

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड के लाण्डुपोदा पंचायत अंतर्गत ग्राम मटकमबेड़ा के झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) कार्यकर्ता मंगल कांडेयांग के परिवार को सिंहभूम की नव निर्वाचित सांसद जोबा माझी ने आर्थिक सहयोग किया है मंगल कांडेयांग, पिता मधु कांडेयांग पिछले दिनों नये बैलों को बैल गाड़ी जुताई सिखा रहे थे. इस क्रम में वह बैलगाड़ी की चपेट में आ जाने से गम्भीर रूप से घायल हो गए. वे अंदरुनी रूप से जख्मी हो गए थे. उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है. स्थानीय झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता सह बंदगांव प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दोड़ाय जोंको ने इसकी जानकारी नव निर्वाचित सांसद को दी. इसके बाद पीड़ित एवं उनके परिजनों को आर्थिक सहायता दी गई.

अच्छी पहल: कोडरमा जिले में घर-घर पहुंचेगी पशु एंबुलेंस

संवाददाता। कोडरमा

जिले में सरकारी स्तर पर लोगों को आपातकालीन स्थिति में मिलने वाली 108 एंबुलेंस की निःशुल्क सेवा की तर्ज पर अब पशुपालकों को पशु एंबुलेंस की भी सुविधा मिलेगी. जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. राम सरिक प्रसाद ने बताया कि राज्य स्तर पर इसकी स्वीकृति मिल गई है. कोडरमा जिले के 6 प्रखंडों के लिए 6 पशु एंबुलेंस की डिमांड की गई थी लेकिन उपलब्धता के अनुसार फिलहाल कोडरमा जिले को चार पशु एंबुलेंस आवंटित किए गए हैं. जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में पशु एंबुलेंस की सेवा शुरू होने से पशुपालकों को बड़ी राहत मिलेगी. पशु एंबुलेंस के हेल्पलाइन नंबर 1962 पर शिकायत दर्ज होने के बाद पशु एंबुलेंस पशुपालक के घर तक पहुंचेगी. पशु एंबुलेंस में एक पशु चिकित्सक और एक सहायक की नियुक्ति आउटसोर्सिंग के आधार पर होगी. वर्तमान में जिले में पशु अस्पताल के संचालित नहीं होने से पशुपालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था. उपचार के साथ कई प्रकार की विभागीय योजनाओं का भी लाभ मिलेगा. उन्होंने बताया कि पशु एंबुलेंस के माध्यम से पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान, पशु उपचार, टीकाकरण, क्रीमी नाशक दवा वितरण एवं अन्य तरह के विभागीय योजनाओं का लाभ दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि 1962 पशु एंबुलेंस के हेल्पलाइन नंबर पर जिले की सड़कों पर घूमने वाले पशुओं के बीमार और घायल होने की भी सूचना दी जा सकती है. पशु एंबुलेंस से चिकित्सक मौके पर पहुंचकर घायल और बीमार पशु का इलाज करेंगे.

सावधान : हजारीबाग जिले में किसान समय पर अपनी फसल तैयार करने के लिए करते हैं खतरनाक रसायनों का प्रयोग

तरबूज नहीं, जहर खा रहे हैं आप; स्वास्थ्य हो सकता है खराब

संवाददाता। हजारीबाग

सेहत अच्छा हो इसके लिए लोग फलों का सेवन अक्सर करते हैं. मौसम के अनुसार बाजार में तरह-तरह फल आते रहते हैं. गर्मी के सीजन में तरबूज की खूब बिक्री होती है, लेकिन खरीदारों को यह पता नहीं होता है कि तरबूज खाने से उनका सेहत अच्छा होगा या फिर उन पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा. जिले में सैकड़ों किसान लीज पर जमीन लेकर गर्मी के सीजन में तरबूज की खेती करते हैं और खूब मेहनत करते हैं, लेकिन कभी बारिश तो कभी ठंड या गर्मी की वजह से समय पर फसल तैयार नहीं हो पाती है. ऐसे में किसानों की फसल समय पर बाजार नहीं पहुंच पाती. इससे उनको मुनाफा काम होता है. इससे बचने के लिए किसान अपनी फसल में तरह-तरह के रसायनों का प्रयोग करते हैं, जो उपभोक्ताओं की सेहत के लिए हानिकारक साबित होते हैं. झारखंड के विभिन्न जिलों रांची, कोडरमा, गिरिडीह, चतरा, लातेहार, पलामू में हजारीबाग के तरबूज की सप्लाई होती है. इन जिलों के व्यापारी हजारीबाग के किसानों को अच्छी कीमत देकर तरबूज ले जाते हैं. वहीं आम लोग भी गर्मी के मौसम में तरबूज की खरीदारी खूब करते हैं, लेकिन इन्हें यह पता नहीं है कि वे तरबूज नहीं, बल्कि वह जहर खा रहे हैं, जिससे उनकी सेहत खराब हो सकती है.

रसायनों का प्रयोग करते ही दो से तीन दिन में लाल व बड़ा हो जाता है तरबूज

तरबूज का फाइल फोटो.

बता दें कि तरबूज के उत्पादन के दौरान शुरुआत में किसान साधारण केमिकल, खाद, प्रोटीन, यूरिया और डीएपी का प्रयोग करते हैं, लेकिन आगे चलकर किसान अपनी फसल को दुगनी करने के लालच में उस पर केमिकल का भारी मात्रा में प्रयोग करने लगते हैं. किसान तरबूज को बड़ा करने के लिए रसायन का प्रयोग करते हैं. रसायन डालते ही तरबूज का आकार बढ़ जाता है. वहीं रसायन का प्रयोग करते ही 2 से 3 दिन में तरबूज अंदर से लाल हो जाता है. यहां तक कि तरबूज को हरा रखने के लिए भी रसायन का प्रयोग किया जाता है. ऐसे में तरबूज हरा भरा तो दिखता है, लेकिन खाने के बाद वह उतना ही जहरीला और नुकसानदेह साबित हो सकता है. किसानों का कहना है कि फसल समय पर तैयार नहीं हो पाता है. ऐसे में वे अपनी फसल में 005 केमिकल का इस्तेमाल करते हैं. इससे तरबूज लाल हो जाता है. किसानों ने यह भी बताया कि कई ऐसे केमिकल हैं, जिनका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है. ये केवल दवा के रूप में प्रयोग किए जाते हैं, जिससे तरबूज हरा भरा और बड़ा होता है.

क्या कहते हैं जानकार

इस संबंध में डॉक्टर आरसी रंजन बताते हैं कि जिस फसल में या सब्जी में केमिकल का इस्तेमाल होता है उसका सेवन करने वाले लोगों की सेहत प्रभाव पड़ सकता है. यह जानलेवा भी साबित हो सकता है. इसे खाने से फूड प्वाइजन, कैंसर इत्यादि जैसे रोग हो सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि केमिकल का बॉडी पर साइड इफेक्ट हो सकता है. ऐसे में तरह-तरह की बीमारियां हो सकती हैं और चेहरे का स्कीन भी खराब हो सकता है. केमिकल और खाद के प्रयोग तैयार की गई फसलों का सेवन करने से लोगों को बचना चाहिए.

ब्रीफ खबरें

उपायुक्त ने 20 लिपिकों को सौंपा नियुक्ति पत्र

हजारीबाग। निम्नवर्गीय लिपिक जिला समाहरणालय के पद पर नियुक्ति 20 अभ्यर्थियों को आज उपायुक्त नैंसी सहाय ने नियुक्त पत्र सौंपा. नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में 20 अभ्यर्थी उपस्थित रहे जबकि दो अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे. नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत उपायुक्त ने सभी अभ्यार्थियों को शुभकामनाएं दी तथा योगदान करने को कहा. साथ ही कहा कि हजारीबाग जैसे अच्छे जिले में पोस्टिंग हुई है, मेहनत और ईमानदारी से कार्य करें. इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह मौजूद थे.

चतरा के गुदरी बाजार में पेयजल संकट उत्पन्न

चतरा। जिले में करीब 10 दिनों से पड़ रही बेतहाशा गर्मी के कारण शहर के गुदरी बाजार में पेयजल संकट गहरा गया है. अगर सप्ताह में एक या दो दिन कोई टैंकर पानी आपूर्ति के लिए इस मोहल्ले में पहुंचती भी है तो वहां लगने वाली लंबी-लंबी कतारों को देखकर पानी की समस्या का अनुमान लगाया जा सकता है.वार्ड तीन निवासी सह व्यवसायी डब्लू जायसवाल ने बताया कि 10 दिनों से शहर का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आस पास रह रहा है. इसके कारण पानी का जलस्तर काफी नीचे चला गया है. नगर पालिका की कार्यपालक पदाधिकारी विनीता कुमारी ने बताया कि शहर के लगभग सभी वार्डो में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है. इस समस्या को देखते हुए सभी वार्डों में टैंकर से जलापूर्ति कराने का प्रयास किया जा रहा है.

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर बैठक आयोजित

हजारीबाग। जिला बाल संरक्षण इकाई, समाज कल्याण विभाग एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बाल विवाह तथा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने हेतु जिला स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, आरसीएच पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य, बाल कल्याण समिति के सदस्य एवं श्रम विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे. बैठक जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो की अध्यक्षता में हुई. इसमें विशेष अतिथि यूनिसेफ की बाल विशेषज्ञ प्रीति श्रीवास्तव उपस्थित थीं. खलखो ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह तथा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने हेतु जिला कार्य योजना तैयार करना है.

कमान लेने का इंतजार कर रहे होमगार्ड जवानों ने लगाए गंभीर आरोप

'चढ़ावा' दिए बिना होमगार्ड जवानों को नहीं मिलती ड्यूटी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

ड्यूटी नहीं मिलने से परेशान जवान प्रत्येक दिन होमगार्ड कार्यालय का चक्कर लगा रहा रहे हैं. स्थानीय होमगार्ड कार्यालय के पास शुक्रवार को दो दर्जन से अधिक जवान कमान लेने के लिए खड़े थे, लेकिन उन्हें न तो ड्यूटी दी गई और न ही उनकी अधिकारी से मुलाकात हो पाई. इससे नाराज जवानों ने मीडिया से होमगार्ड कार्यालय में हो रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने एवं उनकी आवाज को सरकार तक पहुंचाने का आग्रह किया. उनका कहना है कि चुनाव में ड्यूटी दिया गया था, जिसमें 30 दिन के लिए 22500 रुपये देने की बात कही गई थी. इसमें 11400 रुपये एडवांस के रूप में दिए गए हैं, बाकी का भुगतान नहीं हो पाया है. वहीं चुनाव खत्म होने के बाद ड्यूटी के लिए इंतजार कर रहे हैं. जवानों का कहना है कि ड्यूटी करने पर प्रतिदिन 500 रुपये मिलते हैं, जिससे हमारा परिवार चलता है. लेकिन चुनाव बीते सप्ताह भर होने चला है और अब तक ड्यूटी नहीं दी गई है. जवानों ने आरोप लगाते हुए यह भी बताया कि ड्यूटी लेने के लिए 4000 से 5000 रुपये तक का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता है. वहीं अधिकारी भी बाहरी और भीतरी के आधार पर भेदभाव करते हैं. हजारीबाग के रहने वाले लोगों को ड्यूटी पहले दी जाती है और कोडरमा जिले से आए लोगों को ड्यूटी बाद में और दूरदराज इलाके में दी जाती है.

होमगार्ड कार्यालय के बाहर ड्यूटी के लिए अधिकारी का इंतजार करते जवान.

ड्यूटी के अनुसार जवानों को देना पड़ता है पैसा

इस संबंध में होमगार्ड जवान बड़कागांव के नरेश महतो, करमा निवासी जागेश्वर प्रसाद, विनोद मेहता सहित कई जवानों ने बताया कि यहां ड्यूटी के अनुसार पैसा देना पड़ता है. बिना पैसा दिए हुए ड्यूटी नहीं मिलती है. वहीं अगर हजारीबाग शहर के डीवीसी, पोस्ट ऑफिस या बैंक में ड्यूटी करनी हो, तो उसके लिए अलग चार्ज लगता है. अगर कोलफील्ड में ड्यूटी करने के लिए भेजा जाता है तो उसके लिए अलग रेट तय है. जवानों ने यह भी बताया कि होमगार्ड के डीएसपी साहब को आज तक हम जवान नहीं देख पाए हैं. वह कब आते हैं और कब जाते हैं इसकी कोई जानकारी नहीं है. यहां का सारा काम कंपनी कमांडर सुनील कुमार देखते हैं. किसको ड्यूटी देनी है और किसको नहीं, कितनी रकम लेनी है, ये सारे काम सुनील करते हैं. अधिकारी के हजारीबाग में नहीं रहने के कारण कंपनी कमांडर खूब मनमानी करता है और जवान से मोटी रकम वसूल करता है. अगर कहीं हम जवान उच्च अधिकारी से शिकायत करते हैं तो हमें ड्यूटी से मुक्त कर दिया जाता है. इसी डर से हम कुछ नहीं बोल पाते, जिसका लाभ कंपनी कमांडर उठा रहा है.

वह भी तब जब जवानों द्वारा निर्धारित रकम नहीं दी जाती है.

खास बातें

- परेशान जवान ड्यूटी के लिए कार्यालय का चक्कर लगाने के लिए हो रहे हैं मजबूर
- अधिकारी भी बाहरी और भीतरी के आधार पर जवानों से करते हैं भेदभाव

आरोपों पर क्या कहते हैं कंपनी कमांडर सुनील

होमगार्ड जवानों के आरोपों पर कंपनी कमांडर सुनील ने पूछे जाने पर बताया कि किसी कारण बस हम रांची में हैं. आने के बाद जवान को ड्यूटी दी जाएगी. उन्होंने टालमटोल करते हुए कहा कि हम अभी हम खुद परेशानी में है. इसी ड्यूटी को लेकर अधिकारी हमसे स्पष्टीकरण भी पूछे हैं. उन्होंने यह भी बताया कि हजारीबाग होमगार्ड ऑफिस में 701 जवान हैं और इनमें से कई जवान ड्यूटी कर रहे हैं. यह सही है कि जिनकी चुनाव ड्यूटी लगी थी वे जवान अभी खाली है. जल्द ही इन जवानों को ड्यूटी दी जाएगी.

बाइक सवार अपराधियों ने पेट्रोल पंप पर चलाईं गोलियां, क्षेत्र में दहशत

संवाददाता। रामगढ़

पतरातू क्षेत्र में एक बार फिर अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है. इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है. बता दें कि पतरातू थाना क्षेत्र के तालाताड़ स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप पर गुरुवार की रात बाइक सवार दो अपराधी गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर भाग गए. जानकारी के अनुसार अपराधी पेट्रोल पंप में पहुंचते ही पंप संचालक शमशेर को ढूंढ रहे थे.

यह पूरी घटना वहां लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. बताया जाता है कि अपराधी पेट्रोल पंप के मालिक शमशेर को ढूंढते हुए वहां पहुंचे और जब वह नहीं मिले तो चार राउंड गोलियां चलाईं. गोलियां चलाने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए. सूचना के अनुसार अपराधी वहां लेवी की मांग को लेकर पहुंचे थे. घटना की सूचना मिलते ही पतरातू एसडीपीओ घटनास्थल पर पहुंच कर जांच में जुटी है. इस दौरान घटनास्थल से चार खोखे बरामद किए गए हैं. पतरातू पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश में जुटा है. इस संबंध में पतरातू एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार राम ने बताया कि अपराधी गोलीबारी की घटना को अंजाम देकर फरार हो गए. फिलहाल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है. जल्द ही सभी अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे. इस संबंध में कई जगह वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा रह है.

पेट्रोल पंप पर फायरिंग की घटना के बाद पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी.

खास बातें

- पूरी घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद
- पंप संचालक को ढूंढते हुए अपराधियों ने की फायरिंग

कारगिल के शहीद विद्या सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। हजारीबाग

कारगिल के शहीद विद्यानंद सिंह का 25वां बलिदान दिवस शुक्रवार को कारगिल पेट्रोल पंप के पास मनाया गया. रांची मंडल कार्यालय के खुदरा विक्रेता प्रबंधक चंद्र भूषण, हजारीबाग क्षेत्र के विक्रय प्रबंधक राहुल कुमार, एसबीआई के मुख्य प्रबंधक देवेंद्र कुमार, प्रबंधक ऋषिकांत, उप प्रबंधक चंदन कुमार, कारगिल पेट्रोल पंप के रवि शंकर, धीरज सिंह, संजीव सिंह, मंटू कुमार के साथ सैकड़ों लोगों ने शहीद को श्रद्धासुमन अर्पित किया.

मौके पर चंद्रभूषण ने कहा कि विद्यानंद सिंह का बलिदान हम युवाओं के लिए प्रेरणा है. भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक ने कहा कि इस धरती पर जन्म लेने वाले सभी मरते हैं, लेकिन भारत माता की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर हो जाते हैं. विदित हो कि 1999 के जून माह में विद्यानंद सिंह कारगिल युद्ध में आमने-सामने की लड़ाई में शहीद हो गए थे.

कारगिल के शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते शहर के गणमान्य लोग.

'सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संस्कृत का प्रसार जरूरी'

सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व पदाधिकारी.

संवाददाता। हजारीबाग

कुम्हार टोली स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शुक्रवार को संस्कृत भारती झारखंड की ओर से आयोजित सात दिवसीय भाषा प्रबोधन वर्ग के पंचम दिवस का शुभारंभ पूर्व विभाग सेवा प्रमुख हजारीबाग ओमप्रकाश वर्मा ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संस्कृत का प्रचार प्रसार वर्तमान समय में बहुत ही आवश्यक है. ज्ञातव्य है कि इस वर्ग में लगभग 200 शिक्षार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं. मौके पर भारती झारखंड के प्रांत मंत्री डॉ. दीपचंद कश्यप, वर्गाधिकारी के रूप में डॉ. श्रीहरि पांडेय, पृथ्वीराज सिंह, ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ. सुबोध साहू, ज्ञानेश मिश्र, डॉ. विनय कुमार, रामचंद्र उपाध्याय, डॉ.राहुल कुमार, प्रवीण कुमार, जगदंबा प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे.

जांच टीम पहुंची केरेडारी सीएचसी, ड्यूटी से गायब डॉक्टर भी नपेंगे

दोषी जीएनएम पर होगी कार्रवाई

संवाददाता। केरेडारी

समाचार पत्रों में अव्यवस्था की खबर सामने आने के बाद जांच टीम शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची. जिला मुख्यालय से आए डीएलओ एसके रंजन, डॉ. राहुल कुमार, नंद लाल कुमार ने केरेडारी स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था की बारीकी से जांच की.

इस दौरान प्रभारी समेत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जमकर फटकार लगाई गई. बता दें कि स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही के कारण नवजात की बीते दिनों मौत हो गई. वहीं बीते शनिवार को बड़कागांव की विधायक अंबा प्रसाद से स्थानीय ग्रामीणों ने शिकायत करते हुए बताया था कि अस्पताल में सभी चिकित्सक ड्यूटी नहीं करते.

डीजी जेनरेटर उपलब्ध होने के बावजूद मरीज रात्रि में अंधेरे में रहने को मजबूर होते हैं. जोरदाग निवासी मृतक नवजात के परिजन मुकेश साव ने भी मौके पर पहुंच कर अपना पक्ष रखा. पदाधिकारियों ने सभी बातों को दर्ज किया. उन्होंने हाजिरी पंजी देखी तो ड्यूटी से कई डॉक्टर गायब दिखे, लेकिन सभी की हाजिरी बनी हुई थी. जांच टीम ने बताया कि केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था काफी चरमरा गई है. इसको जल्द सुधारा जाएगा. वहीं ड्यूटी से गायब डॉक्टर व दोषी जीएनएम पर कार्रवाई की जाएगी.

शिकायतों की जांच करने केरेडारी सीएचसी पहुंची जिले की टीम.

खास बातें

- जांच में पाई गईं कई खामियां सुधार करने का दिया भरोसा
- स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही की शिकायतें की गई थीं

साहू समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह कल

मैट्रिक-इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले बच्चे होंगे सम्मानित

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के साहू भवन में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा बरही अनुमंडलीय समिति की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता अनुमंडलीय अध्यक्ष अमित साहू ने की, जबकि इसका संचालन प्रखंड अध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता ने किया. बैठक में सर्वसम्मति से हर वर्ष की भांति 9 जून रविवार को मैट्रिक व इंटर परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के छात्र- छात्राओं को सम्मानत करने का निर्णय लिया गया. समारोह प्रातः 10:00 बजे से आयोजित होगी. बैठक में अनुमंडलीय अध्यक्ष अमित साहू, वरिष्ठ समाजसेवी अर्जुन साव, सुनील साहू, सीताराम साहू, चेतलाल साव, प्रखंड अध्यक्ष मुनेश्वर गुप्ता, महासचिव विकास गुप्ता, दीपक गुप्ता, राजेश साव, बिरबल साव, बिनोद साहू, गोविंद साव, मदन साव, अनुज साव, रेवा शंकर साव, कृष्णा साव, नारायण साव, विकास गुप्ता, मनोज साव, आशीष कुमार गुप्ता, निरंजन धनमूर्ति विजय साव आदि उपस्थित थे.

साहू समाज की बैठक में उपस्थित गणमान्य लोग.

पहल ग्रीष्मकालीन शिविर आज से प्रारंभ होकर आठ जुलाई तक चलेगा, 40 बालिकाएं भाग लेंगी

एनटीपीसी में बालिका सशक्तीकरण अभियान का शुभारंभ

संवाददाता। हजारीबाग

नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एनटीपीसी ने शुक्रवार को बसरिया अपग्रेडेड हाई स्कूल केरेडारी में बालिका सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ किया. यह ग्रीष्मकालीन शिविर 8 जून से प्रारंभ होकर 8 जुलाई तक चलेगा, जिसमें कुल 40 बालिकाएं भाग लेंगी. चार सप्ताह तक चलने वाले बालिका सशक्तिकरण मिशन के लिए बच्चों को ड्रेस, स्टेशनरी और अन्य आवश्यक सामानों की किट प्रदान की गयी. स्कूल के प्रधानाचार्य विजय कुमार और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने एनटीपीसी की सीएसआर गतिविधियों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, "एनटीपीसी द्वारा किए जा रहे प्रयास हमारे क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं. इन गतिविधियों से न केवल बालिकाओं को शिक्षा और सशक्तिकरण के नए अवसर मिलते हैं, बल्कि हमारे समाज में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं."

बसरिया अपग्रेडेड हाई स्कूल केरेडारी में आयोजित एनटीपीसी के कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाएं व अन्य.

केरेडारी परियोजना के प्रमुख शिव प्रसाद ने बताया कि इस शिविर में बालिकाओं को विभिन्न सत्रों में शैक्षिक, सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाया जाएगा. प्रसाद ने कहा, "एनटीपीसी का गर्ल एम्पावरमेंट मिशन क्षेत्र की बालिकाओं को नई दिशाओं में मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने का प्रयास है. हमारा उद्देश्य है कि ये बालिकाएं आत्मविश्वास से भरपूर होकर अपने सपनों को साकार कर सकें." उन्होंने बालिकाओं के माता-पिता से कहा कि बच्चों के सपनों को उड़ान भरने दें और उन्हें भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें. इस अभियान का उद्देश्य केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है. इसमें बालिकाओं को विभिन्न कौशलों में पारंगत करने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, आत्मरक्षा और व्यक्तित्व विकास जैसे महत्वपूर्ण सत्र भी शामिल हैं. इस प्रकार के कार्यक्रमों से बालिकाओं में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की भावना विकसित होती है, जो उनके भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगी. इस अवसर पर महाप्रबंधक (चट्टी बरियातु) नवीन गुप्ता एवं अध्यक्षा-संस्कृति महिला समिति दुर्गेश, उप अध्यक्षा राखी गुप्ता उपस्थित थी. इस अवसर पर अपर-महाप्रबंधक एसपी गुप्ता एवं रोहित पाल आदि उपस्थित थे.

बालू लदे सात वाहन जब्त, तीन गिरफ्तार

कोडरमा। जयनगर प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी गौतम कुमार, थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान एवं सअनि आशीष कुमार हांसदा तथा जिला से आए सशस्त्र बल के साथ अवैध बालू खनन को लेकर शुक्रवार को छापेमारी अभियान चलाया गया. इसमें हीरोडीह से गम्हरबाद जाने वाली सड़क पर गैडे फैक्टरी ग्राम गम्हरबाद थाना जयनगर के पास से बालू खनिज लदे दो ट्रैक्टर एवं एक शक्तिमान को चालक छोड़कर फरार हो गए. वाहनों को जब्त कर लिया गया. ग्राम पातिसाले से बदुलिया जाने वाली पक्की सड़क ग्राम चदरा पिपराडीह के पास भी बालू लदे चार ट्रैक्टर के चालक भी भागने की कोशिश करन लेगे, जिसमें एक चालक भागने में सफल रहा जबकि तीन चालकों को पुलिस बल ने पकड़ लिया.

पतरातू में गेस्ट हाउस व यूनिट वन कंट्रोल रूम का उद्घाटन

यूनिट कंट्रोल रूम का उद्घाटन करते सीएमडी गुरदीप सिंह.

संवाददाता। रामगढ़

दो दिन के पतरातू दौरे में पहले दिन सीएमडी गुरदीप सिंह ने पीवीयूएनएल टाउनशीप के गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया और यंग एग्जिक्यूटिव्स के साथ बातचीत की. इस दौरान सीएमडी ने एनटीपीसी लिमिटेड की अहम भूमिका और पावर सेक्टर में किए जा रहे प्रयास के बारे में बताया. वहीं दूसरे दिन पीवीयूएनएल प्लांट का दौरा कर यूनिट वन कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया. इस मौके पर के सदाशिव मूर्ति, सीएमडी बीएचईएल व सीनियर ऑफिशियल भेल व पीवीयूएनएल भी मौके पर मौजूद रहे.

हर दूसरे मुहल्ले में चल रहा बोतलबंद जार का प्लांट, प्रति जार वसूले जा रहे 10-20 रुपये

रांची में डंके की चोट पर हो रही पानी की चोरी, पाताल पहुंच रहा अंडरग्राउंड वाटर लेवल

समीर चक्रवर्ती। रांची

जी हां, सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, झारखंड की राजधानी रांची में पीने के पानी की चोरी खुलेआम डंके की चोट हो रही है. इसे रोकने में नगर निगम पूरी तरह से फैल है. रांची के अधिकांश इलाकों में आरओ प्लांट अवैध रूप से संचालित हो रहे है. ये आरओ प्लांट वाले आम लोगों को पानी बेच रहे हैं. इससे सरकार को एक रुपये भी राजस्व की प्राप्ति नहीं हो रही है. दूसरी ओर प्रतिदिन लाखों लीटर भूगर्भ जल को निकाल कर कारोबार किया जा रहा है. अत्याधिक दोहन से भूगर्भ जल का स्तर पाताल लोक में चला जा रहा है. पूरे शहर में 800 से अधिक आरओ प्लांट खुल गये हैं. नगर निगम से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, शहर की हर दूसरी गली या मोहल्ले में बोतलबंद जार का प्लांट धड़ल्ले से चल रहा है. यहां पर प्लांट संचालक पानी के लिए 10 से 20 रुपये तक प्रति जार लोगों से वसूल रहे हैं. घनी आबादी के बीच संचालित होनेवाले इन आरओ प्लांट के कारण कई मोहल्ले में जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. रांची की बड़ी आबादी वाटर लेवल नीचे जाने व सप्लाई पानी में गंदगी के कारण बोतल बंद पानी और जार वाटर पर आश्रित हो गई है. मांग को देखते हुए अब शहर के हर गली और मुहल्ले में जार वाटर की दुकानें खुल गयी हैं.

राजधानी के बड़े इलाके में गंभीर जल संकट

प्रचंड गर्मी के कारण राजधानी के बड़े इलाके में जल संकट की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गयी है. हरमू हाउसिंग कॉलोनी, गंगा नगर, विद्यानगर, यमुना नगर, स्वर्ण जयंती नगर, मधुकम सहित कई इलाके ऐसे हैं, जहां का जल स्तर नीचे चले जाने के कारण 20 हजार से अधिक बोरवेल फेल हो गये हैं. ऐसे मुहल्लों के लोगों के लिए एकमात्र सहारा निगम के टैंकर हैं. इससे भी पानी लेने के लिए लोग एक-दूसरे से उलझ रहे हैं.

रोज 25 हजार लीटर बोतल बंद पानी का धंधा

बिना किसी गाइडलाइन के संचालित इन आरओ वाटर प्लांट में कहीं पर 10 रुपये में 20 लीटर, तो कहीं पर 20 से 30 रुपये में 20 लीटर पानी मिल रहा है. वहीं बोतल बंद पानी का कारोबार भी जोरों पर है. कारोबारी सूत्रों के अनुसार, राजधानी रांची में रोज 25 हजार लीटर बोतल बंद पानी की खपत है. ऐसे में 20 रुपये प्रति लीटर कीमत के हिसाब से एक दिन में पांच लाख रुपये का बोतल बंद पानी राजधानीवासी पी रहे हैं.

निगम का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में

जार वाटर के प्लांटों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए रांची नगर निगम ने 2017 में ही नगर विकास विभाग को प्रस्ताव भेजा था. सुझाव दिया गया था कि ऐसे वाटर प्लांटों में वाटर मीटर लगाया जाये, ताकि यह पता चल सके कि वह कितना पानी का दोहन करते हैं. इसके अलावा जल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग हो. वाटर प्लांट घनी आबादी के बीच नहीं हो, इसका भी सुझाव दिया गया था.

आम लोगों पर दोहरी मार

पानी के इस खेल में आम जनता को ही मरना पड़ रहा है. आम लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है. कारण, एक तरफ पानी के लिए नगर निगम को टैक्स देना पड़ता है. लेकिन, निगम के कनेक्शन से लोगों को साफ और पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं हो पाता है. पेयजल की आपूर्ति बेहतर नहीं होने के कारण लोगों को बाहर से जार वाला पानी पैसे देकर लेना पड़ता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ के योग हैं.

वृषभ लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें. कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा.

मिथुन व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. दिन का इंजॉय करें

कर्क घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. भेंट व उपहार देना पड़ सकता है.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत है. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी.

कन्या समय सामान्य है. पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा, कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है.

तुला धर्म में मन लगेगा. सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. संतान संबंधी बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है.

वृश्चिक पार्टनर तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. हो सके तो बातचीत में संयम रखें.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा.

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है.

खूंटी में पीएलएफआई के तीन उग्रवादी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक बरामद

व्यवसायियों से लगातार लेवी की मांग करते थे गिरफ्तार उग्रवादी

संवाददाता। खूंटी

जिले के जरियागढ़ थाना क्षेत्र के व्यवसायियों से लगातार लेवी की मांग करने वाले प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के तीन सक्रिय उग्रवादियों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया. आरोपितों के पास से पीएलएफआई के पर्चे, संगठन के विस्तार से संबंधित प्रेस विज्ञप्ति, दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद किये गये हैं. तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी व्यवसायियों से लेवी वसूलने के लिए जरियागढ़ आने वाले हैं. इस पर पुलिस टीम ने कैंची मोड़ के पास एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया. इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा गया. उनकी तलाशी लेने पर संगठन के पर्चे आदि बरामद किये गये. गिरफ्तार उग्रवादियों में राहुल साहू, लुकस होरा उर्फ लुका और बालेश्वर साहू उर्फ बुधु साहू शामिल हैं. तीनों रांची जिले के लापुंग थाना के कथकुवांरी वरटोली के रहने वाले हैं. उनके पास से लाल रंग की मोटरसाइकिल (जेएच 23बी 5816) भी बरामद की गई. उनकी निशानदेही पर तोरपा थाना क्षेत्र से लूटी गई टीवीएस अपाची बाइक (जेएच 23एक 5524) को भी राहुल साहू के घर से बरामद कर लिया गया. एसडीपीओ ने बताया उग्रवादी मोटरसाइकिल का नंबर प्लेट बदलकर उसका प्रयोग रंगदारी मांगने के लिए किया करते थे.

लुकस और राहुल का पुराना आपराधिक इतिहास

एसडीपीओ ने बताया कि पकड़ा गया लुकस होरो हार्डकोर उग्रवादी है और काफी समय से पीएलएफआई से जुडा है. उसके खिलाफ 2020 में लापुंग थाने में हत्या, आर्म्स एक्ट और उग्रवादी गतिविधियों को लेकर मामला दर्ज है. उस पर हुलसू गांव निवासी गुला साहूउर्फ रामकुमार साहू की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है. पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था लेकिन नौ महीने के बाद वह जमानत पर छूट गया और फिर से संगठन में सक्रिय हो गया. राहुल साहू के खिलाफ भी तोरपा थाने में एक मामला दर्ज है.

ससुराल जाते समय शिक्षक की लूट ली थी बाइक

एसडीपीओ ने बताया कि कर्रा थाना के लरता गांव निवासी शिक्षक बिशु मुडा 21 मई को अपाची बाइक से शाम को लगभग साढ़े सात बजे ससुराल जा रहा था. बारकुली गांव के पास पांच अपराधियों ने उनकी बाइक लूट ली थी. बताया गया कि लूटकांड में शामिल दो अपराधी फरार हैं. दोनों बहुत जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे. एसडीपीओ ने तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय और जरियागढ़ थाना पभारी आदित्य कुमार की भी तारीफ की.

हीट वेव ने झारखंड में बढ़ाई गर्मी, 6 डिग्री तक बढ़ा पारा

संवाददाता। रांची

झारखंड में हीट वेव ने गर्मी बढ़ा दी है. पिछले 24 घंटे में झारखंड में 6 डिग्री तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई. सबसे अधिक जामताड़ा में 6.1 डिग्री तापमान बढ़ा. वहीं देवघर में 5.1 डिग्री, पलामू में 5.5 डिग्री, डालटनगंज में 4.6 डिग्री और रांची में 2.6 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई. शुक्रवार को सबसे अधिक 44.4 डिग्री पलामू का तापमान रहा. राज्य के उत्तरी और दक्षिणी भागों में गर्म और उमस भरा दिन रहने से लोग परेशान रहे. राज्य में अगले 2 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री से. की वृद्धि होने की संभावना है.

हीट वेव के साथ बारिश भी : झारखंड में 10 जून तक हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की गई है. राज्य के उत्तर-पश्चिमी, मध्य, दक्षिणी तथा निकटवर्ती उत्तर-पूर्वी भागो में हीट वेव को लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया गया है. इसके साथ कुछ जिलों में बारिश की भी संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को राज्य के दक्षिणी एवं मध्य भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. वहीं 9 जून से 13 जून तक राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. सुबह में मौसम साफ और दोपहर के बाद बारिश की संभावना है. पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 19.6 एमएम पूर्वी सिंहभूम में दर्ज किया गया. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 41.6 डिग्री से. सरायकेला में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 25.1डिग्री से. सरायकेला में दर्ज किया गया.

शहर का तापमान

रांची	38.8	26.0
जमशेदपुर	40.2	25.7
डालटनगंज	44.0	26.9
बोकारो	41.4	26.5
चाईबासा	40.6	26.0
देवघर	42.8	26.8
गिरिडीह	40.9	26.9
गढ़वा	43.9	27.3
सरायकेला	42.1	25.1
गोड्डा	42.9	28.1

राष्ट्रीय बागवानी एवं कृषि उद्योग का शिविर 10 को

केंद्र व राज्य के पदाधिकारी देंगे योजनाओं की पूरी जानकारी : मंत्री

शिविर की जानकारी देते आनंद कोठारी और चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री.

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड योजना, कृषि विपणन अवसंरचना योजना, कृषि अवसंरचना निधि योजना, कृषि क्लिनिक और कृषि व्यवसाय केंद्रीय योजना व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना से अधिकाधिक किसानों और व्यापारियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से 10 जून को दिन के 11 बजे से चैंबर भवन में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया है. यह जानकारी शुक्रवार को चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री व अहारी उप समिति के चेयरमैन आनंद कोठारी ने पत्रकारों को दी.

उन्होंने बताया कि शिविर में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के लिए निबंधन शुल्क 1000 रुपये तय किया गया और निबंधन की अंतिम तिथि नौ जून है. उन्होंने कहा कि झारखंड में कामर्शियल खेती, बागवानी कृषि विपणन संरचना, माइक्रो फूड प्रोसेसिंग उद्योग की असीम संभावनाएं हैं. चैंबर की अहारी उपसमिति ने केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी कृषि विकास, कृषि विपणन सरंचना एवं माइक्रो फूड प्रोसेसिंग उद्योग, एग्री एक्सपोर्ट की योजनाओं का राज्य के हर जिले, प्रखंड व गांवों में क्रियान्वयन कराकर राज्य की पलायन एवं गरीबी की समस्या का निराकरण कराने की बीड़ा उठाया है.

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के तहत राज्य के सभी जिलों में कोल्ड स्टोरेज, सभी प्रखंड में गोदाम का निर्माण, सभी जिलों में पॉली हाउस में हाईटेक मुनाफा, सब्जी एवं फूल की खेती, सभी गांवों में लघु दाल मिल, तेल मिल, राइस मिल, फल-सब्जी, प्राइमरी प्रोसेसिंग यूनिट, पांच एकड़ से अधिक जमीनवाले कृषकों की जमीन में व्यावसायिक खेती विकसित करायी जाएगा. शिविर में केंद्र और राज्य सरकार के पदाधिकारियों के अलावा बैंकों के पदाधिकारी भी योजनाओं की पूरी जानकारी देंगे.

एएसआई की हत्या मामले में लोहरदगा पहुंचे डीआइजी

लोहरदगा। जिला पुलिस जवान अनंत सिंह मुंडा ने सहायक अवर निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना की जांच करने डीआईजी अनूप बिरथरे शुक्रवार को लोहरदगा पहुंचे. इस दौरान डीआईजी घटनास्थल का दौरा किया, जहां उनके साथ लोहरदगा एसपी हारिस बिन जमां और पुलिस के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे. डीआईजी ने घटनास्थल की जांच करते हुए घटना के समय मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों से पूछताछ की है.

फायर एंड सेफ्टी इंस्टीट्यूट का हुआ उद्घाटन

संवाददाता। रांची

बूटी मोड़ के पास शुक्रवार को गिफिसेट फायर एंड सेफ्टी इंस्टीट्यूट एवं वेदीप इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस का उद्घाटन हुआ. मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद विधायक सामरी लाल और झारखंड बीजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने किया. मौके पर विधायक ने कहा कि फायर एंड सेफ्टी इंस्टीट्यूट खुलने से झारखंड के बच्चों को फायर एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी की ट्रेनिंग मिलेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे. कहा कि वेदीप इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस क्षेत्र में आईआईटी और नीट की तैयारी कर रहे बच्चों को इससे लाभ मिलेगा. वहीं फायर एंड सेफ्टी इंस्टीट्यूट के निदेशक राजन पांडेय ने कहा कि इस इंस्टीट्यूट का उद्देश्य बच्चों को ट्रेनिंग देकर उनका जॉब लगाना है. साथ ही उन्होंने कोर्स के दौरान ही 100% जॉब की गारंटी भी दी. वेदीप इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के सेन्टर डायरेक्टर अभिषेक मिश्र ने कहा कि कोचिंग सेंटर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना है. साथ ही उनमें वैज्ञानिक प्रतिभा भरना है, ताकि उनका चयन आईआईटी और नीट में हो सके. कार्यक्रम का संचालन सेंटर डायरेक्टर मनीष मिश्र ने किया. मौके पर सेंटर सदस्य प्रीति सोनी, शील शालिनी, धीरज दुबे, मानी महतो, अजय मिश्र सहित कई लोग मौजूद थे.

नया समीकरण नया आगाज : समिति

रांची। रांची नागरिक समिति के सचिव समाजसेवी और भाजपा कार्यकर्ता संदीप नागपाल ने कहा कि तीसरी बार नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुना जाना नया समीकरण नया आगाज है. अब देशवासियों का सपना और साकार होगा. उन्होंने कहा कि जनहित की योजनाओं ने लोकप्रियता बढ़ाई है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होगा.

हाथियों ने फिर दो घरों को किया ध्वस्त

खूंटी। तोरपा प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. गुरुवार की देर रात गजराजों ने उलिहातू पैतुटोली और कोरको टोली में जमकर उत्पात मचाया और दो घरों को ध्वस्त कर घर में रखे अनाज को चट कर गये.

अरूप चटर्जी ने कहा : मेरी हत्या हुई तो ये होंगे जिम्मेवार

पूर्व एसएसपी व डीएसपी के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता। रांची

धनबाद के पूर्व एसएसपी और वर्तमान में दुमका डीआईजी के पद पर तैनात आईपीएस अधिकारी संजीव कुमार और रांची में डीएसपी के पद पर तैनात अमर पांडेय के खिलाफ ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करवाया गया है. यह एफआईआरएक निजी चैनल न्यूज़ 11 के मालिक अरूप चटर्जी ने दर्ज करवाई है. इसके साथ ही अरूप चटर्जी ने आईपीएस अधिकारी संजीव कुमार, डीएसपी अमर पांडये, इंस्पेक्टर रणधीर सिंह समेत कई लोगों से अपनी जान को खतरा बताते हुए रांची सिविल कोर्ट में इन्फॉर्मेंट्री पिटीशन भी दाखिल की है. जिसमें कहा गया है कि आईपीएस संजीव कुमार और डीएसपी अमर कुमार पांडेय अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी हत्या करवा सकते हैं.

प्राथमिकी के लिए दिए गए अपने आवेदन में अरुप चटर्जी ने बताया है कि खनिज संपदा के अवैध खनन, तस्करी, जनमुद्दों को प्रसारित करता आ रहा हूं. जिसकी वजह से मुझे कोयला माफिया के साथ मिलकर झूठे केस में जेल भी भेजा गया था, इधर कुछ दिनों से ऐसी सूचना मिल रही है कि धनबाद के पूर्व एसएसपी संजीव कुमार और डीएसपी अमर पांडेय अपने कार्यालय में कुछ अधिकारियों के सामने मेरी हत्या करवाने की बात कही है. जिसका प्रमाण भी मौजूद है. इसकी सूचना अरूप चटर्जी ने रांची एसएसपी को भी दी है. एसएसपी को दिए आवेदन में अरूप चटर्जी ने कहा है कि अगर उन्हें या उनके पारिवारिक सदस्यों को किसी तरह का नुकसान होता है, तो इसके लिए संजीव कुमार और उनके संरक्षण प्राप्त पुलिस पदाधिकारी होंगे. ऑनलाइन एफआईआर में आईपीएस संजीव कुमार पर अवैध कोयला कारोबार में लिप्त होने का भी संगीन आरोप लगाया गया है.

प्रोत्साहन अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफल हुए विद्यार्थियों को मिला सम्मान

सफल युवाओं को अडाणी फाउंडेशन ने किया सम्मानित

खास बातें

- इन युवाओं को सम्मान स्वरूप टी-शर्ट आदि दिए गए
- सफल छात्रों में संजय, राजू, भानु, राजदीप व सुशांत शामिल

संवाददाता। हजारीबाग

गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफल सभी पांच छात्रों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया. बड़कागांव स्थित कोचिंग परिसर में इन युवाओं को सम्मान स्वरूप टी-शर्ट, ट्रॉफी और उच्च गुणवत्ता वाले जूते दिए गए. इन जूतों की मदद से इन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण होने में मदद मिलेगी. सेना और राज्य पुलिस की भर्ती की तैयारी कर रहे पांच युवाओं ने अग्निवीर की लिखित परीक्षा में सफलता हासिल की है. पहले बैच से ही पांच अभ्यर्थियों की सफलता से अन्य युवा भी काफी उत्साहित हैं. सफल छात्रों में संजय राज, राजू यादव, भानु प्रताप, राजदीप कुमार और सुशांत शर्मा शामिल हैं. अडाणी फॉउंडेशन ने युवाओं की निःशुल्क पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ शारीरिक प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की है.

इस पहल के तहत अडाणी फॉउंडेशन के विशेषज्ञ शिक्षक और शारीरिक प्रशिक्षक लगातार बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण दे रहे हैं. इस तैयारी में युवाओं को गणित, तर्कबुद्धि, हिंदी और सामान्य ज्ञान पढ़ाया जा रहा है. ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की कक्षाओं में मॉक अभ्यास के लिए टेस्ट लिए जाते हैं. शारीरिक प्रशिक्षण के दौरान इनके पोषण का भी ख्याल रखा जा रहा है.

छात्रों को सम्मानित करते अडाणी फाउंडेशन के अधिकारी.

अग्निवीर की परीक्षा के अलावा फरवरी माह में हुए शॉर्ट सर्विस कमीशन, एसएससी जीडी की कंप्यूटर आधारित परीक्षा में भी 11 छात्र शामिल हुए हैं, जिनका रिजल्ट जल्द ही आने वाला है. इन परीक्षाओं में पूरी तरह से सफल होने के बाद छात्र भारतीय सेना, पैरामिलिट्री, अग्निवीर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस समेत अन्य नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी हिस्सा ले पाएंगे. इस मौके पर उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) पुंडरिक मिश्रा और सीएसआर विभाग के शरद मिश्रा समेत अन्य लोग शामिल थे.

झारखंड के विकास ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

संवाददाता। रांची

दिल्ली में आयोजित अंडर-17 सब जूनियर व अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के ट्रायल में झारखंड के विकास कच्छप ने शानदार प्रदर्शन किया. विकास ने 48 केजी ग्रीको रोमन के फाइनल में हरियाणा के पहलवान अंकित को हराकर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया. एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में अब विकास अंडर-17 सब जूनियर वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. विकास ने सेमीफाइन मुकाबले में महाराष्ट्र के पहलवान को हराकर फाइनल में जगह बनायी थी. बता दें कि एशियन चैंपियनशिप का आयोजन जॉर्डन के अमान में होना है. विकास को इस उपलब्धि पर झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशान कमर, के रवि कुमार, झारखंड के खेल निदेशक सुशांत गौरव, भोलानाथ सिंह, रजनीश कुमार, बिजय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार समेत अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दी.

झारखंड की स्नेहा कुमारी चूकीं : अंडर 17 बालिका वर्ग के फ्री-स्टाइल में झारखंड की स्नेहा एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने से चूक गयी. स्नेहा ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनायी. हालांकि फाइनल में हरियाणा की रितिका के हाथों स्नेना को हार का सामना करना पड़ा, जिसके कारण वह एशियन चैंपियनशिप में क्वालीफाई करने से चूक गयीं.

शेयर बाजार घोटाला!

केंद्र में नयी सरकार के गठन के पहले ही विपक्ष के कड़े तेवर दिख रहे हैं, वहीं भाजपा के गठबंधन के सहयोगियों ने भी अग्निवीर और समान आचार संहिता को लेकर नरेंद्र मोदी पर दबाव बढ़ा दिया है. दस सालों तक पूरी हनक और किसी की परवाह किए बगैर सरकार चलाने के अभ्यस्त नरेंद्र मोदी के लिए यह समय चुनौती पूर्ण साबित होने जा रहा है. केंद्र में उन्हें पहली बार एक सशक्त और तेवरदार विपक्ष का सामना करना होगा, जिसके पास एक नैतिक जीत की आभा है तो दूसरी ओर दस सालों में पहली बार सियासी बैसाखियों पर खड़े नरेंद्र मोदी हैं. भाजपा के हिंदुत्व एजेंडा से असहमत रहने वाले दो सहयोगियों को साधे रखने की चुनौती भी है. दोनों धर्मनिरपेक्षता की वकालत करते हैं और टीडीपी तो मुसलमानों को अलग से आरक्षण देने के वायदे के साथ चुनाव जीता है. मोदी इस मुद्दे के विरोधी हैं. सरकार बनने के पहले ही 30 हजार करोड़ के शेयर बाजार घोटाले का आरोप लगाते हुए विपक्ष के प्रमुख नेता राहुल गांधी ने इसमें नरेंद्र मोदी और अमित शाह को कठघरे में खड़ा कर दिया है. राहुल गांधी ने इसमें भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है. यह बेहद गंभीर आरोप है. राहुल गांधी ने इसकी जांच संयुक्त संसदीय समिति से करवाने की मांग की है. हालांकि भाजपा की ओर से पीयूष गोयल ने तुरत ही प्रतिवाद किया है. राहुल गांधी ने भाजपा की क्रोनोलॉजी को भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए गंभीर सवाल खड़े किए हैं. इतना तो तय है कि संसद का सत्र शुरू होते ही इडिया गठबंधन इस सवाल पर मोदी को घेरेगा और इस बार विपक्ष के पास संख्या बल है. विपक्ष ने मोदी को बहुमत से रोका है, इससे उसकी आक्रमकता और तेज हुई है. इसके साथ ही अग्निवीर की समीक्षा का सवाल तो जदयू ने भी उठा दिया है. जाहिर है 18 वीं लोकसभा अपने चरित्र, विमर्श और तेवर के साथ पिछले दो दशकों से बहुत अलग दिखने वाली है. राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता में कहा, ₹पहली बार हमने यह नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी दी. प्रधानमंत्री ने दो-चार बार कहा कि शेयर बाजार तेजी से बढ़ने जा रहा है. उनके मैसेज को वित्त मंत्री और गृह मंत्री ने भी आगे बढ़ाया. अमित शाह कहते हैं 4 चार जून से पहले शेयर खरीदें. प्रधानमंत्री ने भी यही कहा. 3 जून को शेयर बाजार सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को शेयर बाजार नीचे चला जाता है.₹ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए 'झूठे एक्जिट पोल' के कारण शेयर बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है, जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए. उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एक्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए.

> राहुल गांधी ने भाजपा की क्रोनोलॉजी को भ्रष्टाचार से जोड़ते हुए गंभीर सवाल खड़े किए हैं. इतना तो तय है कि संसद का सत्र शुरू होते ही इडिया गठबंधन इस सवाल पर मोदी को घेरेगा और इस बार विपक्ष के पास संख्या बल है.

सुभाषित

विकृतिं नैव गच्छन्ति संगदोषेण साधवः।
आवेष्टितं महासर्पैश्चनदनं न विषायते ॥

जिस प्रकार चन्द के वृक्ष से विषधर के लिपटे रहने पर भी वह विषैला नहीं होता, उसी प्रकार से संगदोष (कुसंगति) होने पर भी साधुजनों के गुणों में विकृति नहीं आती. वे अपने गुणों को अपने प्रयासों के माध्यम से बचाये रखते हैं, जो गुण समाज और मानवता के हित में काम आते हैं.

बहुत कुछ कहता चुनाव परिणाम

भाजपा की चाल और उसका चेहरा ऐसे चरित्रों को किस प्रकार संजोता-संभालता है, यह वक्त पर छोड़ना उचित रहेगा. दक्षिण में पैठ बढ़ने, उत्तर-पूर्व में छा जाने, एमपी, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली आदि राज्यों में क्लीन स्वीप के बावजूद गुजरात की नाईं सर्वाधिक 'सुरक्षित' किये जा रहे यूपी में पड़ी करारी चोट मोदी मैजिक दशकों तक भूल नहीं पाएगा. यही चोट उसे एकबारगी बैसाखियों तक ले गई और एक बार और मोदी सरकार के बजाय 'अबकी बार वाकई एनडीए सरकार'की हद तक घसीट ले आई.

• देश-काल

श्याम किशोर चौबे

यह सोशल मीडिया का जमाना है और इस जमाने में आम चुनाव 2024 का होना बड़ी बात थी. परिणाम अनोखा रहा. 4 जून की सुबह आठ बजे जब परिणाम की परतें खुलने को हुईं तो सबकी सांसें थमी हुई थीं, क्योंकि पहली जून को अंतिम वोटिंग के बाद मेनस्ट्रीम मीडिया पर जारी एक्जिट पोल ने आतंक मचा रखा था. एक्जिट पोल और चुनाव परिणाम का अंतर दिल के दौरे नहीं डाल सका, बस इतनी ही खैर है. दोनों में जमीन-आसमान का फर्क ज्ञान-विज्ञान की शेखी बघारनेवाले पोलस्टर्स की हकीकत बयान करता है. चुनाव परिणाम के बाद सोशल मीडिया पर एक बात छा गई, 'लोकतंत्र भी बच गया, ईवीएम भी बच गई, विपक्ष भी बच गया, सरकार भी बच गई. सबका साथ, सबका विकास'. वाकई, कई वर्षों बाद अच्छे दिन देखने को मिले. 2009 के चुनाव में भाजपा ने ईवीएम पर दोष मढ़ा था, उसके बाद भाजपा विरोधी दल यही करते रहे थे. इस चुनाव ने नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का रास्ता दिया. साल भर पहले बने इंडिया ब्लॉक को संतोष की सांस दी, खासकर कांग्रेस की रीढ़ की हड्डियों में ताकत भर दी. अलबत्ता, चुनाव आयोग पर यत्किंचित ऊंगलियां जरूर उठीं. इसके पहले के दो चुनावों में अपार बहुमत पानेवाली भाजपा इस हद तक सिकुड़ गई कि उसे दोनों बगलों में जदयू और टीडीपी जैसी बैसाखियों का इस्तेमाल करना पड़ा. ये दोनों बैसाखियां ग्लिसरीन लगी हुई हैं. यही इनका चरित्र रहा है. भाजपा की चाल और उसका चेहरा ऐसे चरित्रों को किस प्रकार संजोता-संभालता है, यह वक्त पर छोड़ना उचित रहेगा. दक्षिण में पैठ बढ़ने, उत्तर-पूर्व में छा जाने, एमपी, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली आदि राज्यों में क्लीन स्वीप के बावजूद गुजरात की नाईं सर्वाधिक 'सुरक्षित' किये जा रहे यूपी में पड़ी करारी चोट मोदी मैजिक दशकों तक भूल नहीं पाएगा. यही चोट उसे एकबारगी बैसाखियों तक ले गई और एक बार और मोदी सरकार के बजाय 'अबकी बार वाकई एनडीए सरकार'की हद तक घसीट ले आई. भाजपा कहां 370 पार के नशे में चूर थी, कहां 240 पर सिकुड़-सिमट गई. 15 साल गुजरात के और 10 साल अखिल भारतवर्ष के मोदी के लिए ऐसे गुजरे मानो उनकी सांसों से चिराग जलता हो, जबकि चार जून की दोपहर आते-आते वक्त ने ऐसी मार दी कि वे नीतीश बाबू और नायडू बाबू की माला जपने को विवश हो गये. ठीक ऐसे ही पहली जून की शाम खरगे एंड कंपनी 295 पार की खुशफहमी पाल चुकी थी, लेकिन वह 234 पर आकर अटक गई. अबकी बार भारत इसी विशिष्टता के साथ उभरा : हार कर भी कोई जीत गया, जीत कर भी कोई हार गया, मतदाताओं ने बुद्ध के मध्यम मार्ग का संदेश दिया. अमल चाहे कोई जैसे करे. जनता की नब्ज पहचानने का गुरूर पालनेवाले अर्श से गिरे तो फर्श पर पता चला, सचमुच वे ख्वाब में खेल रहे थे.

यह चुनाव भाजपा को अरूणाचल, सिक्किम, आंध्र और ओड़िशा पर खुद या दोस्तों संग राज करने का मौका दे गया. ओड़िशा का परिणाम बेशक विस्मयकारी रहा. देश में जो हाल मोदी का था, ओड़िशा में वैसे ही 24 साल से नवीन पटनायक एकछत्र राज कर रहे थे, लेकिन शिथिल स्वास्थ्य और सेकेंड लाइन की कमी ने वक्त की मार सहने को मजबूर कर दिया. मारना होता है तो वक्त ऐसे ही मारता है. इन चार राज्यों के विपरीत झारखंड विधानसभा का चुनाव पांच महीने बाद होगा. इस छोटे किंतु निराले राज्य की कहानी कुछ और है. पांच साल पहले चुनाव का ऐसा ही वाक्या पेश आया था तो झारखंड की 14 संसदीय में से 11+1 सीटें जीतकर भाजपा/एनडीए ने बड़ा सपना पाल लिया था. उस समय भाजपा को 57 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली थी. इसी कारण वह विधानसभा चुनाव में 65 सीटें जीतने का दावा करने लगी थी, लेकिन चुनाव हुआ तो उसके हाथ लगीं महज 25 सीटें. इसलिए इस बार भी भाजपा/एनडीए की जीती हुई 8+1 सीटों के आधार पर और शेष पांच संसदीय सीटों में से कतिपय अन्य विधानसभा क्षेत्रों पर बढ़त को पांच महीने बाद होनेवाले चुनाव से जोड़कर देखना बहुत सही नहीं होगा. इस बार तो वह सभी पांच जनजातीय लोकसभा सीटों पर फेल रही है. बड़ी बात यह कि जनजातीय कार्य और कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा उस खूंटी में बुरी तरह पराजित हो गये, जिसे मुंडा बेल्ट और कृषि प्रधान क्षेत्र के तौर पर जाना जाता है. पिछली बार वे 1,445 वोटों से जीत सके थे, जबकि इस बार उनकी हार 1,49,675 वोटों से हुई. झारखंड विधानसभा चुनाव में 28 में से महज दो जनजातीय सीटें जीतने के बाद 2020 से भाजपा विभिन्न तरीकों से लगातार आदिवासी कार्ड खेलती रही, लेकिन इस चुनाव में वह राज्य की सभी पांच जनजातीय सीटें गंवा बैठी. उसने सिंहभूम से कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा और दुमका से शिबू सोरेन की बहू विधायक सीता सोरेन को ऐन वक्त पर तोड़कर दांव लगाया, लेकिन दोनों हार गईं. लोहरदगा और राजमहल सीट पर झामुमो के विधायक चमरा लिंडा और लोबिन हेम्ब्रम वोटकटवा बनकर रह गये. अलबत्ता, चमरा के कारण कांग्रेस के सुखदेव भगत का रास्ता बहुत हद तक साफ हुआ. इनसे बेहतर प्रदर्शन तो जयराम महतो के नेतृत्ववाले नये नवेले संगठन जेबीकेएसएस के प्रत्याशियों ने गिरिडीह, धनबाद, रांची, हजारीबाग आदि सीटों पर किया. माना जा सकता है कि कम-अज-कम गिरिडीह और रांची में इंडिया ब्लॉक को हराने में उन्होंने भूमिका अदा की. विधानसभा चुनाव में यह संगठन कुड़मी बेल्ट में चुनौती बन सकता है. लोकसभा में जो हुआ सो हुआ, अब विधानसभा चुनाव पर मगजमारी की बारी है.

• बोधि-वृक्ष | अनुराग शर्मा

रोटी का रहस्य

एक धनी परिवार की कन्या तारा का विवाह, एक सुयोग्य परिवार में होता है. लड़का पढ़ा लिखा और अति सुन्दर लेकिन बेरोजगार था. परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी थी, जिसके कारण उसके माता-पिता उसे किसी भी कार्य करने के लिए नहीं कहते थे और कहते थे कि बेटा जिगर, तू हमारी इकलौती संतान है, तेरे लिए तो हमने खूब सारा धन दौलत जोड़ दिया है और हम कमा रहे हैं. तू तो बस मजे ले. इस बात को सुनकर तारा बेहद चिंतित रहती, मगर किसी से अपनी मन की व्यथा कह नहीं पाती. एक दिन एक महात्मा जो छः माह में फेरी लगाते थे. उस घर पर पहुंच गये और बोले. माई एक रोटी की आस है. तारा रोटी ले कर महात्मा फ़क़ीर को देने चल पड़ी. सास भी दरवाजे पर ही खड़ी थी. महात्मा ने लड़की से कहा- बेटी, रोटी ताजा है या वासी? तारा ने जवाब दिया कि महाराज रोटी बासी है. सास वहीं खडी सुन रही थी और उसने कहा हरामखोर, तुझे ताजी रोटी भी बासी दिखाई पड़ रही है. महात्मा चुप चाप घर से मुख मोड़ कर चल पड़ा और तारा से बोला कि बेटी मैं उस दिन वापस आऊंगा, जब रोटी ताजा होगी. समय व्यतीत होता गया और तारा के पति को कुछ समय बाद रोजगार मिल गया. अब तारा बहुत खुश रहने लगी. कुछ दिन बाद महात्मा जी वापस फेरी लगाने आये और तारा की ससुराल जाकर रोटी मांगने लगे. महात्मा के लिए तारा रोटी लाती है. महात्मा जी का फिर वही सवाल था, बेटी, रोटी ताजा है या बासी? तारा ने जवाब दिया- महात्मा जी, रोटी एक दम ताजी है. महात्मा ने रोटी ले ली और लड़की को खुशी से बहुत आशीर्वाद दिया. सास दरवाजे पर खडी सुन रही थी और बोली-हरामखोर, उस दिन तो रोटी बासी थी और आज ताजा वाह! बहुत बढ़िया! संत रुके और बोले अरी पगली ! तू क्या जाने, तू तो अज्ञानी है, तेरी बहू वास्तव में बहुत होशियार है. जब मैं पहले आया था तो इसने रोटी को बासी बताया था, क्योंकि यह तुम्हारे जोड़े और कमाये धन से गुजारा कर रहे थे जो इनके लिए बासी था. मगर अब तेरा बेटा रोजगार पर लग गया है और अपनी कमाई का ताजा धन लाता है, इसलिए तेरी बहू ने पहले बासी और अब ताजी रोटी बताई. मां-बाप का जुड़ा धन किसी ओखे- झोके के लिए होता है, जो बासी होता है, काम तो अपने द्वारा कमाये ताजा धन से ही चलता है. सास महात्मा के पैरों में गिर पड़ी और उसको ताजा-बासी का ज्ञान व अपनी बहू पर गर्व हुआ. इसलिए मानव को हमेशा जुडे धन पर आश्रित नहीं रहना चाहिए वल्कि सदैव ताजे धन की ओर ललायित रहना चाहिए.

यह न किसी की हार है और न किसी की जीत

• सियासत

नित्य चक्रवर्ती

2024 के लोकसभा चुनावों में लोकतंत्र सबसे बड़ा विजेता है, क्योंकि 4 जून को घोषित परिणाम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के राजनीतिक विचारों में विविधता को रेखांकित करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के एकमात्र चेहरे जिनके नाम पर चुनाव लड़ा गया, को इस साल 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में हुए 18वें लोकसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले 64.2 करोड़ मतदाताओं से सबसे बड़ी हार मिली है. प्रधानमंत्री ने पिछले दो महीनों में एनडीए के लिए अपनी पार्टी के नारे 'अबकी बार 400 पार के समर्थन में लगातार प्रचार किया, जिसमें से भाजपा का लक्ष्य 370 था. पूरे देश में यह प्रचार किया गया कि भाजपा 4 जून के नतीजों के जरिये इसे हासिल कर लेगी. अंतिम स्थिति यह है -एनडीए को 292 तथा भाजपा को 240 सीटें मिली हैं, जो 2019 के लोकसभा स्तर से 63 सीटें कम हैं. यह 2014 की 282 सीटों से भी 42 सीटें कम हैं. इसके मुकाबले इंडिया ब्लॉक 233 सीटों के साथ एनडीए से केवल 59 सीटें पीछे है. प्रधानमंत्री ने देश को सांप्रदायिक आधार पर ध्रुवीकृत करने की कोशिश की थी. उन्होंने केंद्र और राज्यों में एक ही पार्टी को रखने के नारे के साथ कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों पर भी तीखे हमले किये. चुनाव परिणामों में क्षेत्रीय दलों के पुनरुत्थान ने इस बात की गारंटी दी है कि संघवाद को खत्म करके सभी शक्तियों को केंद्रीकृत करने का भाजपा का उद्देश्य सफल नहीं होगा. अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बड़ा उलटफेर किया है और खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस-सपा गठबंधन कामयाब रहा है. आने वाले दिनों में इसे और आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि राज्य में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. एक और बात यह है कि राहुल गांधी एक मजबूत नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्हें लोगों से अधिक स्वीकार्यता मिल रही है. राहुल ने कांग्रेस के अभियान की कमान बहुत अच्छे से संभाली है. वे हिंदुत्व, बेरोजगारी, महंगाई समेत मुख्य मुद्दों पर प्रधानमंत्री और भाजपा पर लगातार हमला करते रहे हैं. दरअसल, राहुल ने एक ऐसे नेता की परिपक्वता दिखाई है, जो गठबंधन सहयोगियों से निपट सकता है. कांग्रेस ने 2024 के चुनावों में अपनी लोकसभा सीटों को लगभग दोगुना कर लिया है, लेकिन 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजों से मिले सबक के आधार पर आगे की कार्रवाई आने वाले दिनों में पार्टी को अच्छा लाभ दे सकती है. खामियां जगजाहिर हैं, कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उनका ध्यान रखा जा सकता है. देश की 139 साल पुरानी पार्टी कांग्रेस खुद को इंडिया ब्लॉक के प्रभावी संचालक के रूप में काम करने के लिए तैयार कर सकती है. इंडिया ब्लॉक ने कई राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया है. यह घटक दलों के जमीनी कार्यकर्ताओं की समन्वित कार्रवाई से संभव हुआ है. इसके जरिए कई युवा नेता उभरकर सामने आये हैं. राहुल गांधी के अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, आदित्य ठाकरे, उदयनिधि स्टालिन, कल्पना सोरेन और अभिषेक बनर्जी ऐसे युवा नेता हैं, जिनके आने वाले दिनों में इंडिया ब्लॉक की अगुआई करने की उम्मीद है. उद्धव ठाकरे और एमके स्टालिन दोनों ने दिखाया है कि कैसे संयुक्त नेतृत्व भाजपा और एनडीए को बड़ा झटका दे सकता है. आने वाले दिनों में अशांत राजनीतिक स्थिति से निपटने के लिए इंडिया ब्लॉक को सभी स्तरों पर मजबूत करना होगा. एक और सबक दक्षिणी राज्यों में बदलते राजनीतिक मूड का है. आंध्र प्रदेश में ऐसा लगता है कि टीडीपी-भाजपा गठबंधन जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी सरकार की जगह लेगा. टीडीपी ने बड़ी वापसी की है. तमिलनाडु और केरल में भाजपा ने अपनी उपस्थिति में मामूली सुधार किया है. कर्नाटक में कांग्रेस ने 2019 के चुनावों की तुलना में अपनी टैली में सुधार किया, लेकिन भाजपा-जेडी (एस) गठबंधन प्रभावी रहा. तेलंगाना में, भाजपा और कांग्रेस दोनों ने क्षेत्रीय पार्टी बीआरएस की कीमत पर लाभ कमाया. फिर से ओडिशा में, क्षेत्रीय बीजेडी को चुनावों में भाजपा ने हरा दिया. यह भाजपा के हाथों एक क्षेत्रीय पार्टी की हार थी, जो अप्रत्याशित नहीं थी. इस तरह, क्षेत्रीय दलों के बारे में भी कोई सीधी रेखा नहीं है. 18वें लोकसभा चुनाव में एनडीए का वोट शेयर 46 प्रतिशत रहा, जो 2019 के आंकड़े से दो प्रतिशत कम है, जबकि 2024 के चुनावों में इंडिया ब्लॉक का वोट शेयर 41प्रतिशत था, जो आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है. भाजपा के वोटों में यह गिरावट अभियान के अंतिम दिनों में नरेंद्र मोदी की स्थिति में कमी से जुड़ी है.

> अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बड़ा उलटफेर किया है और खास बात यह है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस-सपा गठबंधन कामयाब रहा है. आने वाले दिनों में इसे और आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि राज्य में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. एक और बात यह है कि राहुल गांधी एक मजबूत नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्हें लोगों से अधिक स्वीकार्यता मिल रही है.

भारत में गठबंधन सरकार और विश्व समुदाय

• विमर्श

प्रमोद जोशी

लोकसभा चुनावों के परिणामों पर भारतीय-विशेषज्ञों की तरह विदेशियों की निगाहें भी लगी हुई हैं. वे समझना चाहते हैं कि देश में गठबंधन-सरकार बनने से क्या फर्क पड़ेगा. इससे क्या विदेश-नीति पर कोई असर पड़ेगा? क्या देश के आर्थिक-सुधार कार्यक्रमों में रुकावट आएगी? पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर क्या असर पड़ेगा वगैरह. न्यूयॉर्क टाइम्स ने लिखा है, नरेंद्र मोदी के सत्ता के बीते 10 सालों में कई पल हैरत से भरे थे. जो हैरत मंगलवार की सुबह मिली, वह बीते 10 सालों से बिल्कुल था, क्योंकि नरेंद्र मोदी को तीसरा टर्म तो मिल गया, लेकिन उनकी पार्टी बहुमत नहीं ला पाई. इसके साथ ही 2014 के बाद पहली बार नरेंद्र मोदी की वह छवि मिट गई कि 'वे अजेय' हैं. वॉशिंगटन पोस्ट ने लिखा है, भारत के मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी की लीडरशिप पर अप्रत्याशित अस्वीकृति दिखाई है. दशकों के सबसे मज़बूत नेता के रूप में पेश किए जा रहे मोदी की छवि को इस जनादेश ने ध्वस्त कर दिया है. उनकी अजेय छवि भी ख़त्म की है. इस तरह की टिप्पणियों को इन अखबारों से उम्मीद भी थी, क्योंकि पिछले दस साल से ये मोदी सरकार के सबसे बड़े आलोचकों में शामिल रहे हैं, पर महत्वपूर्ण सवाल दूसरे हैं. सवाल यह है कि चुनाव के बाद हुए राजनीतिक-बदलाव का भविष्य पर असर कैसा होगा. सरकार को किसी नई नीति पर चलने या बनाने की जरूरत नहीं है, पर क्या वह आसानी से फैसले कर पाएगी? पश्चिम एशिया और यूक्रेन-संकटों से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच सरकार को राष्ट्रीय-हितों की रक्षा करनी है. कोई बड़ी बात नहीं हुई, तो संभवतः मोदी.03 में भी एस जयशंकर ही देश के विदेशमंत्री बने रहेंगे. उन्होंने वैश्विक-संकट के बेहद महत्वपूर्ण समय में भारतीय विदेश-नीति का संचालन किया है और शायद करते रहें. इस चुनाव पर दुनिया भर के देशों की नज़रें थीं. पहले लगता था कि प्रधानमंत्री मोदी तीसरे कार्यकाल में और बड़े बहुमत के साथ आएंगे, पर समाचार एजेंसी रायटर्स ने रेटिंग एजेंसी 'फिच' की उस चिंता को व्यक्त किया है, जिसके अनुसार बीजेपी के पास प्रत्यक्ष बहुमत नहीं होने के कारण आर्थिक-सुधार के एजेंडा को आघात लग सकता है. इस चुनाव के दौरान नरेंद्र मोदी पर पाकिस्तान से जुड़ी बयानबाज़ी के आरोप लगे थे. ये बातें दोनों तरफ से हुई थीं. फिर चुनाव की बातें और व्यावहारिक-राजनीति एक सतह पर नहीं चलतीं मोदी-सरकार के नए दौर में पाकिस्तान के साथ रिश्तों में सुधार की अच्छी संभावनाएं हैं. इसके पीछे एक बड़ा कारण यह है कि पाकिस्तान की राजनीति में इस समय नवाज़ शरीफ प्रभावशाली हैं. उनके और वहां की सेना के रिश्ते भी इस समय बेहतर हैं. नवाज शरीफ ने हाल में एक बात कही है, जिसपर भारत के विदेश मंत्रालय ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है. चुनाव के शोर में वह बात ज्यादा सुनाई नहीं दी, पर अब उस दिशा में कुछ न कुछ होगा जरूर. शरीफ ने पीएमएल-एन की आम परिषद की बैठक में कहा, पाकिस्तानी सेना ने करगिल में घुसपैठ करके 25 साल पहले 1999 में हुए लाहौर समझौते का उल्लंघन किया था. उन्होंने गत 28 मई को कहा था कि उनके और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बीच 1999 में हुए समझौते का पाकिस्तान ने उल्लंघन किया था. उनका इशारा जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा करगिल पर किए गए हमले की ओर था. लाहौर में ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के बाद, भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और नवाज शरीफ ने 21 फरवरी, 1999 को लाहौर घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए थे. नवाज शरीफ की इस बात पर गत 30 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'आप इस मुद्दे पर हमारी स्थिति से अवगत हैं. इस मामले पर पाकिस्तान में भी एक सकारात्मक और निष्पक्ष दृष्टिकोण उभर रहा है.' भारत और पाकिस्तान के बीच आवागमन आसान कर दिया जाए तो आधे रिश्ते अपने आप सुधर जाएंगे. इसके लिए दोनों देशों की वीज़ा-प्रक्रिया को आसान बनाना होगा. दोनों देशों के लाखों-परिवारों की आपस में रिश्तेदारी है. उन्हें लंबे इंतज़ार के बाद आने-जाने को मिलता है. सरकार की दृष्टि से सबसे अहम हैं भारत और अमेरिका के रिश्ते. अमेरिकी मीडिया में भी इस चुनाव की चर्चा है और उनका भी नज़रिया यही है कि मोदी जीत तो गए हैं, लेकिन अब उन्हें अधिक नरम रुख़ अपनाना होगा. इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति के भी चुनाव में हैं. इसबार के अमेरिकी चुनाव-परिणाम भी वैश्विक-राजनीति पर असर डालेंगे. अमेरिकी नागरिकों में अब भारतवंशियों की संख्या बढ़ती जा रही है.

> इस चुनाव पर दुनिया भर के देशों की नज़रें थीं. पहले लगता था कि प्रधानमंत्री मोदी तीसरे कार्यकाल में और बड़े बहुमत के साथ आएंगे, पर समाचार एजेंसी रायटर्स ने रेटिंग एजेंसी 'फिच' की उस चिंता को व्यक्त किया है, जिसके अनुसार बीजेपी के पास प्रत्यक्ष बहुमत नहीं होने के कारण आर्थिक-सुधार के एजेंडा को आघात लग सकता है.

मीडिया में अन्यत्र

बीजू जनता दल की हार के मायने

ओडिशा में 24 साल और तीन महीने तक सत्ता में रहने के बाद, निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक अंततः बागडोर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार के हाथों में सौंपेंगे. विधानसभा चुनाव में पटनायक के नेतृत्व वाले बीजू जनता दल (बीजद) का प्रदर्शन बुरा नहीं था. उसने 40.22 फीसदी मत हासिल किए, जो भाजपा के मत प्रतिशत 40.07 फीसदी से थोड़ा ज्यादा ही है. लेकिन भाजपा ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों में जीतने में सफल रही. उसे 147 में से 78 सीटें मिलीं, जबकि बीजद के खाते में 51 सीटें आईं. साथ में हुए लोकसभा चुनाव में बीजद का प्रदर्शन इससे थोड़ा खराब रहा – उसका मत प्रतिशत 2.76 अंक गिरकर 37.46 फीसदी रहा, जबकि भाजपा का मत प्रतिशत 5.34 अंकों की बड़ी वृद्धि के साथ 45.41 फीसदी पर पहुंच गया. साफ तौर पर, बीजद के मतदाताओं के एक हिस्से ने विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ दल को वोट दिया, लेकिन लोकसभा के लिए उसने भाजपा को पसंद किया. भाजपा ने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में मजबूत मत प्रतिशत हासिल किया. उसने बीजद को उसके ग्रामीण गढ़ों में पछाड़ा, जबकि अपने उस शहरी मत प्रतिशत में बढ़ोतरी की जो पहले से ही अच्छा-खासा था. वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव (जब बीजद को 44.7 फीसदी मत मिले थे) के मुकाबले बीजद के अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन के लिए नवीन पटनायक के घटते आकर्षण को जिम्मेदार ठहराना होगा. पार्टी ने इस कृषि प्रधान राज्य में लक्षित योजनाओं समेत विभिन्न कल्याणकारी कदमों की बुनियाद पर बड़े जतन से अपनी लोकप्रियता बनायी. पटनायक ने इन योजनाओं का भरपूर श्रेय लिया और बीते सालों में प्रत्येक जीत के साथ उनका समर्थन आधार गहरा होता गया. भाजपा ने पटनायक की कथित खराब सेहत पर जोर दिया तथा उनके राजनीतिक शिष्य, पूर्व नौकरशाह वीके पांडियन और उनके तमिल मूल पर हमला किया. इस प्रचार के मानसिक संकीर्णता का परिचायक होने के बावजूद, भाजपा ने बीजद के जनाधार में शक के बीज बोने के लिए पटनायक की विरासत के सवाल का कुशलतापूर्वक इस्तेमाल किया. बीते सालों में बीजद से भाजपा में बड़ी संख्या में दल-बदल ने भी भाजपा को मौका लपकने में मदद की. चुनाव से पहले, दोनों दलों ने एक गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने पर बातचीत की, लेकिन बाद में भाजपा ने बातचीत तोड़ दी, जो बताता है कि भाजपा को यह आभास था कि बीजद से लड़ने में ज्यादा कामयाबी की उम्मीद है. भाजपा-नीत सरकार के ज्यादातर कदमों (जिनमें विवादित कदम भी शामिल हैं) का समर्थन करने, और एनडीए का हिस्सा नहीं होने के बावजूद एक दोस्ताना दल की भूमिका अदा करने की बीजद की नीति उल्टी पड़ गयी, ठीक वैसे ही जैसे आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी के साथ हुआ. (द हिंदू)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

दरकार/जरूरत/आवश्यकता

फिराक गोरखपुरी कहते हैं- अक्ल में यूं तो नहीं कोई कमी, इक ज़रा दीवानगी दरकार है. वहीं अपने जमाने के सुपहिट गीतकार राजेंद्र कृष्ण कहते हैं-जरूरत है, जरूरत है, जरूरत है, एक श्रीमती की, कलावती की सेवा करे जो पति की. तो भाई साहब, क्षमा याचना के साथ कहना चाहता हूं कि मुझे न तो दरकार है और न ही जरूरत. आवश्यकता तो बिल्कुल भी नहीं है. आप महसूस कर सकते हैं कि दरकार, जरूरत और आवश्यकता आशय के हिसाब से एक दूसरे से मिलते-जुलते हैं. इनके बीच कितनी समानता है और कितनी भिन्नता, इसी विषय पर विचार करना है. दरकार शब्द फारसी भाषा मूल का विशेषण शब्द है. दरकार का मतलब है किसी काम में लाने के लिए जिसकी अपेक्षा या आवश्यकता हो, अपेक्षित, जो चीज़ चाहिए हो, ज़रूरी, अभिलाषित, चाहत. संज्ञा स्त्रीलिंग के रूप में दरकार का मतलब है आवश्यकता. इसी प्रकार जरूरत अरबी भाषा मूल का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इसका मतलब है आवश्यकता, चाह, आकांक्षा, सबब, कारण, प्रयोजन, हाजत, तंगी. इसका विशेषण रूप है जरूरी. ज़रूरत पड़ने पर गधे को भी बाप कहने की ज़रूरत हो जाती है. इसका मतलब है आवश्यकता आविष्कार की जननी है और यही जरूरत की उपयोगिता है. आवश्यकता और जरूरत दोनों किसी चीज़ की उपयोगिता को व्यक्त करते हैं. आवश्यकता से किसी चीज की विषमता, अपर्याप्तता या कमी का बोध होता है. जब किसी चीज की आवश्यकता होती है तो वह उस चीज के अभाव या कभी के कारण जरूरत पैदा करती है. आवश्यकता आवश्यक हो सकती है, लेकिन बाध्यकारी नहीं होती. यदि किसी व्यक्ति के पास खाने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं है तो उसे भोजन की आवश्यकता होगी, लेकिन उसके लिए कुछ भी कर गुजरने की बाध्यता नहीं होती. वहीं जरूरत वह स्थिति है जब किसी चीज़ की आवश्यकता व्यक्ति द्वारा महसूस की जाती है और वह उसे प्राप्त करने की इच्छा रखता है और कोशिश करता है.

भूतपूर्व को भूल, वर्तमान का जयजयकार

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

आप भूतपूर्व के बारे में सोच रहे हैं और मैं वर्तमान के बारे में सोच कर दुखी हो रहा हूं. मैं वर्तमान पदाधिकारी को देखता हूं, जो ताजा-ताजा पद पर बैठा है और उसका फूल मालाओं से गला गद्गद हुआ जा रहा है. जय-जयकार के नारे लग रहे हैं. आगे-पीछे दर्जन-भर लोग चमचों का रूप धरे हुए चल रहे हैं. काम कराने वालों की भीड़ लगी हुई है. नेता एक हाथ से आवेदन पत्र लेता है, 15 सेकंड में उस पर चिंतन कर लेता है और अगले तीन सेकंड में उसे अपने अधीनस्थ कर्मचारी को आगे बढ़ा देता है. इस तरह मिनटों में चुटकियां बजाते हुए दसियों आवेदन निबटा दिए जाते हैं. एक–एक मिनट वर्तमान पदाधिकारी का बहुमूल्य होता है. उसके पास समय कहां है? कानों में केवल जय-जयकार गूंजता है, हर समय सुनहरे सपनों में खोता है. मैं उसका भविष्य देख रहा होता हूं कि जब पांच साल के बाद यह पदाधिकारी अपने पद से हटकर भूतपूर्व हो जाएगा, तब इसके जीवन में कितना बड़ा परिवर्तन आएगा. कभी आपने विवाह समारोह में शादी से पहले और शादी के बाद विवाह स्थल की स्थिति में परिवर्तन पर गौर किया है? शादी के समय जिस विवाह स्थल पर शहनाई गूंजती है, फूलों की खुशबू से वातावरण महकता है, शादी संपन्न हो जाने के बाद वह स्थान उजड़ा-उजड़ा सा नजर आता है. सोफे और कुर्सियां रिक्शा–ठेलों पर रखकर वापस जा रही होती हैं. शामियाने हटाए जा रहे होते हैं. लाइट सिस्टम बंद हो चुका होता है. सुनहरी चमकदार झालरें अलविदा लेती हुई नजर आती हैं. पूरे प्रांगण में गेंदे और गुलाब के फूल मुरझाए हुए पड़े होते हैं. कुछ ऐसा ही दृश्य भूतपूर्व के बंगलों पर होता है. जहां पहले एक साथ 100-100 लोग लाइन में लगे रहते थे और मिलने की प्रतीक्षा करते थे, अब वहां सन्नाटा छाया रहता है. भूतपूर्व का समय नहीं बीतता. उसकी समझ में नहीं आता कि क्या करे? कई लोग तो जब लंबे समय तक भूतपूर्व हो जाते हैं, तब उनका जीवन बहुत एकाकी हो जाता है. कोई आ कर नहीं फटकता, जिनके वर्तमान होने की संभावनाएं बिल्कुल समाप्त हो जाती हैं, वे तो दया के पात्र बन जाते हैं. वे गहरे अवसाद में भी अक्सर आ जाते हैं, लेकिन फिर भी वर्तमान बने रहने की चाहत समाप्त नहीं होती. कई लोग मंत्री पद से हटने के बाद भी सारी जिंदगी मंत्री जी ही कहलाना पसंद करते हैं. चमचे भी उनको मंत्री जी कहते हैं. किसी का क्या जाता है ? अगर कोई इसी बात से खुश है तो चलो कह दो.

रिलीज से पहले ही कल्कि 2898 ने की बंपर कमाई

27 जून को रिलीज हो रही प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी अभी से कमाऊ साबित हो रही है. फिल्म की यूएस में एडवांस बुकिंग ओपन हो गई है. खबर है कि इसने एक दिन में ही करोड़ों में कमाई कर ली है.

24 घंटे में बिके 4200 टिकट

कल्कि 2898 एडी में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दुलकर सलमान खान जैसे किरदार हैं. प्रभास की फिल्मों का जादू विदेशों में भी सिर चढ़ कर बोलता है. उनकी फिल्म सालार, बाहुबली ने यूएस में शानदार कमाई की थी. अब कल्कि 2898 एडी भी यूएस में कमाल करने के लिए तैयार है. यूएस में फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है. रिपोर्ट्स की माने तो सिर्फ 24 घंटे में फिल्म के 4200 टिकट्स बिक चुके हैं. जिससे फिल्म ने एक दिन में 1.1 करोड़ की कमाई कर ली है. एडवांस बुकिंग के पहले दिन के हिसाब से ये कलेक्शन काफी अच्छा है. अभी तक सिर्फ 116 सिनेमाघरों में बुकिंग ओपन हुई है. जैसे-जैसे रिलीज डेट नजदीक आएगी और सिनेमाघरों में भी बुकिंग ओपन कर दी जाएगी.

बेबी धवन का वीडियो वायरल फैंस ने बरसाए कमेंट्स

वरुण धवन और नताशा दलाल चार जून को एक प्यारी सी बिटिया के पैरेंट्स बने हैं. शुक्रवार को उनकी परी की पहली झलक भी लोगों को मिल गई. एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बेबी धवन की को गोद में लेकर वरुण हॉस्पिटल से घर आए. साथ में नताशा और परिवार के दूसरे सदस्य भी दिखे.

वीडियो के सामने आते ही लोगों के रिएक्शन्स आना शुरु हो गए और लोग कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं. जहां बिटिया पर लोग कमेंट कर रहे हैं, वहीं नए नवेले पापा और मम्मी पर भी कमेंट बरसा रहे. एक यूजर ने लिखा, वरुण पापा बन कर खुश दिख रहे. दूसरे ने उन्हें क्यूट पापा का खिताब दिया. एक ने लिखा, "नताशा देखने में काफी रिलैक्स लग रही हैं." एक अन्य ने लिखा, "अस्पताल से स्टाइल में निकले हैं ये लोग." एक ने लिखा, "बिटिया की पहली झलक." एक ने लिखा, "वरुण धवन के हाथ में बेटी है."

बता दें कि वरुण नताशा एक दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे थे और 2021 में शादी की थी. शादी के तीन साल बाद दोनों माता पिता बने हैं.

संजय लीला भंसाली की पहचान उनकी भव्यता से हैं. लेकिन ज्यादातर लोग वेबसीरीज मोबाइल पर देखते हैं और मोबाइल का छः इंच का स्क्रीन इस भव्यता को समेट नहीं पाया. शुरुआती कुछ एपिसोड में तो आम सास-बहू सीरियल सा अहसास होता है. तवायफों के त्याग व देशप्रेम को दिखाने के उद्देश्य से बनी यह वेबसीरीज उनकी अदा और सौन्दर्य में उलझती सी दिखती है. लाहौर तक पहुंचकर कहानी तलाशने की जगह अपने देश में ही स्वतंत्रता आन्दोलन के पृष्ठ टटोलते तो शायद वास्तविकता के अधिक निकट कुछ परोसना संभव हो पाता.

भव्यता ने घटायी हीरामंडी की चमक

हस्ताक्षर

विनोद अनुपम
वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

उम्मीद करते हैं कभी संजय लीली भंसाली 1857 में बाबू कुंअर सिंह की सहयोगी रही धरमन बाई से भी परिचित हो सकेंगे, जो अपने तोप चलाने के कौशल के लिए जानी जाती थी. या फिर बनारस की विद्याधारी बाई, जिनसे महात्मा गांधी ने भी मुलाकात की थी, या फिर गौहर जान, दुलारी बाई, सुंदर वेश्या के बारे में जान सकेंगे, जिनके उल्लेख के बगैर स्वाधीनता संग्राम का इतिहास पूरा ही नहीं हो सकता.

संजय लीला भंसाली अपनी भव्यता के लिए जाने जाते हैं. 'हम दिल दे चुके सनम' से लेकर 'देवदास' और फिर 'गुजारिश' तक उन्होंने अपनी एक अलग सिनेमाई भाषा तैयार की है, जिसमें भव्यता प्रथम हो जाती है, देवदास जैसे दुखांत संवेदनशील कथा का वह भव्य रुपांतरण भंसाली से ही संभव था.

भव्यता कैसे समेटे छः इंच का मोबाइल स्क्रीन जाहिर है ओटीटी जैसे माध्यम के लिए भी भंसाली उसी भव्यता के साथ आए. और कहीं न कहीं यहीं वे चूकते भी नजर आए. सेवेंटी एम एम परिकल्पित करने को अभ्यस्त उनकी आंखें ओटीटी का सहज सा यह व्याकरण नहीं समझ पायीं कि यह आमतौर पर छः इंच के मोबाइल स्क्रीन पर देखा जाता है. यह सही है कि अब स्मार्ट टीवी और लैपटाप इत्यादि की भी सुविधा है, लेकिन अपवाद से व्याकरण थोड ही बदले जा सकते है.

संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' की सबसे बडी सीमा इसका फार्मेट ही है, जिसमें भंसाली की सारी भव्यता खो सी जाती है. नीम अंधेरे में फिल्मायी गयी यह सीरिज आपको मनचाहा देखने की सुविधा ही नहीं देती, आप सेट्स की कलात्मकता देखना चाहते हैं, नहीं देख सकते. आप नायिकाओं के चेहरे के भाव देखना चाहते, नहीं देख सकते. आप रंग और इमोशन का तालमेल देखना चाहते, नहीं देख सकते. कहते हैं नेटफ्लिक्स ही नहीं देश में ओटीटी के लिए बनी सबसे मंहगी 200 करोड में यह सीरिज बनाई गई है, भंसाली इसके लिए बनाए सेट को अपने लिए बनाया सबसे बड़ा सेट मनाते हैं.

सास-बहू सीरियल और हीरामंडी

'हीरामंडी' में लाहौर के तवायफों के स्वाधीनता संग्राम में योगदान की भी कथा है. इसकी कहानी मोईन बेग ने लिखी है. वास्तव में स्वाधीनता संग्राम के बहाने भंसाली शायद यह दिखाना चाहते हैं कि तवायफें भी हमसे अलग नहीं, उनमें भी एक आम इंसान जैसी ही प्रेम, ईर्ष्या, स्नेह, दोस्ती, त्याग और सबसे बढकर देश भक्ति जैसी भावनाएं संवेदनाएं हो सकती हैं. मुश्किल यह होती है कि भव्यता दिखाने के दवाब में भंसाली का जोर उनके तवायफ पक्ष पर अधिक रहता, त्याग पर कम. शुरुआती कई एपिसोडों में तो उनके आपसी वर्चस्व की लडाई ही चलती रहती. एक दूसरे के साथ रहते हुए एक दूसरे के खिलाफ षडयंत्र करती सजी संवरी तवायफें किसी टेलीविजन धारावाहिक से अलग नहीं हो पाती, जहां पुरुषों की भूमिका बस पीछे खडे रहने की रहती.

धरमन बाई, विद्याधारी बाई की कहानी

बॉलीवुड के लिए मुश्किल यह भी रहती है कि उसे लाहौर करीब दिखता है, बिहार दूर, इतनी दूर कि वहां तक उनकी नजर पहुंच ही नहीं पाती. यदि पहुंच पाती तो स्वाधीनता संग्राम में तवायफों के योगदान की कहानियां ढूंढने वे लाहौर कतई नहीं जाते, बनारस आते, आरा आते, दिल्ली आते. उम्मीद करते हैं कभी उन्हें अपने आसपास भी देखने की सलाहियत मिलेगी और वे 1857 में बाबू कुंअर सिंह की सहयोगी रही धरमन बाई से भी परिचित हो सकेंगे, जो अपने तोप चलाने के कौशल के लिए जानी जाती थी. या फिर बनारस की विद्याधारी बाई, जिनसे महात्मा गांधी ने भी मुलाकात की थी, या फिर गौहर जान, दुलारी बाई, सुंदर वेश्या के बारे में जान सकेंगे, जिनके उल्लेख के बगैर स्वाधीनता संग्राम का इतिहास पूरा ही नहीं हो सकता. उम्मीद करते हैं इन पर कोई सीरिज बनेगी तो थोडी अधिक ईमानदार बनेगी, जिसमें हम उनके गीत, नृत्य और खूबसूरती से अधिक उनके त्याग और देश प्रेम से रु ब रु हो सकेंगे.

भंसाली स्वीकार भी करते हैं, कोई चीज ओटीटी पर दिखाई जानी है, इसके चलते मैंने अलग ढंग से सोचने की कोशिश नहीं की. जब माध्यम अलग है तो सोचना तो चाहिए था.

रिलीज के कुछ घंटे बाद ही फोकट में मिला 'गुल्लक सीजन फोर'

साल की मोस्ट अवेटेड सीरीज 'गुल्लक सीजन फोर' सोनी लिव पर शुक्रवार को रिलीज हुई. हालांकि रिलीज के कुछ ही घंटे बाद मेकर्स को बड़ा झटका लगा है. दरअसल ये सीरीज ऑनलाइन लीक हो गई है. बता दें कि वीएफ की सीरीज गुल्लक के तीन सीजन बेहद पसंद किए गए थे. वहीं फैंस इस सीरीज के चौथे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे.

- **अब मुफ्त में**

इस फैमिली ड्रामा शो को सोनी लिव पर 299 रुपये महीने के सब्स्क्रिप्शन प्लान लेकर देखा जा सकता है. यह गुल्लक के तीन सीजन की लोकप्रियता ही थी कि लोग इस प्लान को खरीदने के लिए एक्साइटेड थे. इस बीच सीरीज का ऑनलाइन लीक होने का झटका मिला. पायरेसी का शिकार हुई गुल्लक सीज़न फोर अब एचडी क्वालिटी में मुफ्त में स्ट्रीमिंग और डाउनलोडिंग के लिए कई ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर अवेलेबल है.

- **इनकी अदाकारी**

'गुल्लक सीज़न 4' में सभी पुराने कलाकारों के अलावा डॉ. प्रीति के रूप में एक नई कलाकार हेली शाह शामिल हुई हैं. शो में एक बार फिर जमील खान को संतोष मिश्रा के रूप में, गीतांजलि कुलकर्णी को शांति मिश्रा के रूप में, वैभव राज गुप्ता को आनंद मिश्रा (अन्नू) के रूप में, और हर्ष मयार को अमन मिश्रा के रूप में धमाल मचाते देख सकते हैं.

'खतरों के खिलाड़ी 14' में आसिम की वापसी!

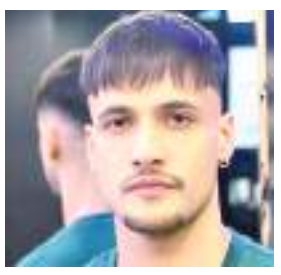

खतरों के खिलाड़ी 14 से बाहर होने के बाद आसिम रियाज लगातार चर्चा में बने हुए हैं. हालांकि अब ऐसा कहा जा रहा है कि आसिम ने रोहित शेट्टी से माफी मांग ली है और अब शो में लौट आए हैं. गौरतलब है कि एक स्टंट करने से इनकार करने के बाद आसिम की रोहित शेट्टी के साथ तीखी बहस हो गई थी. इसलिए रोहित शेट्टी ने उन्हें शो से निकाल दिया था.

थप्पड़ मामले में बॉलीवुड की खामोशी पर उतरा कंगना का गुस्सा

सांसद बनी कंगना के साथ एयरपोर्ट पर जो हादसा हुआ, उस पर बॉलीवुड की चुप्पी उनका गुस्सा बढ़ा रही है. उन्होंने बॉलीवुड की जम कर लताड़ लगाई.

कंगना रनौत ने बॉलीवुड पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि प्रिय फिल्म इंडस्ट्री वालों या तो आप सेलिब्रेट कर रहे होगे या फिर चुप रहोगे. एयरपोर्ट पर हुए हादसे पर आप पूरी तरह चुप्पी साधे रहे. लेकिन याद रखना कि आगे सड़क पर या किसी भी दुनिया में घूम रहे हो. तब इजराइली या फिलिस्तानी सिर्फ इस वजह से आप पर और आपके बच्चों पर हमला करने की कोशिश करें क्योंकि आप इजराइली के बंधक बनाए गए लोगों के सपोर्ट में खड़े थे. तब देखना मैं तुम्हारे हक के लिए लड़ती दिखूंगी. कभी इस बात पर हैरानी हो कि मैं जहां हूं वहां क्यों हूं तो याद रखना तुम में से कोई भी मेरे जैसा नहीं. हालांकि बाद में कंगना ने अब यह पोस्ट डिलीट कर दिया.

आज शिल्पा शेट्टी का 49 वां जन्मदिन है. शिल्पा का जन्म 8 जून 1975 को हुआ था. एक दौर था जब शिल्पा शेट्टी सिनेमा की दुनिया की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार थीं. वक्त के दरिया में जब करियर डूबने लगता है तो उससे कैसे उबरते हैं और अपना वजूद कैसे बनाए रखते हैं, यह शिल्पा से सीखा जा सकता है. आइए आज शिल्पा के जिंदगी के कुछ दिलचस्प पहलुओं से वाकिफ हों-

ड्राइविंग से डरती है चटोरी शिल्पा

- **विज्ञापन से की एंट्री**

शिल्पा शेट्टी ने 10वीं पास करने के बाद ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था. इसके बाद उन्हें सबसे पहले लिमका कोल्डड्रिंक के विज्ञापन में देखा गया था. इसी ऐड के जरिए शिल्पा शेट्टी ने मनोरंजन की दुनिया में एंट्री ली थी.

- **कार चलाने से लगता है डर**

बॉलीवुड की इस बेहतरीन अदाकारा को ड्राईविंग करने से बहुत डर लगता है. वो कभी भी खुद कार नहीं चलाती हैं. इसी डर की वजह से वो हमेशा अपने साथ ड्राईवर रखती हैं.

- **चटोरी हैं शिल्पा**

शिल्पा शेट्टी खाने पीने की भी बहुत शौकीन हैं. शिल्पा को कॉर्न पुलाव, पानीपुरी, उपमा, करी रोटी, चिकन बिरयानी और साउथ इंडियन फूड बहुत पसंद है. इसके साथ शिल्पा कुकिंग का शौक भी रखती हैं.

- **रेस्त्रां चेन की मालकिन**

शिल्पा शेट्टी का मुंबई रेस्टोरेंट का चेन है जिसका नाम बास्टियन है. बास्टियन का बंगलुरु में भी ब्रांच रेस्त्रां ओपन हुआ है. शिल्पा शेट्टी का ये रेस्त्रां बेहद आलीशान है. यह सेंट मार्क रोड पर 60 साल से अधिक पुराना बंगले में बनाया गया है जो 22,000 वर्ग फुट जगह में फैला हुआ है.

- **फिटनेस का रखती हैं खास ध्यान**

शिल्पा शेट्टी की हाइट 5 फुट 10 इंच है. उन्हें फिल्मी दुनिया की सबसे लंबी अभिनेत्रियों में गिना जाता है. शिल्पा अपनी पहचान फिटनेस के लिए भी रखती है. इसके लिए जम कर एक्सरसाइज और योगा करती हैं. अक्सर शिल्पा अपने वर्कआउट के वीडियो को भी इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं.

- **प्लास्टिक सर्जरी की सुंदरता!**

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शिल्पा ने अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए प्लास्टिक सर्जरी का भी सहारा लिया था. हालांकि, इस मसले पर उन्होंने कभी अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है.

- **बिग ब्रदर की रह चुकी है विजेता**

शिल्पा शेट्टी एक ऐसी पहली भारतीय महिला महिला है जिसने ब्रिटेन में प्रसारित रियलिटी शो बिग ब्रदर को जीतकर यूके जैसे देश में भी भारत के नाम रोशन की थी. यह दरअसल बिग बॉस की तरह एक घर होता है, जिसमें कुछ लोग रहते हैं और कुछ दिन बिताते हैं. बिग ब्रदर के उस सीजन की विजेता बनकर ग्लोबल सेलिब्रिटी बन गईं थीं.

- **आलीशान आशियाना**

शिल्पा जुहू में अपने पूरे परिवार के साथ एक आलीशान बंगले में रहती है जिसकी कीमत मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीब 30 करोड़ रुपए है. देश के कई शहरों में उनकी संपत्ति है. शिल्पा के पास के लग्जरी कार का विशाल कलेक्शन है. खुद का वैनिटी वैन है. साथ ही उनके पास अपना प्राइवेट जेट भी है जिससे अक्सर वे परिवार के साथ हॉलीडे पर जाती हैं.

- **फिल्म 'बाजीगर' से किया था करियर की शुरुआत**

शिल्पा ने महज 16 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी. एक्ट्रेस ने फिल्म 'बाजीगर' से साल 1993 में अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके अलावा वह 1991 में आए 'लिम्का' के एक एड के लिए भी मॉडलिंग कर चुकी हैं. एक्ट्रेस केवल फिल्मों के लिए ही नहीं बल्कि अपने पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में बनी रहती हैं.

- **इंस्टाग्रास पर रहती हैं एक्टिव**

शिल्पा शेट्टी इंस्टाग्राम पर बहुत ज्यादा एक्टिव रहती हैं. वो अपने फैंस के लिए आए दिन फोटोज शेयर करती रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 26.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं.

विवादों की शिल्पा

शिल्पा का विवाद से पुराना नाता रहा है. राजकुंद्रा से उनकी शादी के समय काफी विवाद हुआ था कि उन्होंने किसी का घर तोड़ कर अपना दांपत्य जीवन शुरू किया है. वर्ष 2021 में उनके पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम पोर्नोग्राफिक फिल्में बनाने और उसे कुछ एप पर स्ट्रीम करने के मामले में गिरफ्तार किया था. इसी साल अप्रैल महीने में प्रवर्तन निदेशालय ने बिटकॉइन पोंजी घोटाले में राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी. आइए शिल्पा के जीवन के अन्य विवादों पर डालें एक नजर...

1. शिल्पा- अक्षय विवाद

एक दौर था जब शिल्पा शेट्टी और अक्षय कुमार बॉलीवुड के सबसे हॉट प्रेमी जोड़ों में से थे और फैंस शिद्दत से उनकी शादी की खबर का इंतजार कर रहे थे. शिल्पा अक्षय से बहुत इमोशनली अटैच्ड थी, पर अक्षय ने उसी दौर में शिल्पा के साथ ट्विंकल खन्ना को भी डेट करना शुरू कर दिया था. वह शिल्पा का सबसे कठिन दौर था. तब शिल्पा ने सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी. जमकर बवाल हुआ था. ये बॉलीवुड के सबसे प्रसिद्ध लव ट्राएंगल्स में से एक है.

2. बिग ब्रदर कॉन्ट्रोवर्सी

बिग ब्रदर शो में शिल्पा वाइल्ड कार्ड एंट्री के तौर पर गई थीं. वहां पर एक कंटेस्टेंट जेड गूडी ने शिल्पा पर नस्लभेद से जुड़ी एक टिप्पणी की थी. इस मामले में शिल्पा ही नहीं, भारतीय दर्शक भी बहुत आहत हुए थे. विवाद के बाद गूडी ने सार्वजनिक माफी भी मांगी गई थी.

3.अश्लील फोटो से जुड़ा विवाद

वर्ष 2006 में शिल्पा शेट्टी और एक्ट्रेस रीमा सेन के खिलाफ नॉन बेलेबल वॉरंट इशू हो गया था. मदुरई कोर्ट में इन दोनों एक्ट्रेसेस के खिलाफ अश्लील तरह से फोटो के लिए पोज करने के लिए केस भी चल रहा था. ये तस्वीरें एक तमिल न्यूजपेपर में पब्लिश की गई थीं. हालांकि बाद में ये मामला ठंडा पड़ गया था.

4. आईपीएल मैच फिक्सिंग स्कैंडल

आईपीएल 2013 के दौरान शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर फिक्सिंग का आरोप लगा था. इस मामले में जयपुर पुलिस भी विवाद के घेरे में आई थी.

5. शिल्पा - रिचर्ड विवाद

यह वर्ष 2007 की बात है. हॉलीवुड के एक बड़े एक्टर रिचर्ड गेरे को एड्स से जुड़े एक फंक्शन में बतौर गेस्ट बुलाया गया था. उस फंक्शन में शिल्पा शेट्टी भी थीं. दोनों स्टेज पर थे. जाने क्या अचानक हुआ कि रिचर्ड गेरे ने शिल्पा का आलिंगन किया और ताबड़तोड़ किस जड़ते गए. रिचर्ड और शिल्पा की तस्वीर तब खूब वायरल हुई और रिचर्ड के साथ शिल्पा पर भी सवाल उठाए गए. इस मौके पर राजस्थान कोर्ट से 26 अप्रैल 2007 को दोनों के खिलाफ वारेंट जारी हुआ. बात सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची. बाद में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने इस शिकायत को खारिज किया.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

स्पोर्ट्स+

ब्रीफ खबरें

घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 सितंबर से

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर की घोषणा कर दी है, जिसमें दलीप ट्रॉफी सबसे पहले 5 सितंबर से अनंतपुर में शुरू होगी. जैसा कि पहले बताया गया था, रणजी ट्रॉफी अब दो चरणों में खेली जाएगी, जिसमें सफेद गेंद की प्रतियोगिताओं के लिए एक विंडो दी गई है. बीसीसीआई की ओर से गुरुवार रात जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, रणजी ट्रॉफी का फाइनल मार्च 2025 में होना तय है. इसके अलावा, बीसीसीआई ने यह भी खुलासा किया है कि वे सीके नायडू ट्रॉफी (अंडर-23 क्रिकेट) में एक नई अंक प्रणाली का परीक्षण करेंगे.

दबाव पाक पर था, दर्शकों का समर्थन भारी पड़ा

डलास। पाकिस्तान पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने कहा कि उनकी टीम ने सुपर ओवर तक चले टी20 विश्व कप के मुकाबले में दबाव महसूस नहीं किया और दर्शकों का समर्थन बाबर आजम की टीम पर भारी पड़ गया. पटेल के अर्धशतक के दम पर अमेरिका ने 2009 की चैम्पियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया. पटेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमें निर्धारित समय में ही जीत लेना चाहिये था और यह मैच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहिए था. हमने जिस संयम के साथ खेला और सुपर ओवर में 18 रन बनाने से हमारा पलड़ा भारी हो गया.

जज्बात पर काबू रखेंगे, फोकस भारत पर : मोनांक

डलास। अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल को यकीन है कि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत से उनकी टीम के लिए कई दरवाजे खुलेंगे, लेकिन वह जज्बात पर काबू रखकर भारत के खिलाफ अगले मुकाबले पर फोकस करना चाहते हैं. सह मेजबान अमेरिका ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया. अब उनका सामना 12 जून को भारत से होगा. पटेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, जीत से में खुश हूं. पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप में पहली बार खेलना और उन्हें हराना अविश्वसनीय है. हमारा फोकस अब भारत के खिलाफ प्रदर्शन पर होगा. उन्होंने कहा, हम जज्बातों के बहाव में बहना नहीं चाहते.

ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए इंग्लैंड के गेंदबाजों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भाषा। ब्रिजटाउन

गत चैंपियन इंग्लैंड को चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को टी20 विश्व कप ग्रुप बी के मैच में अपनी गेंदबाजी में सुधार करना होगा. इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था, लेकिन स्कॉटलैंड ने दस ओवर में बिना किसी नुकसान के 90 रन बना लिये थे. इससे इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमजोरी उजागर हुई. स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुंसे और माइकल जोंस ने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों को आसानी से खेला.

ऐसे में डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खतरनाक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उन पर आसानी से दबाव बना सकते हैं. एक बार फिर जोफ्रा आर्चर पर फोकस होगा, जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ दो ओवर में 12 रन दिये. गेंदबाजों के अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी एक इकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा. जोस बटलर ने आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है. ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने पैट कमिंस के बगैर भी ओमान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया. आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल तक ले जाने वाले कमिंस की जगह नाथन एलिस को उतारा गया था, लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कमिंस को लाया जा सकता है. ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में एकमात्र कमजोर कड़ी ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म है. ओमान के खिलाफ वह पहली गेंद पर आउट हो गए थे. ऑस्ट्रेलिया को इस मैच में उनके फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी.

मैच का समय : रात 10.30 से

टीमें

ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जाम्पा. रिजर्वः जेक फ्रेजर-मैकगर्क, मैट शॉर्ट.

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले, मार्क वुड.

आज के मैच

दक्षिण अफ्रीका का सामना नीदरलैंड से, मैच में क्लीन स्विप की है संभावना

भाषा। न्यूयॉर्क

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में भले ही श्रीलंका को हरा दिया हो, लेकिन शनिवार को ग्रुप डी के दूसरे मैच में उसका सामना नीदरलैंड जैसी टीम से है, जो अप्रत्याशित प्रदर्शन कर सकती है. डच टीम ने ही पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों के विश्व कप में 38 रन से हराया था, जिसके घाव अभी भी गहरे होंगे. एडेन मार्क्रम की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका टीम इस बार उस हार का बदला चुकता करना चाहेगी. श्रीलंका पर पहले मैच में मिली जीत में एनरिच नॉर्किया के फॉर्म ने उसके हौसले बढ़ा दिये हैं. आईपीएल में लय में नहीं दिखे नॉर्किया ने न्यूयॉर्क की पिच पर लय हासिल करके श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट लिये. कैगिसो रबाडा और नॉर्किया के रूप में दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाजों की बेहतरीन जोड़ी है, जिनसे नीदरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी. डच टीम ने पहले मैच में नेपाल को छह विकेट से हराया था. नीदरलैंड के लिए मैक्स ओ डाउड ने अर्धशतक जमाया जबकि तेज गेंदबाज टिम प्रिंगल और लोगान वान बीक ने तीन-तीन विकेट लिये.

मैच का समय : रात आठ बजे से

टीमें

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

नीदरलैंडः स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओ'डॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइब्रांड एंजेलब्रेच, तेजा निदामनुरु, टिम प्रिंगल, विक्रम सिंह, विव किंगमा, वेस्ले बैरेसी.

टी20 विश्व कप : ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया

स्कॉटलैंड ने नामीबिया को हराया

एजेंसी। ब्रिजटाउन

स्कॉटलैंड ने टी-20 विश्व कप में नामीबिया को पांच विकेट से हराकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया. नामीबिया ने नौ विकेट पर 155 रन बनाये और स्कॉटलैंड ने नौ गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया. कप्तान रिची बेरिंगटन ने 35 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये और पांचवें विकेट के लिए माइकल लीस्क) 17 गेंद में 35 रन) के साथ 74 रन की साझेदारी की. स्कॉटलैंड की चार टी20 मैचों में नामीबिया पर यह पहली जीत है. स्कॉटलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण रद्द हुए मैच से एक अंक मिला था. अब वह तीन अंक लेकर शीर्ष पर है. आस्ट्रेलिया और नामीबिया के दो अंक हैं. नामीबिया ने ओमान को पहले मैच में सुपर ओवर में हराया था. आस्ट्रेलिया का सामना शनिवार को इंग्लैंड से होगा. कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने 30 गेंद में 52 रन बनाये और पांचवें विकेट के लिये जेन ग्रीन (28) के साथ 51 रन जोड़े.

सबसे बड़ा उलटफेर : पूर्व चैंपियन पाकिस्तान सुपर ओवर में हारा

नयी अमेरिकी टीम ने पाकिस्तान को हराया

भाषा। डलास (अमेरिका)

क्रिकेट में शुरुआती कदम रखने वाली अमेरिका टीम ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराकर टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया. इससे पाकिस्तान क्रिकेट की दुर्दशा की बानगी भी मिलती है जिसे 2007 वनडे विश्व कप में आयरलैंड ने तीन विकेट से हराकर टूर्नामेंट से उसका बोरिया बिस्तर बांध दिया था. अमेरिका ग्रुप ए में अब शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में कनाडा को सात विकेट से हराया था. अब उसे भारत से खेलना है. पहले गेंदबाजी चुनते हुए अमेरिका के बायें हाथ के स्पिनर नोस्तुष केंजिगे ने 30 रन देकर तीन विकेट लिये. पाकिस्तान की टीम सात विकेट पर 159 रन ही बना सकी. जवाब में अमेरिका ने तीन विकेट पर 159 रन बनाये. कप्तान मोनांक पटेल ने 38 गेंद में 50, आरोन जोंस ने 26 गेंद में 36 और एंड्रिस गौस ने 26 गेंद में 35 रन की पारियां खेली. सुपर ओवर मोहम्मद आमिर ने फेंका जिसमें अमेरिका ने 18 रन बनाये जबकि आठ रन अतिरिक्त के इसमें शामिल थे.

वहीं अमेरिका के सौरभ नेत्रवलकर ने अनुशासित गेंदबाजी करके सिर्फ 13 रन दिये. पाकिस्तान ने सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिये उतरने में काफी समय लिया. अमेरिका के फील्डर इंतजार करते रहे और मैदानी अंपायरों को दखल देना पड़ा. इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी का अमेरिका का फैसला सही साबित हुआ जब मोहम्मद रिजवान दूसरे ही ओवर में नेत्रवलकर की गेंद पर स्टीवन टेलर को कैच दे बैठे. अमेरिका ने पावरप्ले में 44 रन बनाये . पटेल ने शाहीन शाह अफरीदी को चौथे ओवर में लगातार चौके जड़े . नसीम शाह ने पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई जब टेलर ने विकेट के पीछे मोहम्मद रिजवान को कैच थमाया. एंड्रिस गौस ने इसी ओवर में दो चौके लगाये. उन्होंने हारिस रऊफ को एक और चौका जड़ा. पटेल ने कवर में इफ्तिखार अहमद को दो चौके लगाये . वहीं अफरीदी को मिड आफ में चौका और सिर के ऊपर से स्ट्रेट छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया. दोनों के बीच 68 रन की साझेदारी को रऊफ ने तोड़ा और गौस को आउट किया.

आज के मैच

न्यूजीलैंड के सामने सितारों से भरी अफगानिस्तान की चुनौती

भाषा। प्रोविडेंस

न्यूजीलैंड की टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप सी के मैच में शनिवार को आईपीएल सितारों से भरी अफगानिस्तान टीम के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी तो विरोधी को हलके में लेने की गलती करने से बचना होगा. न्यूजीलैंड को कठिन ग्रुप मिला है जिसमें दो बार की चैम्पियन मेजबान वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान जैसी टीमें हैं. बारिश के कारण अभ्यास सत्र रद्द होने से न्यूजीलैंड की तैयारी पर असर पड़ा है. उसे पहले दो मैचों में अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज से खेलना है. अफगानिस्तान की टीम ने यहां पहला मैच जीता है और हालात से अच्छी तरह वाकिफ हो गई है.न्यूजीलैंड की ताकत हालांकि आईसीसी टूर्नामेंटों में हालात के अनुरूप तुरंत ढलना रही है और टीम पिछले कुछ साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है. उसके पास अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा फिन एलेन और रचिन रविंद्र जैसे युवा खिलाड़ी भी है.

टीमें

अफगानिस्तान : राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक। रिजर्व : सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी.

न्यूजीलैंड : केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी. रिजर्व : बेन सियर्स.

मैच का समय : सुबह पांच बजे से.

अमन सेहरावत ने बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज में जीता रजत पदक

भाषा। बुडापेस्ट

भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान अमन सेहरावत ने गुरुवार को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित पोलाक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2024 कुश्ती टूर्नामेंट में रजत पदक जीता. 2023 एशियाई चैंपियन, बुडापेस्ट कुश्ती रैंकिंग सीरीज़ में पुरुषों के 57 किग्रा के फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और रियो 2016 ओलंपिक रजत पदक विजेता जापान के री हिगुची से 11-1 से हार गए. हिगुची पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में भी रजत पदक विजेता थे. सहरावत ने क्वार्टर फ़ाइनल में जॉर्जिया के रॉबर्टी डिंगशविली पर 11-1 से जीत के साथ शुरुआत की. उन्होंने 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आर्यन त्सुत्रिन को 14-4 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की.सहरावत इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे. महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप से पेरिस 2024 के लिए कुश्ती में भारत का पहला कोटा हासिल किया था. 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगट (50 किग्रा) और अंशु मलिक (57 किग्रा), अगले दो दिनों में बुडापेस्ट रैंकिंग श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करेंगी. चल रहा टूर्नामेंट पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले अंतिम कुश्ती रैंकिंग श्रृंखला है. पहलवान इस मीट में अंक अर्जित करेंगे.

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञानानंद, वैशाली हारे

कार्लसन, टिंगजी ने जीत दर्ज की

एजेंसी। स्टावेंजर

नॉर्वे शतरंज रोमांचक समापन की ओर बढ़ रहा है. प्रतियोगिता में राउंड 9 के सभी क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए, जिसके बाद मैच विजेता का निर्धारण करने के लिए आर्मागेडन टाई-ब्रेकर का सहारा लिया गया. भारत के आर प्रज्ञानानंद को आर्मागेडन में फैबियानो कारुआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिनके पास खिताब जीतने का एक बाहरी मौका है.

प्रज्ञानानंद को जीत के लिए जरूरी अंतिम राउंड में हिकारू नाकामुरा को हराना होगा और उम्मीद करनी होगी कि स्थानीय हीरो मैग्नस कार्लसन कारुआना के खिलाफ़ अपना गेम हार जाएं. पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन ने राउंड 9 में अलीरेजा फिरौजा पर आर्मागेडन जीत के साथ अपनी बढ़त को बढ़ाया. इसका मतलब है कि कार्लसन के लिए अंतिम राउंड में जीत उन्हें टूर्नामेंट जीतने की गारंटी देगी.

बाबर ने स्वीकार किया अमेरिका को हल्के में लेना भारी पड़ गया

डलास। अमेरिका के हाथों टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली अप्रत्याशित हार से स्तब्ध पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार किया कि विरोधी टीम को हलके में लेना उनकी टीम पर भारी पड़ गया. अमेरिका ने टूर्नामेंट का पहला उलटफेर करते हुए पूर्व चैंपियन और पिछले उपविजेता पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया. पाकिस्तान को पिछले टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने हराया था और हाल ही में बाबर आजम की टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में आयरलैंड से हारी है. बाबर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, किसी भी टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ तैयारी जरूरी होती है.

'ग्रुप आफ डेथ' में श्रीलंका का सामना बांग्लादेश से

भाषा। डलास

श्रीलंका और बांग्लादेश टी20 विश्व कप के 'ग्रुप आफ डेथ' के शनिवार को होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके सुपर आठ में प्रवेश का अपना दावा पुख्ता करना चाहेंगे. ग्रुप डी में तीन पूर्णकालिक सदस्यों दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बांग्लादेश के अलावा उलटफेर करने में माहिर नीदरलैंड और नेपाल की टीमें हैं . इसमें जीत और जीत का अंतर आखिर में काफी मायने रखेगा. श्रीलंका को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया था और बल्लेबाज इस बार अपनी गलतियों से सबक लेकर उतरेंगे.पहले मैच में श्रीलंकाई टीम 77 रन पर आउट हो गई थी जबकि गेंदबाजों ने फिर भी अच्छा प्रदर्शन किया.बांग्लादेश की टीम इस साल टी20 क्रिकेट में लय हासिल करने के लिये जूझती नजर आई है.

टीमें

श्रीलंका : वानिंदु हसरंगा (कप्तान), चरिथ असलांका, कुसल मेंडिस, पथुम निसांका, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, धनंजय डी सिल्वा, महेश थीक्षाना, दुनीथ वेल्लालेज, दुशमंथा चमीरा, नुवान तुषारा, मथेशा पथिराना, दिलशान मदुशंका। रिजर्व : असिथा फर्नांडो, विजयकांत व्यासकांथ, भानुका राजपक्षे, जनिथ लियानागे.

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। रिजर्व : अफीफ हुसैन, हसन महमूद.

मैच का समय : सुबह छह बजे से.

जैसमीन पाओलिनी फ्रेंच ओपन फाइनल में, आज होगा मुकाबला

एजेंसी। पेरिस

इटली की जैसमीन पाओलिनी ने मिर्रा आंद्रीवा को 6-3, 6-1 से हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में प्रवेश कर लिया, जो उनके करियर का पहला ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा. इससे पहले किसी भी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे नहीं जा सकी पाओलिनी ने कहा, ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है. यह असंभव जैसा था लेकिन अब सच हो गया है. अब उनका सामना शनिवार को दो बार की गत चैंपियन इगा स्वियातेक से होगा. इटली के यानिक सिनेर अगर कार्लोस अल्काराज को हरा देते हैं तो वह भी पुरुष एकल फाइनल में पहुंच जायेंगे. आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सिनेर चाहें जीते या हारें लेकिन सोमवार को रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच जायेंगे. वहीं स्वियातेक ने कोको गाफ को 6-2, 6-4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई. रोलां गैरो पर उनका जीत का सिलसिला 20 मैचों का हो गया.

संन्यास कुवैत के खिलाफ आखिरी मैच अपने फुर्तीले अंदाज में नजर आए सुनील छेत्री

सुनील छेत्री ने शानदार अंदाज में ली विदाई, दिया आखिरी संदेश

एजेंसी। कोलकाता

गुरुवार रात कुवैत के खिलाफ अपने आखिरी मैच के बाद भारत के सबसे चमकते सितारे भावुक सुनील छेत्री पोस्ट-गेम प्रेस कॉन्फ्रेंस में नज़र नहीं आए. भारतीय कप्तान आखिरी बार एक ऐसे अंदाज़ में विदा लेने में कामयाब रहे, जो सिर्फ़ वही कर सकते थे, जो क्लास से भरा हुआ था. सुनील छेत्री ने मीडिया को एक पत्र के जरिये अपना आखिरी संदेश दिया. मीडिया को दिये अपने पत्र में उन्होंने लिखा, "पिछले 19 सालों में मुझे आपमें से बहुत से लोगों से कई मौकों पर बातचीत करने का मौका मिला है. कई बार ऐसा हुआ जब मुझे अपनी इच्छा से बहुत कम बोलना पड़ा और कई बार ऐसा हुआ जब मैंने आपके सवालों का जवाब लंबे मोनोलॉग के साथ दिया."

छेत्री ने अपने पत्र में लिखा, कुछ जवाब निराशा से भरे थे, कुछ जवाब ऐसे थे जो आपकी झुंझलाहट के लिए बहुत ज़्यादा गैर-प्रतिबद्ध थे और फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस जो जल्दबाजी में खत्म हो गई. लेकिन इन सबके बावजूद, मैं यह मानना चाहता हूं कि मैं हमेशा आपके साथ ईमानदार रहा हूं. और मैंने हमेशा आपसे बातचीत करना चुना, भले ही इसके लिए मुझे उन कारणों से सुर्खियों में आने का जोखिम उठाना पड़ा जो मुझे पसंद नहीं थे.

खास बातें

- संन्यास को लेकर काफी भावुक नजर आए सुनील
- 19 साल तक खेल के मैदान में दिखाए कई जलवे

भारत और कुवैत के बीच गोल रहित ड्रॉ की निराशा के बावजूद, छेत्री को वह विदाई मिली जिसके वे हकदार थे, साल्ट लेक की भीड़ ने तालियाँ बजाईं और उस व्यक्ति को नमन किया जिसने भारतीय फुटबॉल को बदल दिया. उन्होंने स्टेडियम में प्रशंसकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपने साथियों से गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया, जिसके बाद पिच से बाहर निकलने से पहले नंबर 11 के खिलाड़ी की आंखों में आंसू आ गए. उन्होंने कहा, मैं इस पत्र और इस अवसर के माध्यम से आपको धन्यवाद देना चाहता हूं - मेरी कहानी बताने में आपने जो भूमिका निभाई है, उसके लिए धन्यवाद. आपने अपनी गद्य और तस्वीरों के माध्यम से मुझे जो प्यार और प्रशंसा दिखाई है, उसके लिए धन्यवाद. लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, उन समयों के लिए धन्यवाद जब आपने मेरे खेलने के तरीके या खुद को प्रस्तुत करने के तरीके का ईमानदारी से आकलन किया है. कुवैत के खिलाफ मैच 39 वर्षीय खिलाड़ी के शानदार राष्ट्रीय करियर का 151वां और अंतिम मैच था और इसे हमेशा प्यार से याद किया जाएगा. अपने पत्र का समापन करते हुए उन्होंने लिखा, आपके पास घर में सबसे अच्छी सीटें थीं और हमेशा रहेंगी. मुझे बस उम्मीद है कि इन 19 सालों में, मैंने उस अनुभव को थोड़ा और खास बना दिया है. शायद मैं एक या दो गेम के लिए आपके डगआउट में शामिल हो जाऊं. आभार के साथ विदा लेते हुए, सुनील छेत्री.

ब्रीफ खबरें

वैध वीजा न होने पर चीनी नागरिक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर । बिहार पुलिस ने मुजफ्फरपुर जिले में वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज न रखने पर एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है. मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश कुमार ने शुक्रवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा, पुलिस ने मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मी चौक के पास एक चीनी नागरिक (ली जियाकी) को गिरफ्तार किया, क्योंकि उसके पास वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे. उनके खिलाफ विदेशी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

224 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

किशनगंज । फरीद अहमद, जिला के ठाकुरगंज के पौआखाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पवना से दो तस्कर को ब्राउन शुगर के साथ सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने गिरफ्तार कर पौआखाली थाना के हवाले किया है. एसएसबी को गुप्त सूचना मिली थी की एक व्यक्ति नशीला पदार्थ के साथ किशनगंज से पौआखाली जा रहा हैं. तब एसएसबी की टीम ने रंगे हाथों दो युवक को 224 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा साथ ही मोटरसाइकिल भी जब्त किया. अभियुक्त को थाना लाया गया जहां थानाध्यक्ष आने बताया कि दोनों युवक का नाम क्रमश मो जहीर और मो आबिद हुसैन जिला उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल है.

नदी में नहाने गये तीन किशोरों की डूबने से मौत

समस्तीपुर । जिले के कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र में पुनास पंचायत से होकर गुजरने वाली बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गये तीन किशोरों की डूब कर मौत हो गयी. कर्पूरीग्राम के थाना अध्यक्ष संजय सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गुरुवार देर शाम तीनों किशोरों के शवों क़ो नदी से बाहर निकाल लिया गया. देर रात हो जाने के कारण शवों का पोस्टमार्टम शुक्रवार को किया गया है. मृतकों में जगत सिंहपुर गांव के रहने वाले उमेश राम के 12 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार, वाजितपुर के टुनटुन राम के 11 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार तथा पुनास के सर्वेश कुमार राय के 10 वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार शामिल हैं.

नई दिल्ली में मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार एक बैठक के दौरान नवनिर्वाचित पार्टी सांसदों के साथ.

बिहार से एनडीए के सहयोगी दल

नई दिल्ली । एलजेपी (आर) प्रमुख चिराग पासवान एक बैठक के दौरान पार्टी के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ. बैठक में चिराग को एलजेपी (आर) संसदीय दल का नेता चुना गया.

पटना में दिनदहाड़े प्रेमी ने प्रेमिका को मारा चाकू

पटना । पटना में एक युवक ने युवती को चाकू गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है. बताया जा रहा है कि प्रेम प्रसंग में घटना को अंजाम दिया गया है. प्रेमी ने दिनदहाड़े अपनी प्रेमिका को चाकू मार दिया है. बता दें कि पटना में अपराधियों में पुलिस का इकबाल खत्म हो चुका है. बेखौफ अपराधी ने दिनदहाड़े युवती को चाकू गोदकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है. वहीं युवती को पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से पीएमसीएच भेजा गया. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है.

कुटुंबा थाना क्षेत्र के समदा इब्राहिमपुर में हुई थी हत्या

16 लोगों को आजीवन कारावास की सजा, जुर्माना भी लगाया गया

संवाददाता । औरंगाबाद

औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के एडीजे 2 संजय मिश्रा की अदालत ने शुक्रवार को कुटुंबा थाने में दर्ज कांड संख्या 133/2020 के मामले में सुनवाई करते 16 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. जुर्माना नहीं देने पर सभी अभियुक्तों को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. बता दें कि कुटुंबा थाना क्षेत्र के समदा इब्राहिमपुर में हत्या हुई थी. उसी से जुड़े मामले में यह सजा सुनाई गई है. 13 अगस्त 2020 को 65 वर्षीय वृद्ध जगदीश राम की हत्या ओझा गुनी के आरोप में की गई थी. गांव के लोगों ने भीड़ जुटाकर टांगी-गड़ासे से जघन्य हत्या कर दी थी.

13 अगस्त 2020 को कुटुंबा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज हुई थी : इस मामले में एपीपी राजाराम चौधरी ने बताया कि कुटुंबा थाना क्षेत्र के सोनू राम की पत्नी पुष्पा देवी ने 13 अगस्त 2020 को कुटुंबा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर गांव के 16 लोगों पर आरोप लगाया था कि उन लोगों ने उनके ससुर जगदीश राम की हत्या टांगी और गड़ासे से हत्या कर दी है. पुष्पा देवी ने बताया था कि गांव के ही भुवनेश्वर राम के पुत्र जगल राम की 9 अगस्त 2020 को किसी बीमारी से मौत हो गई थी. सभी अभियुक्तों ने उनके ससुर पर ओझा गुनी का आरोप लगाकर 13 अगस्त की दोपहर उस वक्त हत्या कर दी थी जब वे अपने एक रिश्तेदार के घर से लौट कर आए थे.

पुष्पा देवी ने अपनी शिकायत में कहा था कि उनके ससुर जान बचाकर भागे लेकिन सभी ने उन्हें खदेड़कर अमरपुर गांव के पक्की रोड के पास पकड़ लिया और टांगी-गड़ासे से गला काटकर हत्या कर दी थी.

एपीपी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामला अदालत में चला और शुक्रवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए सबों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है. बचाव पक्ष के अधिवक्ता शिवकुमार राम ने बताया कि कांड में आरोपित किए गए सभी अभियुक्त निर्दोष हैं. उन्हें इस मामले में गलत तरीके फंसाया गया है. वे न्याय के लिए उच्च न्यायालय में अपील करेंगे.

मुकदमा वापस नहीं लेने तक आंदोलन जारी रहेगा : वीरेंद्र गुप्ता

बेतिया । इंडिया महागठबंधन और मुखिया महासंघ, पश्चिम चम्पारण के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने शुक्रवार को बेतिया शहर में न्याय मार्च निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सभा किया. सभा के बाद एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी के अनुपस्थित में डीएम राजीव कुमार सिंह को स्मार पत्र दे मुकदमा वापस लेने का बात कही. सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने कहा केंद्र सरकार जिस तरह अपने राजनीतिक विरोधियों को ईडी. सीबीआई, आईबी व अन्य संस्थाओं के द्वारा डरा धमका फर्जी मुकदमों में जबरन जेल भेज रही है वैसे ही यहां भाजपा अपने राजनीतिक विरोधी पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ताओं को प्रशासन को मेल में लेकर मुकदमा द्वारा प्रताड़ित कर रही है. विगत लोकसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशी के खिलाफ इंडिया महागठबंधन के लिए चुनाव प्रचार-प्रसार करने के वजह से चुनाव प्रक्रिया के दौरान ही भाजपा सांसद संजय जयसवाल और नौतन विधायक नारायण प्रसाद द्वारा भाकपा (माले) नेता और मुखिया नवीन कुमार के पंचायत पर जांच बैठवा दिया गया. चुनाव बीतते बैरिया थाने में कांड संख्या-179/24 दर्ज करा दिया गया. मुखिया महासंघ के जिला अध्यक्ष अफसर इमाम ने कहा पूर्व में भी नौतन विधायक द्वारा पटना में प्रधान सचिव, उप मुख्यमंत्री को आवेदन देकर बैरिया पंचायत का जांच कराया जा चुका है.

अब बिहार के सरकारी स्कूलों में नहीं मचेगी हड़कंप

स्कूलों की निगरानी जिले के डीडीसी करेंगे

संवाददाता । पटना

बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर शिक्षा विभाग के जरिए जारी किए जा रहे नए-नए फरमान से सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों में हड़कंप मची हुई है. शिक्षा विभाग के करीब 8 हजार पदाधिकारी और कर्मी राज्य के हर जिले में स्थित सभी सरकारी विद्यालय प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों का नियमित अनुश्रवण कर रहे हैं. इस बीच शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने केके पाठक के इस आदेश को बदल दिया है. दरअसल शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक बीते 3 जून से 30 जून तक अवकाश पर हैं, उनके स्थान पर सीएम नीतीश कुमार के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ को शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ के जारी किए गए नए आदेश के अनुसार अब सरकारी स्कूलों की निगरानी हर जिले के उप विकास आयुक्त (डीडीसी) करेंगे. डीडीसी जिले में तैनात शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्कूलों के निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपेंगे. इसे लेकर अगले तीन महीने का रोस्टर भी तैयार किया गया है. अधिकारी रोस्टर वार स्कूलों का निरीक्षण करेंगे, निरीक्षण रिपोर्ट का क्रॉस वेरिफिकेशन शिक्षा विभाग के अधिकारी करेंगे. जिले में शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मियों को 3-3 महीने के लिए 10 से 15 स्कूलों का जिम्मा दिया जाएगा. रोस्टर बनाकर स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा. सभी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों का हर सप्ताह कम से कम एक बार निरीक्षण कार्य अनिवार्य किया गया.

कपड़ा व्यवसायी के घर से लाखों की डकैती, हड़कंप

संवाददाता । मधुबनी

मधुबनी में बेखौफ अपराधियों ने कपड़ा व्यवसाई के घर भीषण डकैती की घटना को अंजाम दिया है. घटना भैरवस्थान थाना क्षेत्र के खैरा तिलई गांव की है. कपड़ा व्यवसायी बिनोद पंजियार और उनकी पत्नी आशा देवी की डकैतों ने लोहे की रॉड से पिटाई भी की. डकैती में 12 लाख नकद एवम स्वर्णा भूषण है. रात में ही सूचना पर पुलिस पहुंची और अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है. अब तक डकैतों की पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी करने की बात कह रही है. बताया जा रहा है कि भैरवस्थान थाना क्षेत्र के खैरा तिलई गांव में खैरा उच्च विद्यालय चौक के पास गुरुवार देर रात करीब 12 -1 बजे के आसपास 12 बेखौफ नकाबपोश अपराधियों ने कपड़ा व्यवसाई के घर धावा बोला. नकाबपोश अपराधियों ने परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया और घर में रखे 12 लाख रुपये, 12 भर के करीब स्वर्णाभूषण सहित करीब 25 लाख रुपये की संपत्ति लूट कर फरार हो गया. इस दौरान विरोध करने पर अपराधियों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट भी की. वैसे किसी को गंभीर चोट नहीं आयी है.

हाजीपुर में करंट लगने से किसान की हुई मौत

वैशाली । वैशाली में खेत पटवन कर रहे किसान सह उप मुखिया की मौत करंट लगने से हो गई है. मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजन भागे-भागे घटना स्थल पहुंचे. जहां से इलाज के लिए स्थानीय बिदुपुर अस्पताल में लाया गया. लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. मौत के बाद उसके परिजनों में कोहराम मच गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है. घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के बाजीतपुर पंचायत की है. जहां घर से कुछ ही दूरी पर किसान खेत में पटवन कर रहे थे. मृतक किसान बिदुपुर थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव निवासी सुखदेव सिंह के 50 वर्षीय पुत्र शंभू शरण बताए गए हैं. जो वर्तमान में बाजितपुर पंचायत के उप मुखिया भी है. जिनके दो पुत्र है. दोनों की शादी कर चुके हैं.

कारोबार

फास्टैग, एनसीएमसी में ऑटोमेटिक ऐड होगा पैसा

नयी दिल्ली । फास्टैग और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के यूजर्स अब रेकरिंग पेमेंट मैकेनिज्म के जरिए अपने कार्ड में बैलेंस ऐड कर सकेंगे. इस मैकेनिज्म का इस्तेमाल करने पर ग्राहकों का फास्ट टैग और एनसीएमसी का बैलेंस उनके ओर से तय सीमा से नीचे जाने पर ऑटोमेटिक रूप में पैसा ऐड हो जाएगा. इससे ट्रैवल और मोबिलिटी से जुड़े पेमेंट करने में आसानी होगी. आरबीआई गवर्नर ने शुक्रवार को मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए यह बात कही.

राष्ट्रपति से मिले 16वें वित्त आयोग के चेयरमैन

नई दिल्ली । सोलहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. हालांकि, इस मुलाकात के संबंध में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं मिली है. अरविंद पनगढ़िया को सोलहवें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए केंद्र और राज्यों के बीच कर राजस्व बंटवारे के फार्मूले की सिफारिश करेगा.

इस साल रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर बिके

नयी दिल्ली । भीषण गर्मी के कारण इस साल देशभर में रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर (एसी) बिक सकते हैं. कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा, मई में एसी की रिकॉर्ड बिक्री हुई है. गर्मी में बिक्री में 30-40 फीसदी बढ़ सकती है. वाचानी ने कहा, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने अब शहरी क्षेत्रों में घरेलू एसी को अनिवार्य जरूरत बना दिया है. बाजार विकसित होने के साथ उम्मीद है कि देश में सालाना बिक्री करीब 1.4 करोड़ इकाई होगी, जो क्षेत्र के मजबूत विस्तार को बताती है. भारतीय रिहायशी एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़कर लगभग एक से 1.11 करोड़ इकाई तक पहुंचने की उम्मीद है.

आरबीआई ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की

आरबीआई ने लगातार आठवीं बार रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा

एजेंसियां । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार आठवीं बार नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा. महंगाई को टिकाऊ आधार पर चार प्रतिशत के स्तर पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा गया है.

इसके साथ मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने खुदरा महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप लाने के लिए उदार रुख को वापस लेने के अपने निर्णय पर भी कायम रहने का फैसला किया है. आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बुधवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, उभरती वृहद आर्थिक और वित्तीय गतिविधियों तथा परिदृश्य पर गौर करने के बाद एमपीसी ने नीतिगत दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया. एमपीसी के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने, जबकि दो...आशिमा गोयल और प्रोफेसर जयंत आर वर्मा ने इसमें 0.25 प्रतिशत कमी लाने के लिए मतदान किया. इसके साथ स्थायी जमा सुविधा 6.25 प्रतिशत, सीमांत स्थायी सुविधा दर और बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर कायम है.

रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार : रेपो वह ब्याज दर है, जिसपर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं. आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इसका उपयोग करता है. रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में बदलाव की संभावना कम है. केंद्रीय बैंक ने आर्थिक गतिविधियों में मजबूती और दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से बेहतर रहने के अनुमान के साथ 2024-25 के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत पर कर दिया है. वहीं चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है. चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए दास ने कहा, एमपीसी सदस्यों ने खुदरा महंगाई को लक्ष्य के अनुरूप लाने और वृद्धि को समर्थन देने के लिए उदार रुख को वापस लेने के अपने निर्णय को भी कायम रखने का फैसला किया है.

वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया

विदेशी मुद्रा भंडार 651.5 अरब डॉलर के नए उच्चस्तर पर : आरबीआई गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई तक 651.5 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है. इससे पिछले सप्ताह यानी 24 मई को यह 646.67 अरब डॉलर पर था. इसके बाद से कुल कोष में 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है. दास ने द्विमासिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए अपने बयान में कहा, एक नई उपलब्धि, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई को 651.5 अरब अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक उच्चस्तर पर पहुंच गया. 17 मई को विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.7 अरब अमेरिकी डॉलर था.

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसियां । नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं. पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार दबाव में कारोबार करते रहे. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है. अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही. एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है.

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ सपाट स्तर पर बंद हुए. एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.02 प्रतिशत फिसल कर 5,352.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,173.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया. डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 38,922.70 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है.

मई में वेज थाली की कीमत 9 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली । गुरुवार को भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में (सालाना आधार पर) 9% बढ़कर 27.8 रुपए हो गई है. पिछले साल मई 2023 में वेज थाली की कीमत 25.5 रुपए थी. वहीं अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एपल को पीछे कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है. भारत में एक वेजिटेरियन थाली की कीमत मई में (सालाना आधार पर) 9% बढ़कर 27.8 रुपए हो गई है. पिछले साल मई 2023 में वेज थाली की कीमत 25.5 रुपए थी. क्रिसिल ने गुरुवार (6 जून) को जारी किए अपने फूड प्लेट कॉस्ट के मंथली इंडिकेटर में इस बात की जानकारी दी.

बाजार

लोस चुनाव के नतीजों से पहले के स्तर को पार किया, निफ्टी 23,290 पर बंद

सेंसेक्स 2% से ज्यादा उछला, रिकॉर्ड 76,795 पर पहुंचा

खास बातें

- आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5% की तेजी
- एम एंड एम का शेयर सबसे ज्यादा 5.83% चढ़ा है.

एजेसियां । मुंबई

रिजर्व बैंक के जीडीपी अनुमान बढ़ाने के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 76,795 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया. हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ. वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा. निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ. ये निफ्टी का ऑलटाइम क्लोजिंग हाई है. सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी रही. एम एंड एम का शेयर सबसे ज्यादा 5.83% चढ़ा है. वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5% की तेजी रही. टाटा स्टील, इंफोसिस और भारती एयरटेल के शेयर करीब 4% चढ़े हैं.

सपाट बंद हुए अमेरिकी बाजार

गुरुवार को अमेरिकी मार्केट में फ्लैट कारोबार देखने को मिला. डाओ जोन्स 79 अंक चढ़कर 38,886 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, नैस्डेक 14 अंक गिरकर 17,173 के स्तर पर और एस&पी 500 इंडेक्स 1 अंक गिरकर 5,352 के स्तर पर बंद हुआ. फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने गुरुवार को भी अपनी बिकवाली जारी रखी. एनएसई पर उपलब्ध प्रोविजनल डेटा के अनुसार एफआईआईएस ने 6,867.72 करोड़ के शेयर बेचे. इस दौरान डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 3,718.38 करोड़ के शेयर खरीदे.

गुरुवार को बाजार में रही थी बढ़त

इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 692 अंक की तेजी के साथ 75,074 के स्तर पर बंद हुआ था. वहीं निफ्टी में भी 201 अंक की बढ़त रही. ये 22,821 के स्तर पर बंद हुआ था. मिडकैप इंडेक्स में 2.28% और स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.06% की तेजी रही. सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 में बढ़त और 7 में गिरावट रही. वहीं, टेक, सरकारी बैंक और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही. टेक महिंद्रा का शेयर टॉप गेनर रहा, यह 4.43 % चढ़कर 1,323 रुपए पर बंद हुआ. अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए थे.

व्यापार तनाव के बावजूद चीन का निर्यात मई में 7.6 % बढ़ा

एजेंसियां । हांगकांग

व्यापार तनाव के बावजूद मई में चीन का निर्यात विश्लेषकों की उम्मीदों से अधिक रहा है. हालांकि, इस दौरान उसके आयात में कमी आई है. सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, मई में निर्यात सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़कर 302.35 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. आयात 1.8 प्रतिशत बढ़कर 219.73 अरब डॉलर रहा, जो लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से कम है. मजबूत निर्यात के कारण चीन का व्यापार अधिशेष भी बढ़कर 82.62 अरब डॉलर हो गया है, जो अप्रैल में 72.35 अरब डॉलर था. चीन के निर्यात में वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब उसे अमेरिका तथा यूरोप के साथ बढ़ते व्यापार तनाव का सामना करना पड़ रहा है. अमेरिका चीन निर्मित इलेक्ट्रिक कारों पर शुल्क बढ़ा रहा है जबकि यूरोप भी इसी तरह के शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है.

पिछले सप्ताह जारी एक आधिकारिक सर्वेक्षण के अनुसार, मई माह में चीन में कारखाना गतिविधियां अपेक्षा से अधिक धीमी रहीं. चाइना फेडरेशन ऑफ लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग द्वारा जारी विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अप्रैल के 50.4 से घटकर मई में 49.5 पर आ गया. इसके 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है.

ब्रीफ खबरें

रूस में चार भारतीय छात्र नदी में डूबे, मौत

मास्को। रूस में सेंट पीटर्सबर्ग के पास एक नदी में डूबने से चार भारतीय छात्रों की मौत हो गई और यहां स्थित भारतीय मिशन उनके शव परिजनों तक पहुंचाने के लिए रूसी अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं. चारों छात्र वेलिकी नोवगोरोद शहर में स्थित नोवगोरोद स्टेट यूनिवर्सिटी में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे. इनमें दो लड़के और दो लड़कियां थीं. स्थानीय मीडिया के अनुसार, एक भारतीय छात्रा वोलखोव नदी में किनारे से थोड़ा दूर चली गई थी और डूबने लगी तो उसके चार साथी उसे बचाने की कोशिश में लग गए.

बगदाद में अमेरीकी रेस्त्रां पर हुआ हमला

बगदाद। बगदाद में कुछ दिन पहले दो एसयूवी और एक सफेद पिकअप वैन में सवार होकर आए एक दर्जन नकाबपोश लोगों ने 'केएफसी' रेस्त्रां पर हमला किया और घटनास्थल से फरार गए. इससे कुछ ही दिन पहले इसी प्रकार की हिंसा 'लीज फेमस रेसिपी चिकन (रेस्त्रां)' और 'चिली हाउस' में भी हुई थी. ये सभी अमेरिकी ब्रांड इराक की राजधानी में लोकप्रिय हैं और इन पर हालिया हमले दिखाते हैं कि हमास और इजराइल के बीच युद्ध में अमेरिका द्वारा इजरायल के प्रति समर्थन से इराक में लोगों का गुस्सा बढ़ रहा है.

सीरिया में सात लोगों की मौत, 20 घायल

दार्कुश (सीरिया)। उत्तर-पश्चिमी सीरिया में गुरुवार को एक स्कूल बस सड़क से फिसलकर नदी में गिर गई, जिससे कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए. इनमें अधिकांश बच्चे थे. स्थानीय नागरिक सुरक्षा संगठन ने एक बयान में बताया कि यह दुर्घटना इदलिब शहर के पश्चिम में स्थित दार्कुश के पास हुई, स्कूल बस ओरोंटेस नदी में गिर गई. बयान में कहा गया कि घटना की सूचना मिलने पर बचाव दल के कर्मियों ने वहां छह घंटे तक तलाश अभियान चलाया.

विद्रोहियों ने मिसाइल का प्रक्षेपण किया

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने अपने शस्त्रागार में एक नई, ठोस ईंधन वाली मिसाइल का प्रदर्शन किया और उसका प्रक्षेपण किया. यह मिसाइल ईरान द्वारा पहले प्रदर्शित की गई मिसाइल से मिलती जुलती है जिसे तेहरान ने हाइपरसोनिक गति से उड़ने वाला बताया है. विद्रोहियों ने सोमवार को इजराइल में दक्षिणी खाड़ी क्षेत्र में अकाबा के ईलात बंदरगाह पर अपनी नई फलस्तीनी मिसाइल दागी. प्रक्षेपण के कारण हवाई हमले के सायरन बज उठे लेकिन किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं है.

एक्सप्रेस ट्रेन के कोच में आग लगी

जयपुर। दौलतपुर-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के थर्ड एसी कोच में शुक्रवार को जयपुर के खातीपुरा स्टेशन के पास मामूली आग लग गई. उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता कैप्टन शशि किरण ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और ट्रेन एक घंटे की देरी से रवाना हुई. उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है. आग शौचालय के पास लगी थी. यात्री ने तुरंत चेन खींची और कोच अटेंडेंट ने यात्रियों की मदद से आग पर काबू पाया. उन्होंने बताया कि कोच को अलग कर यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया गया.

मिला सम्मान

लखनऊ में शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी कार्यालय में आयोजित पार्टी की बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का अभिनंदन किया गया.

संसद की सुरक्षा में चूक मामला

छह आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने संसद सुरक्षा चूक मामले में शुक्रवार को यहां एक अदालत में छह आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरदीप कौर के समक्ष दायर 1000 पन्नों के आरोपपत्र में आरोपी के तौर पर मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के नाम हैं. अंतिम रिपोर्ट 'विधिविरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम' (यूएपीए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के संबंधित प्रावधानों के तहत दाखिल की गई थी. विशेष सरकारी अभियोजक अखंड प्रताप सिंह ने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि आईपीसी की धारा 186 और यूएपीए की धारा 13 के तहत अभियोजन के लिए स्वीकृति का भी इंतजार है जिसके लिए पूरक आरोपपत्र दो सप्ताह के अंदर दाखिल किया जाएगा. अदालत ने पूरक आरोपपत्र दाखिल करने के लिए 15 जुलाई की तारीख तय की है.

मई की लू देश की अब तक की सबसे गर्म लहर

भारत में अल नीनो का प्रभाव, 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रही गर्मी

भाषा। नयी दिल्ली

देश में मई में महसूस की गई लू अब तक के सबसे अधिक गर्म ग्रीष्म लहर से डेढ़ डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म थी. जलवायु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के एक स्वतंत्र समूह द्वारा एक नए अध्ययन में इसकी जानकारी दी गयी है. क्लाइमामीटर के शोधकर्ताओं ने कहा कि मई में भारत में प्रचंड एवं लंबे समय तक चलने वाली गर्मी की लू प्राकृतिक रूप से होने वाली घटना अल नीनो प्रक्रिया का परिणाम थी. शोधकर्ताओं ने विश्लेषण किया कि भारत की मई में उच्च तापमान जैसी घटनाएं अतीत (1979-2001) की तुलना में वर्तमान (2001-2023) में कैसे बदल गयी. इस विश्लेषण में कहा गया है कि तापमान में बदलाव से यह पता चलता है कि इसी तरह की घटनाओं से मौजूदा जलवायु में उत्पन्न तापमान अतीत की तुलना में कम से कम 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है. वर्षा परिवर्तन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं दिखता है.

पूरी दुनिया गर्म मौसम का सामना कर रही है : अल नीनो और मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव के तहत दुनिया इस तरह के गर्म मौसम का सामना कर रही है. उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य क्षेत्र के कुछ हिस्से मई में भीषण गर्मी की चपेट में रहे और कई राज्यों में गर्मी से मौतों की सूचना मिली. केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस सप्ताह भारत के 150 प्रमुख जलाशयों में पानी का भंडारण उनकी कुल भंडारण क्षमता का केवल 22 प्रतिशत रह गया है, जिससे कई राज्यों में पानी की कमी हो गई है और जलविद्युत उत्पादन पर भी असर पड़ा है. पीटीआई-भाषा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया था कि भारत में मार्च से मई तक संदिग्ध तापाघात के लगभग 25,000 मामले एवं गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण मौत के 56 मामले सामने आये थे.

भारत में तापलहर, तापमान की असहनीय सीमा तक पहुंची

फ्रेंच नेशनल सेंटर फॉर साइंटिफिक रिसर्च' के डेविड फरांदा ने बताया कि क्लाइमामीटर के निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग के कारण भारत में लू यानी तापलहर, तापमान की असहनीय सीमा तक पहुंच रही है. उन्होंने कहा, तापमान 50 डिग्री के आस पास पहुंचने का कोई तकनीकी समाधान नहीं है. हम सब लोगों को कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने तथा उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में तापमान सीमा से अधिक पहुंचने से रोकने की दिशा में काम करना चाहिये. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के जियानमार्को मेंगाल्डो ने कहा कि निष्कर्ष प्राकृतिक परिवर्तनशीलता और जलवायु परिवर्तन के बीच जटिल परस्पर क्रिया को दर्शाते हैं, जिसमें जलवायु परिवर्तन उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में महत्वपूर्ण मौसम पैटर्न परिवर्तनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो निकट भविष्य में तापलहर को काफी हद तक बढ़ा सकता है.

पीएम के रूप में मोदी का भविष्य अनिश्चित है : गौरव गोगोई

भाषा। गुवाहाटी

कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी का भविष्य अनिश्चित है क्योंकि गठबंधन सरकार चलाने के लिए बड़े दिल, खुले दिमाग और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है. गोगोई और कांग्रेस के दो अन्य निर्वाचित सांसदों को यहां पार्टी की राज्य इकाई के मुख्यालय में सम्मानित किए जाने के अवसर पर पार्टी नेता ने संवाददाताओं से कहा, ये वे गुण हैं जो पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी में थे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मोदी में ये गुण हैं इसलिए उनके लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने की संभावनाओं पर संदेह है. जोरहाट लोकसभा सीट पर भाजपा के तपन गोगोई के खिलाफ जीत हासिल करने वाले गौरव गोगोई ने उत्तर प्रदेश के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री से भी बड़ा दर्जा दिया. निवर्तमान लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा, अगर हम उत्तर प्रदेश में रायबरेली और वाराणसी के मतों के अंतर की तुलना करें, तो गांधी ने मोदी से दोगुने से भी अधिक अंतर से जीत हासिल की है.

कर्नाटक में मानहानि के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

बेंगलुरू। भाजपा की कर्नाटक इकाई द्वारा दर्ज कराए गए मानहानि के एक मामले में यहां एक विशेष अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को शुक्रवार को जमानत दे दी. मामला पिछले साल राज्य विधानसभा चुनाव से पहले प्रमुख अखबारों में कथित रूप से 'अपमानजनक' विज्ञापन जारी करने से संबंधित है. इनमें राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019 से 2023 तक शासन के दौरान बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया गया था. अदालत ने एक जून को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार को इस मामले में जमानत दी थी. वे अदालत के समक्ष पेश हुए थे. अब राहुल गांधी को सात जून को पेश होना होगा.

कर्नाटक के राज्यपाल ने स्वीकार किया मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा

बेंगलुरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री बी नागेंद्र का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है. सरकारी निगम से धन के अवैध हस्तांतरण के आरोपों के बीच नागेंद्र ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया था. राजभवन की ओर से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मंत्री का इस्तीफा स्वीकार करने की सिफारिश की थी. राजभवन की ओर से जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में अवैध हस्तांतरण करके 87 करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में इसके कर्मचारी चंद्रशेखर पी ने आत्महत्या कर ली थी.

अरुणाचल में पेमा सरकार को समर्थन देगी एनपीपी

एजेंसी। ईटानगर

नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू सरकार को समर्थन देगी. पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. एनपीपी अरुणाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थांगवांग वांगहम ने कहा कि पार्टी ने हाल ही में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में लोगों के जनादेश को स्वीकार कर लिया है. वांगहम ने कहा कि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी, जो कि नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) की सहयोगी है, अरुणाचल प्रदेश में पेमा खांडू सरकार को अपना समर्थन देगी. उन्होंने राज्य में लोगों की आकांक्षाओं को बरकरार रखने के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया और कहा, हम जनादेश को स्वीकार करते हैं. प्रदेश की लोंगडिंग-पुमाओ विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने वाले वांगहम ने कहा कि पार्टी के पास राज्य, क्षेत्र और देश के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण है. उन्होंने कहा, हमारी राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ क्षेत्रीय आकांक्षाएं भी हैं और हम हमेशा जनता के कल्याण तथा राज्य के विकास के लिए काम करेंगे. नेशनल पीपुल्स पार्टी ने 19 अप्रैल को हुए राज्य विधानसभा चुनाव में 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और पांच सीटों पर जीत हासिल की थी.

शराब नीति मामला

कविता के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया

नयी दिल्ली। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता के खिलाफ यहां एक अदालत में शुक्रवार को पूरक आरोपपत्र दायर किया. विशेष सीबीआई न्यायाधीश कावेरी बावेजा इस आरोपपत्र पर शुक्रवार को सुनवाई कर सकती हैं. कविता इस मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं. वह प्रवर्तन निदेशलय (ईडी) द्वारा दर्ज किए गए धनशोधन के मामले में भी न्यायिक हिरासत में हैं.

जम्मू-कश्मीर में 68% उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर की पांच लोकसभा सीट पर हुए चुनाव में कुल 100 उम्मीदवारों में से 68 प्रतिशत को 'नोटा' (उपरोक्त में से कोई नहीं) विकल्प से भी कम वोट मिले हैं. निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी. जम्मू के सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों में 34,788 मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया. जम्मू क्षेत्र के उधमपुर निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक 12,938 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना. इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जितेंद्र सिंह ने जीत हासिल की है.

उधमपुर लोकसभा सीट पर 11 अन्य उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें नौ से अधिक उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले हैं. जम्मू सीट पर 4,645 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना, जो 18 उम्मीदवारों को मिले मतों से भी ज़्यादा हैं. जम्मू सीट पर 22 उम्मीदवार मैदान में थे और यहां से भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर ने जीत दर्ज की.

श्रीनगर सीट पर नोटा का विकल्प चुनने वाले मतदाताओं की संख्या 5,998 है, यहां से 24 उम्मीदवार मैदान में थे और उनमें से 18 उम्मीदवारों को नोटा से कम वोट मिले. अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र में 6,223 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना.

आग लगने से चौकीदार की मौत, 40 बच्चे सुरक्षित

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे शहर के शनिपार इलाके में गुरुवार को देर रात पांच मंजिला इमारत में आग लगने से एक चौकीदार की मौत हो गई, वहीं इमारत में संचालित एक छात्रावास से 40 से अधिक छात्राओं को सुरक्षित निकाल लिया गया. मुख्य दमकल अधिकारी देवेंद्र पोटफोडे ने बताया कि यह घटना देर रात करीब 1.30 बजे हुई. उन्होंने बताया कि इमारत की दूसरी मंजिल पर छात्रावास में 42 छात्राएं रहती हैं. आग लगने के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. पोटफोडे ने बताया, दमकल विभाग को पांच मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना मिली. हमारे दल के मौके पर पहुंचने पर पता चला कि आग भूतल पर स्थित एक 'अकाउंटिंग अकादमी' में लगी थी. उन्होंने बताया कि दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने छात्राओं को बाहर निकाल लिया था.

कांग्रेस ने ईवीएम को खारिज नहीं किया : पी चिदंबरम

भाषा। चेन्नई

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम को खारिज नहीं करती है और वह वीवीपीएटी में सुधार के पक्ष में है. चिदंबरम ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र में हमने ईवीएम को खारिज नहीं किया है. उन्होंने कहा, कृपया घोषणा पत्र पढ़ें, हम यही कह रहे हैं कि वीवीपीएटी पर्ची, हमारे पढ़ने के लिए, लगभग 4-5 सेकंड तक प्रदर्शित होती है और फिर पर्ची बॉक्स के अंदर गिर जाती है. हमने घोषणा पत्र में कहा है कि एक और सुधार होना चाहिए. वीवीपीएटी बक्से में पर्ची के स्वतः गिरने के बजाय, मतदाता को उसे प्राप्त करने, उसे देखने और फिर उसे बक्से में डालने की सुविधा मिलनी चाहिए और इस सुधार से ईवीएम-वीवीपीएटी प्रणाली के संबंध में किसी के मन में कोई संदेह नहीं रहेगा.

गुजरात में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

आणंद। गुजरात के आणंद जिले में महिसागर नदी में दो महिलाओं सहित एक ही परिवार के चार लोगों की डूबने से मौत हो गई. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. आणंद जिले की खंभोलाज पुलिस ने एक बयान में बताया कि यह घटना गुरुवार शाम को खानपुर गांव के बाहरी इलाके में हुई थी. खानपुर गांव गर्मियों में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जहां लोग महिसागर नदी में घूमने के लिए आते हैं. इसमें कहा गया, गामडी गांव के एक परिवार के चार सदस्य नदी में डुबकी लगाने आए थे. इसी दौरान उनमें से एक डूबने लगा जिसे बचाने के लिए अन्य तीन भी नदी में कूद गए, लेकिन वे सभी गहरे पानी में डूब गए. पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और वे केवल पीड़ितों के शव ही बरामद कर सके.

जज्बा मध्यप्रदेश की राज्य सेवा परीक्षा 2021 की प्रावीण्य सूची में छठा स्थान हासिल की

11वीं में फेल हुई किसान की बेटी, हैट्रिक लगाकर बनी डिप्टी कलेक्टर

एजेंसी। इंदौर

मध्यप्रदेश की राज्य सेवा परीक्षा 2021 की प्रावीण्य सूची में छठा स्थान हासिल करके उप जिलाधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) पद पर चुनी गईं प्रियल यादव के जीवन के संघर्ष की कहानी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हो सकती है. प्रियल यादव 11वीं में एक बार फेल हो गई थीं, लेकिन इस नाकामी से मायूस होने के बजाय उन्होंने पढ़ाई में कड़ी मेहनत का रास्ता अख्तियार किया जिसके बूते वह राज्य सेवा परीक्षा में लगातार तीसरी बार चुनी गई हैं. यादव (27) ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा को बताया, मैं 10वीं तक की परीक्षाओं में अपनी कक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करती रही, लेकिन रिश्तेदारों के दबाव के चलते मैंने 11वीं में भौतिकी, रसायन शास्त्र और गणित संकाय चुन लिया था, जबकि ये विषय पढ़ने में मेरी जरा भी रुचि नहीं थी. इस कारण मैं 11वीं की परीक्षा में भौतिकी विषय में फेल हो गई. यह पढ़ाई के दौरान उनकी जिंदगी की पहली और आखिरी नाकामी थी. यादव ने बताया कि वह राज्य सेवा परीक्षा 2019 में 19वां स्थान हासिल करके जिला पंजीयक के पद पर चुनी गई थीं. उन्होंने बताया कि राज्य सेवा परीक्षा 2020 में उन्होंने 34वां स्थान प्राप्त किया था और सहकारिता विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर उनका चयन हुआ था.

उनकी आंखों में आईएएस बनने का सपना था

यादव फिलहाल इंदौर में जिला पंजीयक के रूप में पदस्थ हैं और उनकी आंखों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में आने का सपना है. उन्होंने कहा कि वह राज्य में डिप्टी कलेक्टर के रूप में काम करते हुए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा की तैयारी करना चाहती हैं. सूबे के हरदा जिले की रहने वाली यादव ने बताया कि उनके पिता खेती-किसानी करते हैं और मां गृहिणी हैं. उन्होंने कहा,मैं ग्रामीण इलाके की रहने वाली हूं जहां लड़कियों की शादी बहुत जल्दी हो जाती है, लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझ पर जल्दी शादी करने का दबाव नहीं बनाया और मुझे पढ़ने की पूरी आजादी दी. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने 2021 की राज्य सेवा परीक्षा का परिणाम बृहस्पतिवार शाम घोषित किया.

कुछ मामले मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है : एमपीपीएससी के एक अधिकारी ने बताया कि इस परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर के पदों पर चयनित शीर्ष 10 उम्मीदवारों में क्रमशः अंकिता पाटकर, अमित कुमार सोनी, पूजा चौहान, मनीषा जैन, प्रियांक मिश्रा, प्रियल यादव, आशिमा पटेल, रितु चौरसिया, सृजन श्रीवास्तव और ज्योति राजोरे शामिल हैं. अधिकारी ने बताया कि राज्य सेवा परीक्षा 2021 के तहत 290 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था, लेकिन सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मुकदमा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित होने के कारण फिलहाल इनमें से 87 प्रतिशत पदों का चयन परिणाम घोषित किया गया है. उन्होंने बताया कि शेष 13 प्रतिशत पदों की चयन सूची इस मुकदमे में अदालत के अंतिम फैसले के बाद घोषित की जाएगी.

नेपाल सरकार ने भारत सहित 11 देशों से अपने राजदूतों को बुलाया

एजेंसी। काठमांडू

नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है, जिनमें भारत और अमेरिका में सेवारत राजदूत भी शामिल हैं और इनकी नियुक्ति नेपाली कांग्रेस के कोटे के तहत की गई थी. यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब तीन माह पहले प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' ने पार्टी (नेपाली कांग्रेस) से गठबंधन समाप्त किया और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाया है. उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की कड़ी आपत्तियों के बावजूद सरकार ने गुरुवार को यह कदम उठाया.

समाचारपत्र 'द काठमांठू पोस्ट' की एक खबर के मुताबिक, नेपाल ने भारत में अपने राजदूत शंकर शर्मा को वापस बुला लिया है. खबर में विदेश मंत्रालय के अनेक अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि इस तरह के कदम से बहुत अराजनयिक संदेश जाता है.

खबर में एक मंत्री के हवाले से कहा गया कि विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस और अन्य दलों के कोटे से नियुक्त राजदूतों को वापस बुलाने के प्रस्ताव का कथित तौर पर विरोध कर रहे थे लेकिन प्रधानमंत्री दाहाल और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली ने राजदूतों को वापस बुलाने का फैसला किया.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)